CMYK

www.deshbandhu.co.in ख़बरें लगातार ... | छत्तीसगढ़ का पहला राष्ट्रीय दैनिक | संपर्क करें : bilaspurdeshbandhu@gmail.com

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

बिलासपुर, मंगलवार, 12 दिसंबर 2023 । वर्ष – 33 । अंक –223 । पृष्ठ –12 । मूल्य – 4.00 रु.

जम्मू-कश्मीर में तत्काल हो विस चुनाव : कांग्रेस

■ यह तो जातिवाद का विरोध नहीं, हिमायत है!
■ कॉप 28 जलवायु परिवर्तन पर सैन्यीकरण के प्रभाव का संज्ञान
पृष्ठ 4

■ रूस ने गाजा में अंतर्राष्ट्रीय निगरानी मिशन का आह्वान किया
■ हिलेरी क्लिंटन बाइडेन के पुनः चुनाव अभियान में निभाएंगी बड़ी भूमिका
पृष्ठ 9

दक्षिण अफ्रीका को हराकर रोहित लिख सकते हैं नया इतिहास : पृष्ठ 10

सार संक्षेप

दिल्ली रवाना हुए सीएम विष्णुदेव साय

रायपुर,। छत्तीसगढ़ के नवनियुक्त मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में 13 दिसंबर को किया जाना है। वहीं सीएम साय आज शाम दिल्ली के लिए रवाना हुए, जहां वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, अध्यक्ष जेपी से मुलाक़ात कर आभार व्यक्त करेंगे। इसके साथ ही शपथ ग्रहण समारोह का निमंत्रण भी देंगे।

छत्तीसगढ़ कैडर के आईपीएस जितेंद्र सिंह मीणा सीबीआई में बनेंगे डीआईजी

रायपुर। छत्तीसगढ़ कैडर के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी जितेंद्र सिंह मीणा को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो में उप महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। इस संबंध में आदेश भी ज़ारी कर दिए गए है। आदेश में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ कैडर के 27 बैच के आईपीएस अधिकारी मीणा को पांच साल की अवधि के लिए सीबीआई में नियुक्त किया गया है।

उनके अलावा चार पुलिस अधीक्षक को संघीय जांच एजेंसी में नियुक्त किया गया है। कार्मिक मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, सीबीआई में नियुक्त चार अधिकारियों में विनायक वर्मा (मध्य प्रदेश कैडर), अचल त्यागी (गुजरात कैडर), प्रवीण कुमार (गुजरात कैडर) शामिल हैं, जिन्हें पांच साल के लिए नियुक्त किया गया है।

हिंडन एयरबेस में खोदी सुरंग, स्पॉट सील

गाजियाबाद। गाजियाबाद के हिंडन वायु सेना अड्डे की सुरक्षा में बड़ी सेंधमारी हुई है। एयरबेस के बाउंड्रीवॉल के पास 4 फीट गहरी सुरंग खोद दी गई है। लोगों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी जिसके बाद इस स्पॉट को सील कर दिया गया है। एयरफोर्स की ओर से टीला मोड़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। सीसीटीवी फुटेज के जरिए पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी गई है। अन्य जांच एजेंसियां भी इसकी जांच कर रही हैं।

वाईएसआरसीपी विधायक ने विधानसभा से इस्तीफा दिया

अमरावती। आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ वाईएसआरसीपी को झटका देते हुए मंगलागिरि निर्वाचन क्षेत्र से विधायक ऑल रामकृष्ण रेड्डी ने सोमवार को विधानसभा और पार्टी से इस्तीफा दे दिया। मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी के करीबी माने जाने वाले रामकृष्ण रेड्डी ने अपना इस्तीफा स्पीकर के ओएसडी को सौंप दिया, क्योंकि वह अपने कार्यालय में उपलब्ध नहीं थे। उन्होंने मीडियाकर्मियों से कहा कि उन्होंने अपना इस्तीफा स्पीकर को सौंप दिया है और उनसे इस्तीफा स्वीकार करने का भी अनुरोध किया है।

संजय सिंह की न्यायिक हिरासत 21 दिसंबर तक बढ़ाई गई

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाला मामले में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह की न्यायिक हिरासत सोमवार को 21 दिसंबर तक बढ़ा दी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने सिंह की जमानत याचिका पर सुनवाई भी मंगलवार को सूचीबद्ध की है।

मोहन यादव होंगे मध्य प्रदेश के नए मुख्यमंत्री

नरेन्द्र सिंह तोमर विधानसभा अध्यक्ष और जगदीश देवड़ा और राजेन्द्र शक्ला डिप्टी सीएम

भोपाल 11 दिसम्बर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के विधायकों की बैठक में मोहन यादव को विधायक दल का नेता चुन लिया गया है और वह राज्य के अगले मुख्यमंत्री होंगे। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से आने वाले मोहन यादव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के करीबी हैं। राज्य के विधानसभा चुनाव में 230 सीटों में से 163 पर भाजपा ने जीत दर्ज की थी और नेता चुनने के लिए सोमवार को पार्टी कार्यालय में बैठक बुलाई गई जहां सर्वसम्मति से यादव को दल का नेता चुन लिया गया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने संवाददाताओं से चर्चा करते हुए बताया कि मोहन यादव के नाम का प्रस्ताव मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया था और समर्थन केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद पटेल, राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने किया। बैठक में हिस्सा लेने पहुँचे विधायक और पार्टी द्वारा नियुक्त तीनों पर्यवेक्षक हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर, पार्टी के पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के. लक्ष्मण और पार्टी की राष्ट्रीय सचिव आशा लाकड़ा विशेष विमान से भोपाल पहुँचीं।

शिवराज सिंह चौहान ने किया था नाम का प्रस्ताव स्पीकर पद के लिए नरेंद्र तोमर के नाम का एलान

मध्य प्रदेश में दो उपमुख्यमंत्री भी होंगे

मोहन यादव उज्जैन दक्षिण विधानसभा सीट से विधायक हैं। सूत्रों के मुताबिक, मध्य प्रदेश में दो उपमुख्यमंत्री भी होंगे। इनके लिए जो दो नाम सामने आ रहे हैं, वे हैं– जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला। जगदीश देवड़ा मल्हारगढ़ और राजेंद्र शुक्ला रीवा से विधायक हैं। इसके अलावा स्पीकर पद के लिए नरेंद्र सिंह तोमर के नाम का एलान किया गया है।

मोहन यादव ने सरकार गठन का दावा पेश किया, शिवराज सिंह चौहान ने दिया इस्तीफा

मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की ओर से मोहन यादव ने सोमवार को पार्टी विधायक दल के नेता चुने जाने के बाद राजभवन पहुँचकर मंगु भाई पटेल को पत्र सौंपकर सरकार बनने का दावा पेश किया। वहीं निवर्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया। भाजपा विधायक दल की बैठक पार्टी के प्रदेश कार्यालय में हुई और उज्जैन दक्षिण से विधायक मोहन यादव को सर्वसम्मति से नेता चुना गया। उसके बाद यादव ने पार्टी नेताओं के साथ राजभवन पहुंचकर राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मुलाकात की और सरकार बनाने का दावा पेश किया।

मोदी की मौजूदगी में मुख्यमंत्री साय मंत्रिमंडल के सदस्य कल लेंगे शपथ

रायपुर, 11 दिसबर प्रधानमंत्री श नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उनके मंत्रिमंडल के सदस्य 13 दिसम्बर को दोपहर 2 बजे राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में शपथ ग्रहण करेंगे।

कार्यक्रम में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा, केन्द्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, सह प्रभारी नितिन नबीन सहित अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता उपस्थित रहेंगे।

शपथ ग्रहण समारोह के लिए तीन विशाल मंच बनाए जा रहे हैं। जिसमें बीच के मंच में शपथ ग्रहण होगा। एक ओर अतिविशिष्ट आमंत्रित व्यक्तियों तथा दूसरी ओर नवनिर्वाचित विधायकों के लिए मंच बनाया जा रहा है। इसके साथ ही कार्यक्रम स्थल में विशिष्ट अतिथियों, मीडिया प्रतिनिधियों और आमजनों के बैठने के लिए अलग-अलग सेक्टर बनाए जा रहे हैं। ज्यादा से ज्यादा लोग शपथग्रहण को देख सके इसके लिए एल.ई.डी. स्क्रीन भी लगायी जा रही है।

साइंस कॉलेज मैदान में दोपहर 2 बजे होगा शपथ ग्रहण समारोह

आयोजन स्थल में मंच निर्माण, बैठक व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, वाहनों की पार्किंग, विद्युत व्यवस्था, फायर ब्रिगेड ,चिकित्सा व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, शौचालय व्यवस्था आदि के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। मैदान में 50 हजार से अधिक लोगों की बैठक व्यवस्था की तैयारी चल रही हैं। सुरक्षा व्यवस्था हेतु लगभग 1000 पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। रायपुर शहर के चौक-चौराहों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट आदि अन्य जगहों पर

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने सुनाया फैसला

जम्मू-कश्मीर से 370 हटाने का फैसला बरकरार

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का केंद्र सरकार का फैसला बरकरार रहेगा। सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संविधान पीठ ने सोमवार को कहा कि आर्टिकल 370 अस्थायी प्रावधान था। संविधान के अनुच्छेद 1 और 370 से स्पष्ट है कि जम्मू और कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। भारतीय संविधान के सभी प्रावधान वहां लागू हो सकते हैं। केंद्र ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से 370 हटा दिया था। इसके 4 साल, 4 महीने और 6 दिन बाद आए फैसले में कोर्ट ने कहा, 'हम आर्टिकल 370 को निरस्त करने के लिए जारी राष्ट्रपति के आदेश को वैध मानते हैं। हम लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के फैसले की वैधता को भी बरकरार रखते हैं।' इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में 30 सितंबर 2024 तक विधानसभा चुनाव कराने के आदेश दिए।

सर्वोच्च अदालत ने कहा, अनुच्छेद 370 अस्थायी था राज्य में सितम्बर 2024 तक चुनाव कराने का आदेश

कुल 23 याचिकाएं दाखिल हुई थीं

मोदी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल में 5 अगस्त 2019 को आर्टिकल 370 खत्म कर दिया था। साथ ही राज्य को 2 हिस्सों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बांट दिया था। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में कुल 23 याचिकाएं दाखिल हुई थीं। 5 जजों की बेंच ने सभी याचिकाओं की एक साथ सुनवाई की थी। **(शेष पृष्ठ 7 पर)** संविधान पीठ में चीफ जस्टिस डीवाई

हम आर्टिकल 370 को निरस्त करने के लिए जारी राष्ट्रपति के आदेश को वैध मानते हैं। हम लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के फैसले की वैधता को भी बरकरार रखते हैं: ***सुप्रीम कोर्ट***

आर्टिकल 370 को निरस्त करने पर आज का सुप्रीम कोर्ट का फैसला ऐतिहासिक है। ये सिर्फ कानूनी फैसला नहीं है। यह आशा की किरण है, उज्जवल भविष्य का वादा है: ***नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री***

आर्टिकल 370 हटने के बाद गरीबों और वंचितों के अधिकार बहाल हो गए हैं। पत्थरबाजी अब अतीत की बातें हो गई हैं। पूरा क्षेत्र अब मधुर संगीत व सांस्कृतिक पर्यटन से गूंजता है: ***अमित शाह, गृह मंत्री***

जम्मू-कश्मीर ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। आर्टिकल 370 को अस्थायी प्रावधान बताने वाला सुप्रीम कोर्ट का फैसला हमारी हार नहीं है, बल्कि भारत के विचार की हार है: ***महबूबा मुफ्ती, पूर्व मुख्यमंत्री***

फैसले से निराश हूं, लेकिन हतोत्साहित नहीं। संघर्ष जारी रहेगा। यहां तक पहुंचने में बीजेपी को दशकों लग गए। हम भी लंबी दौड़ के लिए तैयार हैं: ***उमर अब्दुल्ला, पूर्व मुख्यमंत्री***

अनुच्छेद 370 को लेकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला ऐतिहासिक : विष्णुदेव साय

रायपुर, 11 दिसम्बर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने धारा 370 को निरस्त करने पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को ऐतेहासिक बताया है। उन्होंने ङ्क पर पोस्ट करते हुए लिखा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने पर आज का सुप्रीम कोर्ट का फैसला ऐतिहासिक है। 5 अगस्त 2019 को भारत की संसद द्वारा लिए गए फैसले को सुप्रीम कोर्ट द्वारा बरकरार रखा जाना भारत की जीत है। यह जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में हमारी बहनों और भाइयों के लिए आशा, प्रगति और एकता की एक शानदार घोषणा है। यह सिर्फ कानूनी फैसला मात्र नहीं है। यह एकजुट भारत के निर्माण के हमारे सामूहिक संकल्प का प्रमाण है। इस विजय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को बधाई, अभिनंदन।

जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग : रमन

रायपुर11 दिसम्बर (देशबन्धु)। अर्टिकल 370 को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। कोर्ट का कहना है कि च्आर्टिकल 370 का प्रावधान उस समय युद्ध के बाद उपजे हालात को लेकर किया गया था। यह अस्थायी है और इसे बदला जा सकता था। इसे निरस्त करने के लिए केंद्र सरकार ने सही प्रक्रिया के तहत निर्णय लिया, जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। कोर्ट के इस फैसले का देशभर में स्वागत किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी इस फैसले का स्वागत किया है। वहीं भाजपा के राष्टीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने भी इस फैसले को केंद्र सरकार के उत्साह को मज़बूती देने वाला बताया है। रमन ने सोशल मीडिया पर लिखा च्दशकों से लंबित कश्मीर में ्रह्लह्लद्बष्द्य 370 माँ भारती की एक असहनीय पीड़ा थी, जिसे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की भाजपा सरकार ने सदन में समाप्त कर जम्मू, कश्मीर और लद्दाख के नागरिकों के लिए विकास के द्वार खोलने का काम किया। आज माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने इस आर्टिकल 370 को निरस्त किए जाने के निर्णय पर मुहर लगाकर राष्टीय एकता तथा अंत्योदय की विचारधारा के अनुरूप कार्य करती केंद्र की भाजपा सरकार के उत्साह को मजबूती प्रदान की है।

राजस्थान के नए मुख्यमंत्री पर फैसला आज

जयपुर, 11 दिसम्बर (एजेंसियां)। राजस्थान में नए मुख्यमंत्री के चयन को लेकर चल रही उठापटक के बीच भाजपा ने अपने सभी विधायकों को मंगलवार को जयपुर में जुटने को कहा है। मंगलवार सुबह बैठक में पर्यवेक्षक और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सरोज पांडे और विनोद तावड़े शामिल होंगे। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा दफ्तर में सुबह करीब 11 बजे विधायक दल की बैठक शुरू होगी। पहले विधायकों से वन-टू-वन बातचीत होगी जिसके बाद लंच के बाद मुख्यमंत्री के नाम की औपचारिक घोषणा की जा सकती है।

भाजपा ने विधायकों को जयपुर बुलाया बैठक में केंद्रीय पर्यवेक्षक होंगे शामिल

वसुंधरा भी दिखा रही तेवर–इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा भी तेवर के साथ-साथ अपनी ताकत भी दिखा रही है। सोमवार को वरिष्ठ विधायक कालीचरण सराफ, प्रताप सिंह सिंघवी, बाबू सिंह राठौड़, जसवन्त यादव, पूर्व विधायक अशोक परनामी, राजपाल सिंह शेखावत और प्रह्लाद गुंजल पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के बंगले पर पहुंचे।

प्याज निर्यात पर प्रतिबंध का एमवीए ने किया विरोध

महाराष्ट्र विधानमंडल के बाहर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया

नागपुर, 11 दिसम्बर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के विधायकों ने सोमवार को प्याज निर्यात पर प्रतिबंध हटाने और अन्य कृषि संबंधी मुद्दों की मांग को लेकर महाराष्ट्र विधानमंडल के बाहर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। एमवीए के सहयोगी दल कांग्रेस-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (सपा) और शिवसेना (यूबीटी) के विधायकों के साथ-साथ विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार (विधानसभा) और अंबादास दानवे (परिषद) ने प्याज निर्यात प्रतिबंध लगाने के लिए केंद्र के खिलाफ नारे लगाए। इससे प्याज उत्पादकों के लिए भारी समस्याएं पैदा हो गई हैं। बाजारों में सब्जियों की कीमतें गिर गई हैं और किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) भी नहीं मिल पा रहा है। पिछले गुरुवार को विधानमंडल का शीतकालीन सत्र शुरू होने के बाद से तीसरे दिन विरोध प्रदर्शन कर रहे एमवीए विधायकों ने मांग की कि केंद्र को प्याज निर्यात प्रतिबंध हटाना चाहिए और प्याज और सोयाबीन के लिए गारंटी कीमत देनी चाहिए। उन्होंने बताया कि इस साल खराब मानसून और बाद में सर्दियों में बेमौसम बाढ़/ओलावृष्टि के कारण किसानों को दोहरा नुकसान हुआ है, जिससे वे बर्बाद हो गए हैं। विपक्ष के नेताओं के अलावा, उपस्थित अन्य प्रमुख नेताओं में राकांपा (सपा) के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल, अनिल देशमुख, सुनील भुसारा, कांग्रेस के जीशान सिद्दीकी, रवींद्र धांगेकर, शिवसेना (यूबीटी) के भास्कर जाधव और अन्य शामिल थे। विधानमंडल के बाहर विरोध प्रदर्शन एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार के नासिक के चंदवाड़ में प्याज उत्पादकों के आंदोलन और धरना प्रदर्शन में शामिल होने के तुरंत बाद हुआ।

शीर्ष-20 राजनीतिक विज्ञापनादाताओं के सामने आए आंकड़े

नइ दिल्ली,11 दिसम्बर (देशबन्धु)। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में राजनीतिक दलों ने न केवल ऑफलाइन बल्कि ऑनलाइन विज्ञापनों पर भी करोड़ों रुपए बहाए। शीर्ष 20 राजनीतिक विज्ञापनादाताओं द्वारा खर्च किए आंकडों पर गौर करें तो सिर्फ नवम्बर महीने में ही ऑनलाइन विज्ञापनों पर 40 करोड़ से ज्यादा रुपए लुटा दिए गए। अलग-अलग आंकडों की बात करें तों फेसबुक या इंस्टाग्राम मेटा पर 5.98 करोड रुपए खर्च किए गए,जबकि गूगल के माध्यम से 36.31 करोड खर्च किए गए। भाजपा की राज्य इकाइयों की ओर से मेटा प्लेटफॉर्म्स पर प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से विज्ञापनों पर 2.58 करोड रुपए खर्च किए गए,जबकि कांग्रेस ने 2.24 करोड रुपए का विज्ञापना दिया। वहीं गूगल विज्ञापनों पर कांग्रेस ने 14.3 करोड रुपए, बीआरएस ने 12.1 करोड और भाजपा ने 4.16 करोड रुपए खर्च किए। बतादें कि मेटा के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक और इंस्टाग्राम आते है, जिसमें ऑनलाइन विज्ञापन प्रकाशित होता है। वहीं अगर 20 फरवरी 2019 से लेकर आज तक की बात करें तो सियासी दलों द्वारा राजनीतिक विज्ञापनों पर 206.2 करोड रुपए खर्च किए गए। इसमें से भाजपा ने 49.4 करोड,डीएमके ने 21.3 करोड और कांग्रेस ने 4.6 करोड रुपए लुटाए गए।

पांच राज्यों के चुनावों में ऑनलाइन विज्ञापन पर लुटाए करोड़ों सिर्फ नवम्बर में ही ऑनलाइन विज्ञापनों पर 40 करोड़ से ज्यादा खर्च

सावधानी | विश्वबैंक समूह ने सरकार के सहयोग से तैयार की रिपोर्ट

सड़क सुरक्षा उपायों से बचा सकते हैं 4, से अधिक जान

नई दिल्ली,11 दिसम्बर (एजेंसियां)। विश्वबैंक समूह और भारत सरकार के सहयोग से तैयार सड़क सुरक्षा पर आयोजित एक रिपोर्ट के अनुसार कॉरिडोर-आधारित सड़क सुरक्षा उपायों को बढ़ावा देने से देश में हर साल 4, से अधिक लोगों की जानें बचाई जा सकती हैं ।

वर्ल्ड बैंक समूह और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सहयोग से सेवलाइफ फाउंडेशन द्वारा तैयार की गयी 'रोड सेफ्टी गुड प्रक्टिसेस इन इंडिया' अध्ययन रिपोर्ट का सोमवार को यहां सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा जारी किया गया। इस रिपोर्ट में देश भर से सड़क सुरक्षा के सफल उदाहरणों को प्रदर्शित किया गया है । यह अध्ययन सड़क सुरक्षा के ऐसे समाधानों का संग्रह हैं जिनके कारण चयनित सड़कों पर सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों में उल्लेखनीय और कई मामलों में कमी आई है। रिपोर्ट में यह तथ्य दर्शाया गया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग - 48 (ओल्ड मुंबई-पुणे राजमार्ग) की ज़ीरो फैटलिटी कॉरिडोर (जडएफसी) परियोजना से 2018 - 21 के बीच उस खंड पर दुर्घटना मृत्यु दर में 61 फीसदी की उल्लेखनीय कमी दर्ज की गयी। इसी तरह, कर्नाटक के बेलगाम - यारागट्टी राजमार्ग का सेफ कॉरिडोर डेमोंस्ट्रेशन प्रोजेक्ट (एससीडीपी) ने 2015-18 तक तीन वर्षों में सड़क दुर्घटनाओं में होनें वाली मौतों में 54 फीसदी की कमी दर्ज की। रिपोर्ट में इसी तरह केरल के सबरीमाला सेफ जोन प्रोजेक्ट से में 2019- 2021 के बीच इस खंड पर दुघर्टना में एक भी मृत्यु न होने का रिकार्ड बना है। रिपार्ट में कहा गया है कि सबरीमाला सेफ जोन की यह सफलता देश भर में तीर्थ स्थलों के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण का काम कर सकता है।

आपातकालीन चिकित्सा प्रक्रिया में सुधार लाने की जरूरत -इस रिपोर्ट में विभिन्न स्थानों पर सड़क सुरक्षा के इंतजाम बढ़ाने, प्रभावी और बदलाव तथा आपातकालीन चिकित्सा प्रक्रिया में सुधार लाना शामिल हैं। केंद्र और राज्य सरकारों के कई वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में जारी की गई इस रिपोर्ट में समाधानों को कॉरिडोर-आधारित, नेटवर्क-आधारित और राज्य-आधारित रूप में वर्गीकृत किया गया है, जिसमें नौ कॉरिडोर-आधारित, दो शहर/नेटवर्क-आधारित और दो राज्य-आधारित उदाहरण शामिल हैं। यह अध्ययन रिपोर्ट इन समाधानों और उनकी प्रक्रिया का दस्तावेजीकरण है, ताकि इन चुनिंदा उदाहरणों को प्रभावी ढंग से अपनाया जा सके और उनकी प्रतिकृति बनाई जा सके।

स्कूली बालक-बालिकाओं को मानवाधिकार की दी गई कानूनी जानकारी

- रैगिंग मानवाधिकार का हनन
- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मानवाधिकार दिवस मनाया गया

रायगढ़, 11 दिसंबर (देशबन्धु)। जिला न्यायाधीश/ अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायगढ़ अरविन्द्र कुमार सिन्हा के निर्देशन में विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर, पैरालीगल वालिंटियर्स के द्वारा विभिन्न स्थानों, ग्राम, स्कूल में मानवाधिकार के विषय में विस्तार से जानकारी देते हुए यह बताया कि 10 दिसम्बर 1948 को संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा यूनिवर्सल डिक्लेरेशन ऑफ ह्यूमन राईट को स्वीकार किये जाने के पश्चात 10 दिसम्बर को मानव अधिकार दिवस के रूप में मनाया जाता है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की स्थापना सरकार द्वारा मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 के अधीन की गई थी। आयोग के विषय में विस्तार से जानकारी देते हुऐ पीएलव्ही के द्वारा बच्चों को यह बताया गया कि आयोग में कुल आठ सदस्य होते हैं, जिनमें एक अध्यक्ष, एक वर्तमान अथवा पूर्व सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश, एक वर्तमान अथवा भूतपूर्व उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश, मानवाधिकार के क्षेत्र में जानकारी रखने वाले कोई दो सदस्य तथा राष्ट्रीय महिला आयोग, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग एवं राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष। उक्त सभी सदस्यों का कार्यकाल पांच साल का होता है। लोक संहिता प्रक्रिया 1908 पर जानकारी देते हुए बताया कि इसके अधीन आयोग को सिविल न्यायालय की समस्त शक्तियॉ प्राप्त है। आयोग अपने समक्ष प्रस्तुत किसी पीड़ित अथवा उसकी ओर से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा दायर किसी याचिका पर स्वयं सुनवाई एवं कार्यवाही कर सकता है। इसके अतिरिक्त आयोग न्यायालय की स्वीकृति से न्यायालय के समक्ष लम्बित मानवाधिकारों के प्रति हिंसा संबंधी किसी मामले में हस्तक्षेप कर सकता है। इसके अतिरिक्त पूर्व सूचित करके किसी भी कारागार का निरीक्षण कर सकता है। अन्त में बालक-बालिकाओं को रैगिंग के बारे में यह जानकारी दी कि यह मानव अधिकार का पूर्णतः हनन है। छत्तीसगढ़ शैक्षणिक संस्थाओं में प्रताडना (रैगिंग) का प्रतिषेध अधिनियम 2001 राज्य शैक्षणिक संस्थाओं में रैगिंग के द्वारा छात्राओं के मानवीय एवं संवैधानिक मूल्यों का हनन होने से रोकने तथा संरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से निर्मित किया गया है। रैगिंग का मतलब किसी भी छात्र-छात्राओं को ऐसे व्यवहार या कार्य के लिये बाध्य करना, जिससे उसके मानवीय मूल्यों का हनन व व्यक्तिगत अपमान व उपहास होता हो या उसे अभित्रास सदोष-परिरोध या क्षति या उस पर आपराधिक बल के प्रयोग या सदोष अवरोध, सदोष परिरोध क्षति या आपराधिक बल का प्रयोग कर अभित्रास देते हुए किसी विधि पूर्ण कार्य करने से रोकता है।

इसके साथ ही पैरालीगल वालिंटियर्स के द्वारा प्रत्येक शिविर/ जागरूकता कार्यक्रम में आग्रामी नेशनल लोक अदालत 16 दिसंबर 2023 के संबंध में मौखिक रूप से तथा पाम्पलेट के माध्यम से लोक अदालत के सफल बनाने हेतु वृहद प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

बच्चों के शिक्षा में कोई बाधा न हो- दिनेश

तखतपुर 11 दिसंबर (देशबन्धु)। दिव्यांग बच्चों को उपकरण वितरण किया गया इस अवसर पर भाजपा के शिक्षा प्रकोष्ठ प्रभारी दिनेश राजपूत उपस्थित हुए।

इस अवसर पर विचार रखते हुए दिनेश राजपूत ने कहा कि सभी बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है और हम सभी का दायित्व है कि इन्हें भी मुख्य धारा से जोड़े और इसके लिए जो भी आवश्यक संसाधन मुहईया कराई जानी चाहिए ताकि शिक्षा ग्रहण करने में कोई बाधा न हो। हर बच्चें में कुछ न कुछ प्रतिभा अवश्य रूप से छिपी रहती है बस जरूरत है कि उस क्षमता को पहचाने और उसके लिए प्रयास कर उन्हें प्रेरित करें। विकासखण्ड स्त्रोत केंद्र तखतपुर की ओर से दिव्यांग बच्चों को होम बेस्ड एजुकेशन के साथ साथ उपकरण वितरण और स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाता है तथा उनके अनुरूप उन्हें संसाधन दी जाती है। इसी कड़ी में कनक नेताम और राजेश्वरी यादव को उपकरण वितरण किया गया। इन बच्चों को बीआरपी श्याम नारायण पाण्डेय, गोविंद प्रसाद बांधे की ओर से गृह आधारित शिक्षा दी जाती है। इस अवसर पर बीईओं जितेंद्र शुक्ला, एबीईओं सूर्यकांत जायसवाल, मनोज पवार, प्रशांत शर्मा, कामता यादव, विशाल खाण्डेकर, मनोज श्रीवास, किशोर, राजकुमार, जय सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

सार-संक्षेप

स्कूली बच्चों को यातायात की दी जानकारी

तखतपुर 11 दिसंबर (देशबन्धु)। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ठ विद्यालय के बच्चों को यातायात नियमों की दी गई जानकारी। यातायात पुलिस सब इंस्पेक्टर उमाशंकर पांडेय के नेतृत्व में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ठ विद्यालय तखतपुर में विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी दिया गया। इस दौरान यातायात सब इंस्पेक्टर उमाशंकर पांडेय की टीम द्वारा बच्चों को यातायात नियमों के साथ हेलमेट की उपयोगिता, यातायात चिन्हों की जानकारी देते हुए यातायात से संबंधित प्रश्न पूछ कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया।

उन्होंने बच्चों को ओवर स्पीड में वाहन नही चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नही करने को कहा। वाहन चालक को यातायात नियमों की पूरी पालन करने एवम कार व हलके वाहन चालकों को सीट बेल्ट का प्रयोग करने की सलाह देते हुए अपनी लेन में वाहन चलाने के लिए प्रेरित किया गया। स्कूली बच्चों को समझाया गया कि 18 वर्ष के होने से पहले हमें व्हीकल नहीं चलाना चाहिए इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी जितेंद्र शुक्ला, एबीओ सूर्यकांत जायसवाल, प्राचार्य मौसमी राबिंसन,मनोज पवार सहित अन्य उपस्थित रहे।

पुलिस कार्रवाई से शराबियों में दहशत

तखतपुर 11 दिसंबर (देशबन्धु)। शराबियों के ऊपर हो रही कार्यवाही की डर से शराबी अब किसी भी जगह छिपकर शराब पीने लगे है सार्वजनिक स्थल सहित अन्य प्रमुख जगहों में शराब पीते पाए जाने पर इनके खिलाफ पुलिस के द्वारा कार्यवाही की जा रही है और इसी भय से बचने के लिए शराब भठ्ठी के आसपास कहीं भी बैठकर शराब पी रहे है। शराब लेने के लिए शराबी शराब भठ्ठी पहुंचते है और शराब लेकर बैठकर पीने की जुगाड़ देखते है परंतु वहां पर कोई व्यवस्था नही हो पाने के कारण कुछ दिन पहले सड़क पर आकर भी शराब पीने लगे थे लेकिन कुछ दिनों पूर्व ऐसे ही मार्ग में खुलेआम बैठकर शराब पीने वाले के खिलाफ पुलिस ने सख्ती से कार्यवाही की है और इसी भय के कारण शराबी इन दिनों तखतपुर शराब भठ्ठी के पास खेत या खाली मैदान कहीं पर भी बैठकर पी रहे है। एक तरफ उन्हें शराब पीने की लत तो दूसरी ओर शराब पीते हुए पकड़े जाने का डर मन में बना रहता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के शपथ ग्रहण समारोह का होगा सीधा प्रसारण

- नगरीय निकायों व ग्राम पंचायतों में प्रसारण की होगी व्यवस्था
- रायगढ़ शहर में दो स्थानों पर किया जाएगा समारोह का सीधा प्रसारण

रायगढ़, 11 दिसंबर (देशबन्धु)। प्रदेश के नवनियुक्त मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 13 दिसंबर को रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में आयोजित समारोह में शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह का सीधा प्रसारण किया जाएगा जिससे प्रदेश के दूसरे हिस्सों में भी लोग समारोह को देख सकें। प्रदेश के सभी नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों में शपथ ग्रहण समारोह का कार्यक्रम लाइव प्रसारित किया जाएगा। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने इसके लिए सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने हेतु निर्देशित किया है।

रायगढ़ शहर में दो स्थानों में शपथ ग्रहण का होगा लाइव प्रसारण

आयुक्त नगर निगम सुनील चंद्रवंशी ने बताया कि रायगढ़ शहर में दो स्थानों नगर निगम ऑडिटोरियम और ग्रैंड मॉल के सामने शपथ ग्रहण समारोह के एलईडी स्क्रीन के माध्यम से लाइव प्रसारण की व्यवस्था की गई है, जहां से आम जन रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित नवनियुक्त मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व मंत्री मंडल के शपथ ग्रहण समारोह को देख सकेंगे।

साईनेक्स मिलेनियम में छात्रों ने लगाएं मॉडल

रंगारंग व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

बिलासपुर, 11 दिसम्बर (देशबन्धु)। डी.पी. विप्र महाविद्यालय में विश्वविद्यालय स्तर पर आर्ट्स, कामर्स एवं सांइस का साईनेक्स मिलेनियम के द्वितीय दिवस पर अतिथियों द्वारा विभिन्न महाविद्यालयों से आये हुए निर्णायकों द्वारा छात्रों के मॉडलों का निरीक्षण किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अंजू शुक्ला द्वारा छात्र-छात्राओं द्वारा प्रदर्शित विभिन्न मॉडल जो पर्यावरण सुरक्षा, आर्थिक विकास, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मौलिक चिंतन, रोजगारपरक संबंधित है, का संपूर्ण निरीक्षण किया गया और छात्र-छात्राओं को बधाई प्रेषित कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का संपूर्ण निरीक्षण डॉ. एम.एस. तम्बोली एवं डॉ. मनीष तिवारी के द्वारा किया। आज के कार्यक्रम में राहुल प्रकाश, नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन में रिसर्च एसोसिएट, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भुवनेश्वर, ओडिशा, आई, क्यू. ए.सी. सलाहकार द्वारा संपूर्ण मॉडल का मूल्यांकन किया गया। एल्युमिनी कमेटी के अध्यक्ष अविनाश सेठी एवं उनके सहयोगियों द्वारा कार्यक्रम की सफलता के लिए अथक प्रयास किया गया। निर्णायक मंडलों में भौतिकी में डॉ. श्वेता जायसवाल, डॉ. आभा राठौर, इलेक्ट्रानिक्स में भानू हालदार, डॉ. के.पी. तिवारी, वनस्पति में डॉ. एम. मोधे, रसायन में डॉ. अर्चना शुक्ला, राजनीति विज्ञान में श्रीमती शारदा दुबे, प्राणीशास्त्र में डॉ. रश्मि पटेल, डॉ. प्रीति सोनी, डॉ. माण्डवी नामदेव, माइक्रोबायो में डॉ. सीमा बोले, कम्प्यूटर में डॉ. अनामिका शुक्ला, प्रो. सुमेला चटर्जी, गणित में चन्द्रजीत सिंह राठौर, समाजशास्त्र में डॉ. दुर्गा वाजपेयी, अंग्रेजी व हिंदी में डॉ. रूचि दुबे, भूगोल में अर्चना दुबे, श्रीमती सेम्मुएल, श्रीमती कावेरी दाबड़कर ने मॉडलों का निरीक्षण कर परिणाम देकर साईनेक्स मिलेनियम के समन्वयक डॉ. विवेक अम्बलकर को सौंपा। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत रंगोली, मेंहदी, चित्रकारी प्रतियोगिता आयोजित की। जिसमें अंतर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जित्तू ठाकुर, गोविन्द सेठी, विनय अग्रवाल, चित्रकांत निरडवार, विकास सिंह, उमेश साहू, बृजेश बोले, अरूण नथानी, उमेश साहू, समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ रूप उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

जम्मू-कश्मीर से 370 हटाने का फैसला

संविधान पीठ में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस संजीव खन्ना शामिल थे। बेंच के सामने लगातार 16 दिन तक चली सुनवाई 5 सितंबर को खत्म हुई थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के 96 दिन बाद केस पर फैसला सुनाया।

हर फैसले को चुनौती नहीं दे सकते

सीजेआई ने कहा कि केंद्र की तरफ से लिए गए हर फैसले को कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकती। ऐसा करने से अराजकता फैल जाएगी। अगर केंद्र के फैसले से किसी तरह की मुश्किल खड़ी हो रही हो, तभी इसे चुनौती दी जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की यह दलील खारिज कर दी कि राष्ट्रपति शासन के दौरान केंद्र ऐसा कोई फैसला नहीं ले सकता, जिसमें बदलाव न किया जा सके। चीफ जस्टिस ने यह भी कहा कि आर्टिकल 356 के बाद केंद्र केवल संसद के द्वारा कानून ही बना सकता है, ऐसा कहना सही नहीं होगा। सीजेआई ने बताया कि फैसले में 3 जजों के निर्णय हैं। एक फैसला चीफ जस्टिस, जस्टिस गवई और जस्टिस सूर्यकांत का है। दूसरा फैसला जस्टिस कौल का है। जस्टिस खन्ना दोनों फैसलों से सहमत हैं।

आंगनबाड़ी सहायिका पद के लिए 3 जनवरी तक मंगाये गये आवेदन

रायगढ़, 11 दिसंबर (देशबन्धु)। एकीकृत बाल विकास परियोजना रायगढ़ (शहरी), जिला-रायगढ़ अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र सेठीनगर बी वार्ड क्रमांक 22, आंगनबाड़ी को केन्द्र बालसमुन्द वार्ड क्रमांक 25, आंगनबाड़ी केन्द्र रेलवे कालोनी वार्ड क्रमांक 18 एवं गांधीनगर सी वार्ड क्रमांक 33 में आंगनबाड़ी सहायिका पद रिक्त होने से उक्त पद पूर्ति हेतु 12 दिसम्बर से 3 जनवरी 2024 तक इच्छुक आवेदिकाओं से आवेदन पत्र मंगाये गये है।

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)

निविदा क्रमांक – पुअ/एमसीबी/ एसी-01/ निर्माण/ 03-बी / 2023, दिनांक 06.12.2023

छत्तीसगढ़ शासन के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित निर्माण कार्य के लिए लोक निर्माण विभाग द या उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से प्रपत्र ''अ'' में प्रतिशत दर पर छत्तीसगढ़ शासन लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी भवन कार्य के एस.ओ.आर.(वर्तमान प्रचलित) के आधार पर निम्नलिखित तिथि को अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में पंजीकृत डाक/ पोस्ट के माध्यम से मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदाएं निर्धारित अंतिम तिथि के निर्धारित समय तक ही प्राप्त की जावेगी।

-: निविदा कार्यक्रम निम्नानुसार है :-

01. निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्राप्ति की अंतिम तिथि – 15 दिसम्बर 2023 सायं 05:30 बजे तक।
02. निविदा प्रपत्र कार्यालय में प्रदाय करने की अंतिम तिथी – 19 दिसम्बर 2023 सायं 05:30 बजे तक।
03. निविदा दर प्रस्तुत करने की तिथि एवं समय – 21 दिसम्बर 2023 सायं 05:30 बजे तक
04. निविदा प्रपत्र खुले जाने की तिथि – 22 दिसम्बर 2023 सायं 16:30 बजे तक

स. क्र.	कार्य का नाम	कार्य की लागत (लाख में)	अमानत राशि (टी.डी.आर.में) 02 प्रतिशत	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा आमंत्रण क्रमांक
1	पुलिस अधीक्षक कार्यालय, एवं रक्षित केन्द्र में ट्यूबवेल कार्य	5.1 लाख	10000	03 माह	द्वितीय बार
2	स्थापना शाखा, रिकार्ड रूम एवं स्टोर शाखा	19.70 लाख	39400	03 माह	
3	पुलिस कन्ट्रोल रूम में विद्युत रेनोवशन का कार्य	1.65 लाख	3300	03 माह	

नोंटः- निविदा भरने से पूर्व निविदा संबंधी नियम/ शर्तें कार्यालयीन समय पर अवश्य अवलोकन कर लेवें।

पुलिस अधीक्षक
मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर

जी- 06279/2

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-नीलामी सूचना

संख्या. कॉम/सी/जी/आर/ई-नीलामी/ 23/01/289//ई-1265126 दिनांक: 04.12.2023

रायपुर मंडल के आय एवं लीजिंग करार हेतु ई-नीलामी निम्नानुसार आमंत्रित है:

अ. क्र.	असेट्स विवरण	नीलामी तारीख	नीलामी समय से	नीलामी समय तक
1	दुर्ग स्टेशन में DDIS स्क्रीन हेतु निविदा	18.12.23	15:00	15:30
2	भिलाई पॉवर हाउस स्टेशन में DDIS स्क्रीन हेतु निविदा	18.12.23	15:00	15:40
3	तिल्दा स्टेशन में DDIS स्क्रीन हेतु निविदा निविदा	18.12.23	15:00	15:50
4	भाटापारा स्टेशन में DDIS स्क्रीन हेतु निविदा	18.12.23	15:00	16:00
5	BMY चरोदा में होर्डिंग विज्ञापन हेतु निविदा	18.12.23	15:00	16:10
6	रायपुर स्टेशन में दो तथा आर्डिनरी चार पहिया पार्किंग हेतु निविदा	19.12.23	15:00	15:30

सभी ई-नीलामी अधिसूचना का विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड किया गया है।

सहायक मंडल वाणिज्य प्रबंधक
द.पू.म.रेल्वे, रायपुर

पीआर/आर/सीनि.डीसीएम/एपी//192

South East Central Railway @secrail

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग जांजगीर

E-mail ID - res. janjgirchampa.janjgir@gmail.com

// मैन्युअल निविदा सूचना क्रमांक – 21 //

क्रमांक 6041/ निविदा / ग्रा.यां.सेवा/ 2023 जांजगीर, दिनांक 07/12/2023

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न दर्शित सिविल कार्य हेतु प्रमुख अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा द्वारा जारी दर अनुसूची दिनांक 01.11.2021, पर मुहरबंद निविदा फार्म (अ) में ऑफलाईन (Mannually) निविदा प्रतिशत दर पर आमंत्रित की जाती है। निविदा दिनांक 27.12.2023 को उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी।

कार्य का नाम / विकासखंड	ठेके की अनुमानित लागत (रू. लाख में)	धरोहर की राशि (रू.में)
अहाता एवं मेन गेट निर्माण कार्य स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल बलौदा, वि.ख. बलौदा	4.91	3700/-
किचन शेड निर्माण कार्य स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल बलौदा, वि.ख.बलौदा	2.52	1900/-
नाली निर्माण कार्य स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल बलौदा, वि.ख.बलौदा	3.88	3000/-
शौचालय निर्माण कार्य स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल बलौदा, वि.ख.बलौदा	4.00	3000/-
पेवर ब्लॉक इंटरलॉकिंग ब्लाक लगाने का कार्य सेजस खेल मैदान बलौदा, वि.ख.बलौदा	2.35	1800/-

ठेकेदार की श्रेणी :- ''द'' एवं उच्च श्रेणी

नोटः- निविदा की सामान्य शर्तें विस्तृत निविदा (2.10 एवं 2.13) यथा संशोधित एवं अन्य जानकारी वेबसाईट https://res.cg.gov.in-Live Tender- Manual Tender में अथवा कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थित होकर दिनांक 07.12.2023 से देखी एवं दिनांक 22.12.2023 समय तक डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग जांजगीर
जिला जांजगीर चाम्पा (छ.ग.)

जी- 06266/1

ICICI Home Finance

कार्पोरेट कार्यालय : आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कम्पनी लिमिटेड, आईसीआईसीआई एवएफसी टावर, अंधेरी - कुर्ला रोड, अंधेरी (ईस्ट), मुंबई-400059, भारत
शाखा कार्यालय : प्रथम तल, इंदिरा टावर, ए-26, जोन-II, मेन रोड, व्यापार विहार, बिलासपुर (सी.जी.) 495001

(नियम 8 (6) का परंतुक देखें)

अचल सम्पत्तियों की बिक्री हेतु बिक्री सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 (6) के परंतुक के तहत अचल आस्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना। एतद्द्वारा सर्वसाधारण को तथा विशेष रूप से कर्जदार(रों)/गारंटर(रों) को सूचना दी जाती है कि प्रत्याभूत क्रेडिटर के पास बंधक रखी/प्रभारित निम्नवर्णित अचल सम्पत्ति, जिसका सांकेतिक कब्जा आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कम्पनी लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्राप्त किया जा चुका है, "जैसी है जहां है", जैसी है जो भी है" तथा "जो भी है वहां है" आधार पर नीचे दिए संक्षिप्त विवरण के अनुसार बेची जाएगी ;

क्र. सं.	कर्जदार (रों)/सह-कर्जदारों /गारंटरों /कानूनी वारिसों का नाम ऋण खाता संख्या	प्रत्याभूत आस्ति का विवरण, ऋणभारों सहित, यदि कोई	बकाया राशि	सुरक्षित मूल्य / धरोहर राशि जमा	सम्पत्ति निरीक्षण की तिथि एवं समय	नीलामी की तिथि एवं समय
(ए)	(बी)	(सी)	(डी)	(ई)	(एफ)	(जी)
1	दिलीप हरजानी (कर्जदार), विनीता हरजानी (सह-कर्जदार), लाल चंद हरजानी (सह-कर्जदार) एलएचआरपीआर00001291436	बी 14, चतुर्थ तल, वार्ड नंबर 18 सीबी हाइट्स, सरजू बगीचा आजाद नगर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001	रू. 97,11294/- 07-12-2023	रू. 29,61,000/- / रू. 2,96,100/-	18-12-2023 को पूर्वा. 11.00 बजे से अप. 03.00 बजे तक	29-12-2023 को अप. 2.00 बजे से अप. 3.00 बजे तक

ऑनलाइन नीलामी हमारी नीलामी एजेंसी ग्लोब टेक की वेबसाइट (यूआरएल लिंक – https://BestAuctionDeal.com) पर सम्पन्न होगी। बंधकदाताओं/सूचनाग्रेषिती को 28-12-2023 को अप. 5.00 बजे से पूर्व कुल बकाया उस पर आगे ब्याज सहित भुगतान करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल रहने पर प्रत्याभूत आस्ति की बिक्री निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार की जाएगी। संभावित बिडर (बिडर्स) को घरोहर राशि जमा (ईएमडी) आरटीजीएस/डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) (कालम ई देखें) आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कम्पनी लिमिटेड, प्रथम तल, इंदिरा टावर, ए-26, जोन-II, मेन रोड, व्यापार विहार, बिलासपुर (सी.जी.) 495001 में 28-12-2023 को अथवा पूर्व अप. 04.00 बजे से पहले जमा करनी होगी। संभावित बिडर (बिडर्स) को पंजीकरण प्रपत्र एवं बोली के नियम एवं शर्तों की हस्ताक्षरित प्रति भी आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कम्पनी लिमिटेड, प्रथम तल, इंदिरा टावर, ए-26, जोन-II, मेन रोड, व्यापार विहार, बिलासपुर (सी.जी.) 495001 में 28-12-2023 को अथवा पूर्व अप. 05.00 बजे से पहले जमा करनी होगी। घरोहर राशि जमा हेतु डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) किसी राष्ट्रीयकृत/अनुसूचित बैंक से "आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कम्पनी लिमिटेड-नीलामी" के पक्ष में बिलासपुर में देय होना चाहिए।

निरीक्षण, नीलामी के निबंधन और शर्तों या निविदा जमा करने के संबंध में किसी अतिरिक्त स्पष्टीकरण के लिए कृपया आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कम्पनी लिमिटेड से 9920807 30 पर अथवा हमारे सेल्स एवं मार्केटिंग पार्टनर नेक्सजेन सॉल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड से सम्पर्क करें।
प्राधिकृत अधिकारी के पास बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी बिड्स को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है। बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए, कृपया देखें : https://www.icicihfc.com/

तिथि : 12-12-2023
स्थान : बिलासपुर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कम्पनी लिमिटेड

आधार हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड

Aadhar Housing Finance Ltd

कार्पोरेट कार्यालय: युनिट नं. 802, नटराज रुस्तमजी, वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे एवं एम.वी. रोड़, अंधेरी (पूर्व), मुम्बई-400069.
बिलासपुर शाखा : प्रथम मंजिल, कृष्णा, सोनछत्र कम्पाउण्ड, आर.एन.टी. चौराहे के पास, तार बहार रोड़, बिलासपुर-495001 (छ.ग.)
प्राधिकृत अधिकारी: अश्विन शर्मा, मोबा.: 7697112220

निजी संधि के माध्यम से सरफेसी अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के तहत बिक्री के लिए संपत्ति

यह कि, प्राधिकृत अधिकारी, आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (एएचएफएल) ने वित्तीय संपत्तियों के सुरक्षा और पुनर्निर्माण और सुरक्षा ब्याज अधिनियम, 2002 (सरफेसी अधिनियम, 2002) के प्रवर्तन संपत्ति के प्रसंस्करण के 13 (4) के अंतर्गत निम्न वर्णित सम्पत्ति (प्रतिभूत ऑस्ति) का समस्त शेष एवं सम्पुर्ण भाग को कब्जे मे ले लिया है प्राधिकृत अधिकारी को सुरक्षित ऋण की वसूली के लिए सरफेसी अधिनियम के तहत उपर्युक्त सुरक्षित संपत्ति के खिलाफ कुछ इच्छुक पार्टी से बिक्री की पेशकश प्राप्त हुई है। अब, प्राधिकृत अधिकारी सुरक्षा ब्याज (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 और 9 के संदर्भ में उपरोक्त संपत्ति की बिक्री के लिए नोटिस दे रहा है। खाते का विवरण इस प्रकार है:

लोन कोड नं.	ऋणी/सह-ऋणी का नाम	मांग सूचना दिनांक एवं राशि	आरक्षित मूल्य (RP)	कुल बकाया ऋण राशि दिनांक 29.11.2023 को	सुरक्षित संपत्ति का विवरण
(लोन कोड नं. 01000000695/ बिलासपुर शाखा)	स्व. भूपेन्द्र कुमार कोशले (इनके कानूनी वारिस द्वारा प्रतिधित्व) (ऋणी), रुकमणी देवी कोशले (सह-ऋणी)	11-07-2022 ₹ 12,71,041/-	₹ 7,50,000/-	₹ 3,52,056/- (रुपये तीन लाख बावन हजार छप्पन मात्र)	संपत्ति का समस्त शेष एवं संपूर्ण भाग, मौजा अमेरी प.ह.न. 26, अमेरी शीट नं. 2 प्लाट नं. 19, साई आनंनदम मेरिज गार्डन के पास, गीता पैलेस, खसरा नं. 22 74 का भाग, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ - 495001, चतुर्:सीमा – पूर्व : विक्रेता की शेष भूमि, पश्चिम : गोरे सिंह, उत्तर : रोड़, दक्षिण : ड्रेनेज

प्राधिकृत अधिकारी सुरक्षित संपत्ति को बिक्री के लिए "जहां है", "जैसी है", "जो कुछ भी है" के आधार पर नीलाम करेगा। एएचएफएल संपत्ति पर लंबित किसी भी देनदारी के लिए ज़िम्मेदार नहीं है। प्राधिकृत अधिकारी किसी भी कारण के बिना प्रस्ताव को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है और बिक्री सुरक्षित लेनदार द्वारा पुष्टि के अधीन होगी। प्रस्तावित खरीदार की पेशकश की स्वीकृति पर, उसे 25% स्वीकृत मूल्य समावेशी समायोजन बयाना राशि जमा करना होगा और सुरक्षित ऋण-दाता द्वारा ऑफर की स्वीकृति की तारीख से 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर खरीदार द्वारा शेष राशि का भुगतान करना होगा। प्रस्तावित खरीदार को यह ध्यान रखना है कि निर्दिष्ट समय के भीतर उसके द्वारा शेष राशि के भुगतान की विफलता के मामले में, जमा राशि पहले ही जब्त की जाएगी और संपत्ति तदनुसार फिर से बेची जाएगी।

यह 15 दिनों का विक्रय नोटिस सरफेसी एक्ट 2002 के तहत आम तौर पर जनता विशेष रूप से उधाकर्ता (ओं), सह उधारकर्ता(ओं), जमानतदार(ओं) को दिया जाता है कि उपर वर्णित अचल संपत्ति को सुरक्षित लेनदारों के पास बंधक/प्रभारित किया गया है। आधार हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड (एएचएफएल) सुरक्षित लेनदार, के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा **भौतिक कब्जा** ले लिया है , जिसे जहां है जैसी है तथा जिस अवस्था में है और आधार हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड की बकाया राशि के आधार पर बेचा जाएगा, बिक्री की तारीख से पहले पूर्ण रुप से, नीलामी विज्ञापन रोके जाने के लिए उत्तरदायी है।

यदि ऋणी (ओं), सह-ऋणी(ओं) के पास कोई खरीदार है, जो दिए गए आरक्षित मूल्य से अधिक कीमत पर गिरवी संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति खरीदने के लिए तैयार है, तो ऋणी (ओं), सह-ऋणी(ओं) को 27.12.2023 को या उससे पहले एएचएफएल को सूचित करना होगा, एएचएफएल उसे प्राथमिकता देगा। यदि ऋणी, सह-ऋणी 27.12.2023 को या उससे पहले सूचित करने में असफल रहते हैं, तो **एएचएफएल** ऊपर दिए गए आरक्षित मूल्य पर संपत्ति की बिक्री को आगे बढ़ाएगा।

नीलामी की तारीख 27.12.2023 तय की गई है।

स्थान : बिलासपुर
दिनांक : 12-12-2023

सही/- प्राधिकृत अधिकारी
आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

देश

उवाच

लोकसभा की आचार समिति द्वारा महुआ मोइत्रा पर लगे आरोपों की जांच और फिर निष्कासन की पूरी प्रक्रिया में संसदीय और न्याय के मानदंडों की जानबूझकर घोर उपेक्षा की गई।

-दीपंकर भट्टाचार्य, भाकपा-माले के महासचिव

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	21°	9°
मुंबई	3°	24°
कोलकाता	22°	13°
चेन्नई	27°	26°

जम्मू-कश्मीर में तत्काल हों विस चुनाव : कांग्रेस

अनुच्छेद 370 हटाने को लेकर आए शीर्ष अदालत के फैसले पर असहमति जताई

- **शीर्ष न्यायालय ने राज्य को विभाजित कर दो केंद्र शासित प्रदेश बनाने के प्रश्न पर निर्णय नहीं लिया**

हम इस संबंध में आए शीर्ष अदालत के फैसले का स्वागत करते हैं कि जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा तुरंत बहाल किया जाना व लद्दाख के लोगों की आकांक्षाएं भी पूरी होनी चाहिए : पी.चिदम्बरम

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने के मोदी सरकार के फैसले को उच्चतम न्यायालय ने जिस तरह से सही ठहराया है पार्टी सम्मानपूर्वक उससे असहमति व्यक्त करती है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी.चिदम्बरम तथा अभिषेक मनु सिंघवी ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने को लेकर आए उच्चतम न्यायालय के फैसले पर असहमति जताई और कहा कि पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति का संकल्प है कि अनुच्छेद 370 तब तक सम्मान के योग्य है जब तक कि इसे भारत के संविधान के अनुसार संशोधित नहीं किया जाता। चिदम्बरम ने कहा कि हम इस फैसले की इस बात से भी निराश हैं कि शीर्ष न्यायालय ने राज्य को विभाजित कर दो केंद्र शासित प्रदेश बनाने के प्रश्न पर निर्णय नहीं लिया। कांग्रेस ने हमेशा जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के केंद्र के फैसले का विरोध कर जम्मू कश्मीर में पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की है। हम इस संबंध में आए शीर्ष अदालत के फैसले का स्वागत करते हैं कि जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा तुरंत बहाल किया जाना चाहिए और लद्दाख के लोगों की आकांक्षाएं भी पूरी होनी चाहिए। उन्होंने विधानसभा चुनाव कराने के उच्चतम न्यायालय के निर्देश का स्वागत किया और कहा कि राज्य में तत्काल विधानसभा चुनाव कराए जाने चाहिए। उनका कहना था कि आजादी के बाद भारत में विलय की प्रक्रिया पूरी होने के बाद से जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। जम्मू-कश्मीर के लोग भारतीय नागरिक हैं और कांग्रेस राज्य की सुरक्षा, शांति, विकास और प्रगति के लिए काम करने के अपने संकल्प को दोहराती हैं।

जम्मू-कश्मीर में बेरोजगारी 18 प्रतिशत

सिंघवी ने कहा कि हम उच्चतम न्यायालय के निर्णय के सामने नतमस्तक हैं, लेकिन देश के एक आम नागरिक की हैसियत से कह सकता हूं कि इस निर्णय में एक विरोधाभास है। फैसले में यह नहीं कहा गया है कि आखिर एक प्रदेश का दर्जा घटाकर उसे केंद्र शासित प्रदेश क्यों बनाया गया है जबकि दूसरी तरफ न्यायालय लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के फैसले को वैद्य मानता है।

एक ही प्रदेश के एक हिस्से को केंद्र शासित प्रदेश बनाने को लेकर कोई निर्णय नहीं देना और फिर उसी राज्य के दूसरे हिस्से को केंद्र शासित प्रदेश बनाने को सही बताना विरोधाभास है। यह संवैधानिक गलती दिख रही है। फैसले में एक तरफ सरकार के आश्वासन को माना गया है और दूसरी तरफ अगले सितम्बर तक चुनाव कराए जाने का निर्णय दिया है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में बेरोजगारी 18 प्रतिशत है जबकि राष्ट्रीय स्तर पर बेरोजगारी की दर आठ प्रतिशत है। शहरी क्षेत्र में बेरोजगोरी 31 प्रतिशत जबकि महिलाओं में 51 प्रतिशत है। जम्मू-कश्मीर में विनिवेश 2021-22 में पहले वित्त वर्ष की तुलना में काफी कम है। वहीं दूसरी ओर महाराजा हरि सिंह के बेटे एवं कांग्रेस के विरिष्ट नेता कर्ण सिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने बहुत बारीकी से हर एक चीज को देखा है। सभी परिस्थितियों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट उस नतीजे पर पहुंची है। वह सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं। लेकिन इस फैसले से जम्मू कश्मीर के कुछ लोगों को नाखुशी होगी। हालांकि अब यह स्पष्ट हो गया है कि जो कुछ भी हुआ वह संवैधानिक रूप से वैध है। वह पीएम मोदी से अनुरोध करते हैं कि जल्द से जल्द राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। जरूरी नहीं है कि पहले चुनाव हो फिर राज्य का दर्जा मिले।

फैसले से कश्मीरी नेताओं ने जताई निराशा

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में मुख्यधारा के राजनीतिक दलों ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय की ओर से जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को बरकरार रखने पर 'गहरी निराशा' व्यक्त की। पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने शीर्ष अदालत के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि 'संघर्ष' जारी रहेगा और वह 'लंबी लड़ाई' के लिए तैयार हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा के निराश हूं लेकिन हतोत्साहित नहीं। संघर्ष जारी रहेगा। यहां तक पहुंचने में भारतीय जनता पार्टी को दशकों लग गए। हम लंबी दौड़ के लिए भी तैयार हैं। हम अनुच्छेद 370 पर काबू पा लेंगे। एक अन्य पूर्व मुख्यमंत्री और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के प्रमुख गुलाम नबी आजाद ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग फैसले से खुश नहीं हैं। आजाद ने संवाददाताओं से कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग आशान्वित थे। शीर्ष अदालत की पीठ अच्छी थी। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को हटाना एक गलती थी। यह जल्दबाजी में किया गया था। जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक दलों से भी पूछा जाना चाहिए था। जम्मू-कश्मीर के लोग इस फैसले से निराश हैं। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के प्रमुख सज्जाद लोन ने कहा कि अनुच्छेद 370 भले ही कानूनी रूप से खत्म हो गया हो, लेकिन यह हमेशा 'हमारी राजनीतिक आकांक्षाओं का हिस्सा' बना रहेगा। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 पर शीर्ष अदालत का फैसला निराशाजनक है।

शीर्ष अदालत का निर्णय जम्मू कश्मीर के लोगों की हार नहीं बल्कि देश की हार है : महबूबा मुफ्ती

जम्मू-कश्मीर। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने एक वीडियो संदेश जारी कर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह जम्मू कश्मीर के लोगों की हार नहीं बल्कि भारत देश की हार है। उन्होंने इसे आइडिया ऑफ इंडिया की हार करार दिया। उन्होंने कहा, प्यारे हमवतनों, हिम्मत नहीं हारे, उम्मीद न छोड़े। जम्मू-कश्मीर ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। सुप्रीम कोर्ट का आज का फैसला एक मुश्किल पड़ाव है, पर यह मंजिल नहीं है... हमारे विरोधी चाहते हैं कि हम उम्मीद छोड़कर इस शिकस्त को स्वीकार करें... यह हमारी हार नहीं यह भारत देश की हार है। उन्होंने आगे कहा कि देशवासियों से कहना चाहती हूं कि आपमें से कई लोग इस बात की खुशी मनाते हैं कि हमें घरों में नजरबंद किया गया। कार्यकर्ताओं को थाने में बंद किया गया। 2019 में जम्मू कश्मीर के संविधान और झंडे को छीना गया। यह बात यहां रुकने वाली नहीं है। भारतीय संविधान और तिरंगा झंडा, जिसके नीचे आजादी की लड़ाई गई, भाजपा उन्हें भी छीनने में देर नहीं लगाएगी। लेकिन उस वक्त हम जश्न नहीं मनाएंगे। बल्कि दुआ करेंगे कि आप भी हिम्मत और हौसले के साथ इनका मुकाबला करें। कोई फैसला अटल नहीं होता, चाहें वो सुप्रीम कोर्ट का क्यों न हों। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों को उम्मीद के साथ आगे बढ़ने और एकजुट होने का आह्वान किया। महबूबा मुफ्ती की बेटी एवं उनकी मीडिया सलाहकार इल्तिजा मुफ्ती ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कोई आश्चर्य नहीं है। यह फैसला संविधान को बरकरार रखने के बजाय बहुसंख्यकवादी भावना को बढ़ावा देता है।

संसद से

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में जैव प्रौद्योगिकी की अहम भूमिका : मांडविया

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में जैव प्रौद्योगिकी का योगदान सर्वाधिक महत्वपूर्ण होगा और यह उद्योग कृषि, पर्यावरण, औद्योगिक उत्पादन और कई अन्य क्षेत्रों की जटिल समस्याओं का समाधान खोजने का माध्यम बनेगा। डॉ.मांडविया ने सोमवार को गुजरात के अहमदाबाद में 10वें वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन से पूर्व आयोजित सम्मेलन को ओनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि भारत की जैव अर्थव्यवस्था पिछले आठ वर्षों में आठ गुना बढ़कर 10 अरब डॉलर से बढ़कर 80 अरब डॉलर हो गई है।

मेरे हृदय में केवल सुदेश हैं : धनखड़

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को सदन में कहा कि उनके हृदय में केवल उनकी धर्मपत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ रहती हैं और वहां उनके अतिरिक्त किसी अन्य के लिए कोई जगह नहीं है। धनखड़ ने सुबह सदन की कार्यवाही शुरु करने के बाद उपसभापति का पैनल पुनर्गठित करने की घोषणा की। नामों की सूची घोषित करते हुए उन्होंने आम आदमी पार्टी के सुशील कुमार गुप्ता के नाम के स्थान पर भारतीय जनता पार्टी के सुशील कुमार मोदी का नाम बोल दिया, लेकिन सभापति ने सहायक स्टाफ के ध्यान दिलाने पर इस भूल को तुरंत सुधार दिया। इस पर विपक्ष के एक सदस्य ने कहा, 'जो दिल में होता है वहीं मुंह से निकल आता है। इस पर सदन में ठहाका गूंज गया। इसी बीच धनखड़ ने कहा कि शेक्सपीयर ने कहा कि नाम में क्या रखा है, लेकिन नाम में बहुत कुछ रखा है। हमारे महासचिव का नाम भी मोदी'' है। उन्होंने कहा कि उनके दिल में केवल सुदेश धनखड़ हैं और उन्होंने पूरा स्थान घेर रखा है और उनके अलावा किसी के लिए कोई जगह नहीं है।

पीएम स्वनिधि योजना के 57 लाख लाभार्थी

सरकार ने आज राज्यसभा को बताया कि रेहड़ी पटरी वालों को साहूकारों से राहत दिलाने के लिए शुरू की गयी प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के लाभार्थियों की संख्या अभी 56.89 लाख हो गयी है जो आज रात तक 57 लाख के आंकड़े को पार कर जायेगा। आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सदन में एक पूरक प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी देते हुये कहा कि इसके लिए एक पोर्टल बनाया गया है और पोर्टल पर हर लाभार्थी से जुड़ी जानकारी उपलब्ध है। इस योजना का लाभ उठाने के लिए सिर्फ आधार कार्ड की जरूरत होती है।

मेरठ से एटीआर 72 के उड़ान के लिए 115 एकड़ भूमि की जरूरत

केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रास में कहा कि मेरठ में स्थित हवाई पट्टी को एटीआर 72 विमान के उड़ान भरने लायक बनाने के लिए 115 एकड़ भूमि की जरूरत है और इस भूमि के मिलते ही इस दिशा में काम शुरू हो जाएगा। सिंधिया ने भाजपा के लक्ष्मीकांत वाजपेयी द्वारा इस संबंध में पूछे गए एक पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा कि उड़ान योजना के तहत मेरठ से लखनऊ को 22 सीटर विमान से जोड़ने की योजना है। अभी 14 एकड़ में हवाई पट्टी है लेकिन एटीआर 72 के वीएफआर विमान के लिए 115 एकड़ भूमि की अतिरिक्त जरूरत है।एटीआर 72 के आईएफआर उड़ान के लिए इससे अधिक भूमि की जरूरत है।

उज्ज्वला योजना के तहत प्रति उपभोक्ता औसत 3.8 सिलेंडर का उपयोग

सरकार ने राज्यसभा को बताया कि उज्ज्वला योजना के अब तक 9.6 करोड़ लाभार्थियों में से प्रति लाभार्थी औसतन 3.8 रसोई गैस सिलेंडर का उपयोग किया जा रहा है तथा 75 लाख नए लाभार्थी और इस योजना से जोड़े जा रहे हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी देते हुए कहा कि मई 214 में देश में 14 करोड़ रसोई गैस सिलेंडर के उपभोक्ता थे जिनकी संख्या अब बढ़कर 33 करोड़ से अधिक हो चुकी है। इनमें 9.6 करोड़ उपभोक्ता उज्जवला योजना के हैं।

संप्रग के तेल बांड पर मोदी सरकार ने चुकाए 3.5 लाख करोड़

सरकार ने राज्यसभा को बताया कि कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) द्वारा जारी 1.41 लाख करोड़ के तेल बांड के लिए मोदी सरकार ने 3.5 लाख करोड़ रुपए चुकाये हैं जबकि पेट्रोल एवं डीजल पर उत्पाद में की गई कटौती से 2.2 लाख करोड़ के राजस्व का नुकसान हुआ है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आज सदन में प्रश्नकाल के दौरान भारतीय जनता पार्टी के सुशील मोदी के एक पूरक प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी देते हुए कहा कि संप्रग सरकार द्वारा तेल बांड के माध्यम से जुटाए गए ऋण पर मोदी सरकार को बहुत अधिक रकम चुकानी पड़ी है।

सार संक्षेप

मोदी ने प्रणब मुखर्जी को उनकी जयंती पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के राजनीतिक कौशल, बौद्धिक गहनता तथा देश सेवा में उनकी गंभीरता को याद करते हुए सोमवार को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा कि मैं प्रणब मुखर्जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जिनके राजनीतिक कौशल और बौद्धिक गहराई ने हमारे देश की दिशा को गंभीरतापूर्वक स्वरूप प्रदान किया है। उनका अभिज्ञान और नेतृत्व अमूल्य थे तथा व्यक्तिगत स्तर पर, हमारी बातचीत हमेशा समृद्ध रही। उनका समर्पण और ज्ञान प्रगति की दिशा में हमारी यात्रा के लिए हमेशा एक मार्गदर्शक शक्ति बना रहेगा।

पटेल ने प्री-वाइब्रेंट शिखर सम्मेलन का किया शुभारंभ

अहमदाबाद। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने साइंस सिटी में जैव प्रौद्योगिकी पर प्री-वाइब्रेंट शिखर सम्मेलन का सोमवार को शुभारंभ किया। पटेल ने वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 224 के पूर्वाद्ध रूप में आयोजित जैव प्रौद्योगिकी सेक्टर के प्री-वाइब्रेंट शिखर सम्मेलन में कहा कि जैव प्रौद्योगिकी तेजी से बढ़ती 'टेक्नोलॉजी ऑफ होप' है। तत्कालीन मुख्यमंत्री और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में गुजरात ने 24 से राज्य में जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विकास पर विशेष जोर दिया है।

देश के सबसे बड़े खेल विज्ञान केंद्र का हुआ उद्घाटन

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने सोमवार को देश के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा की साझेदारी में स्थापित सबसे बड़े अत्याधुनिक खेल विज्ञान केंद्र का उद्घाटन किया। विभिन्न विषयों के एथलीटों की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन की गई यह समावेशी सुविधा, क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं की जरूरतों को व्यापक रूप से पूरा करते हुए, चोट प्रबंधन, पुनर्वास, पुनर्प्राप्ति और प्रदर्शन में वृद्धि का केंद्र बनने के लिए तैयार है। यह केंद्र देश के विशिष्ट एथलीटों के लिए भी सुलभ होगा। पटनायक ने कहा कि इस खेल विज्ञान केंद्र की स्थापना खेल प्रतिभाओं को पोषित करने की हमारी प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

हेमंत सोरेन को ईडी का समन

आज हाजिर होने का निर्देश

रांची, 11 दिसम्बर (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ईडी ने फिर समन भेजकर 12 दिसम्बर को हाजिर होने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री को ईडी की ओर से भेजा गया यह छठा समन है। इससे पहले सोरेन को पांचवां समन भेजकर 4 अक्टूबर को पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन वह नहीं गये थे। मुख्यमंत्री को इससे पहले 5 समन भेजे जा चुके हैं लेकिन एक बार भी वह ईडी ऑफिस में उपस्थित नहीं हुए। उल्लेखनीय है कि ईडी सोरेन को जमीन मामले में समन भेज रहा है। सोरेन की ओर से ईडी के समन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गयी थी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर सोरेन ने हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर कर ईडी के समन को निरस्त करने का आग्रह किया था। लेकिन झारखंड हाईकोर्ट से भी सोरेन को झटका लगा था। हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री की ओर से दायर क्रिमिनल रिट याचिका को खारिज कर दी थी।

केंद्र सरकार ने रोका मनरेगा फंड : ममता

- **मुख्यमंत्री ने फंड रोकने पर की केंद्र की आलोचना**
- **अगले सप्ताह नई दिल्ली में मोदी से मिलने का समय मांगा**

बानरहाट, 11 दिसबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र द्वारा एक सौ दिनों के काम के लिए सात हजार करोड़ रुपए का फंड कथित तौर पर रोके जाने पर सोमवार को कड़ी आलोचना की और कहा कि उन्होंने इस मामले पर जल्द चर्चा के लिए अगले सप्ताह नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने का समय मांगा है। बनर्जी ने यहां उत्तरी बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में एक प्रशासनिक बैठक के दौरान लोगों से कहा कि हम ऐसा नहीं कर रहे हैं क्योंकि एक सौ दिन का कार्य निधि हमारा संवैधानिक अधिकार है और मैं इसके लिए अगले सप्ताह दिल्ली जा रही हूं क्योंकि मैंने पहले ही प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखा था और उनसे 18, 19 और 20 दिसम्बर में से किसी भी एक दिन उनसे मुलाकात का समय मांगा है। मुख्यमंत्री का 17 दिसम्बर को शाम को दिल्ली की उड़ान लेने का कार्यक्रम है और उम्मीद है कि बैठक में वह कई तृणमूल कांग्रेस सांसदों को प्रधानमंत्री के पास ले जाएंगी। वह प्रधानमंत्री से मुलाकात कर मनरेगा (100 दिन का काम) सहित बकाया समेत धन जारी करने की अपील करेंगी। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, केंद्र ने स्वास्थ्य, बांग्लार घर , ग्रामीण रास्ता (ग्रामीण सड़क योजना) के लिए उनके हिस्से का फंड रोक दिया है। वे अपने हिस्से का धन नहीं दे रहे हैं। फिर भी हमने कोई भी कल्याण एवं विकास योजना बंद नहीं की है। वे मनरेगा का बकाया भी नहीं दे रहे हैं जो एक लाख पंद्रह हजार करोड़ रुपये है। बनर्जी ने उत्तरी बंगाल के जिलों में अलग राज्य की आवाज उठाने वाले लोगों के एक वर्ग की भी आलोचना की।

बिहार में अतिक्रमण की घटनाएं बर्दाशत नहीं : नीतीश

सरकारी विद्यालय परिसर में अतिक्रमण की शिकायत पर कार्रवाई का निर्देश दिया

पटना, 11 दिसम्बर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सरकारी विद्यालय परिसर में अतिक्रमण किए जाने की शिकायत पर कड़ा रुख अपनाते हुए अधिकारियों को उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। कुमार से सोमवार को यहां चार, देशरन्न मार्ग स्थित मुख्यमंत्री सचिवालय परिसर में आयोजित 'जनता के दरबार में मुख्यमंत्री' कार्यक्रम में बक्सर जिला के ब्रह्मपुर से आए उदय कुमार उज्जैन ने सरकारी विद्यालय परिसर की जमीन का असामाजिक तत्वों द्वारा अतिक्रमण करने की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग को समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री से मुंगेर जिला से आए अभिषेक कौशिक ने कहा कि शिक्षा विभाग में उनके पिताजी कार्यरत थे, जिनकी मृत्यु हो गई। अनुकंपा के आधार पर की जाने वाली नियुक्ति में विलंब हो रहा है, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति दयनीय होती जा रही है, कृपया कर इसका समाधान निकाला जाए। कैमूर जिला के मोहनिया प्रखंड से आए एक ग्रामीण ने शिकायत करते हुए कहा कि अर्रा गांव के सरकारी उत्क्रमित मध्य विद्यालय परिसर में स्थानीय निवासियों द्वारा गंदा पानी बहाया जाता है।

जनता के दरबार कार्यक्रम में सुनीं जनसमस्याएं

मुख्यमंत्री से मधेपुरा जिला से आए पिंटू कुमार ने कहा कि ग्वालपाड़ा प्रखंड के सुखासन पंचायत में सुरसा नदी द्वारा बरसात के दिनों में पानी का बहाव बढ़ने के कारण भीषण कटाव की स्थिति उत्पन्न होती है। ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए कटाव निरोधात्मक कार्य कराने की कृपा करें। समस्तीपुर जिले से आए मो. कलमुद्दीन ने कहा कि वह दिव्यांग है, इसलिए उन्हें बैटरी चालित ट्राई साइकिल उपलब्ध कराई जाए ताकि उन्हें आवागमन में सहूलियत हो।

रामकृष्ण रेड्डी ने वाईएसआरसीपी छोड़ी

विस की सदस्यता से भी दिया इस्तीफा

गुंटूर, 11 दिसम्बर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में वाईएसआरसीपी को बड़ा झटका देते हुए मंगलागिरि से विधायक अल्ला रामकृष्ण रेडडी ने पार्टी छोड़ दी है और विधायक पद से इस्तीफा दे दिया है। रेड्डी सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में इसका खुलासा करते हुए कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत कारणों से वाईएसआरसीपी छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने विधायक पद से भी इस्तीफा दे दिया है। चूंकि विस अध्यक्ष उपलब्ध नहीं थे, इसलिए उन्होंने अपना त्यागपत्र विस अध्यक्ष के ओएसडी को सौंप दिया है। उन्होंने कहा कि वाईएसआरसीपी छोड़ना और अपने विधायक पद से इस्तीफा देना पीड़ा दायक है। उन्होंने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत कारणों से पार्टी छोड़ने और विधायक पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है। इस दौरान जब उनसे पूछा गया कि निजी कारण क्या हैं तो उन्होंने कहा कि वह उचित समय पर इसका खुलासा करेंगे।

मांग *संसद में भाजपा के राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने रखी बड़ी मांग*

न्यायाधीशों की संपदा का ब्यौरा किया जाना चाहिए सार्वजनिक

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र का दूसरा हफ्ता शुरू हो चुका है। सोमवार को संसद की कार्यवाही शुरू होने के बाद भाजपा के राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने बड़ी मांग रखी। उन्होंने कहा कि देश की उच्च न्यायपालिका के जजों को अपनी संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक करना चाहिए। सुशील मोदी ने राज्यसभा में कहा कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के लिए संपत्ति की घोषणा करना अनिवार्य बनाया जाए। उन्होंने इस व्यवस्था को लागू करने के लिए मौजूदा कानून में संशोधन करने या जरूरत पड़ने पर नया कानून बनाने का सुझाव भी दिया।

शून्यकाल के दौरान भाजपा के राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने सोमवार को कहा कि उच्च न्यायालय के साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के लिए भी सालाना संपत्ति की

- **व्यवस्था को लेकर कानून में संशोधन करने का दिया सुझाव**

घोषणा करना अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मंत्री और सिविल सेवक हर साल अपनी संपत्ति का ब्यौरा जमा कराते हैं। ऐसे में अदालतों पर भी यह व्यवस्था लागू की जाना चाहिए। सुशील मोदी ने कहा, प्रधानमंत्री समेत मंत्रियों और भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारियों को भी हर साल संपत्ति का ब्यौरा देना होता है। सुशील मोदी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि जनता को विधानसभा और संसद के लिए चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की संपत्ति के बारे में जानने का अधिकार है। इस कारण जनप्रतिनिधियों को संपत्ति की घोषणा करते हुए हलफनामा दाखिल करना होता है। उन्होंने कहा, अगर निर्वाचन के बाद जनप्रतिनिधि संपत्ति का ब्योरा देते हैं तो सरकारी कार्यालयों में सेवारत और सरकारी खजाने से वेतन लेने वाले किसी भी व्यक्ति को अनिवार्य रूप से अपनी संपत्तियों का वार्षिक विवरण घोषित करना चाहिए, भले ही वह न्यायपालिका में ही क्यों न हो। भाजपा सांसद ने कहा कि जिस तरह विधायक-सांसद के बारे में जानना जनता का हक है, अदालतों में मुकदमा लड़ने वाले वादी को भी न्यायाधीशों की संपत्ति जानने का अधिकार है।

इससे न्यायिक प्रणाली में जनता का भरोसा और मजबूत होगा। सुशील कुमार मोदी ने 26 साल पुराने फैसले का जिक्र करते हुए कहा, मई 1997 में सुप्रीम कोर्ट की फुल बेंच ने सभी न्यायाधीशों को अपनी संपत्तियों की अनिवार्य घोषणा का आदेश पारित किया, लेकिन बाद में फुल बेंच ने घोषणा को स्वैच्छिक बना दिया। उन्होंने कहा, शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर संपत्ति घोषणा अनुभाग को 2018 से अपडेट नहीं किया गया है। हाईकोर्ट के मामले में केवल पांच उच्च न्यायालयों के चुनिंदा न्यायाधीशों ने संपत्ति का ब्यौरा दिया है। इसमें बदलाव होना चाहिए।

देशबन्धु

बिलासपुर, मंगलवार 12 दिसम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

भाजपा की उलझन

भारत के संसदीय इतिहास में शायद पहली मर्तबा हो रहा है जब किसी राजनैतिक दल को विधानसभा के चुनाव में स्पष्ट बहुमत मिला हो और वह हफ्ते भर से अपना मुख्यमंत्री तलाश रही हो। जिन पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीज़े 3 दिसम्बर को निकले उनमें से तेलंगाना में कांग्रेस के रेवंत रेड्डी और मिजोरम में जोराम पीपुल्स मूवमेंट के लालदुहोमा ने मुख्यमंत्री का पद ग्रहण कर कामकाज भी प्रारम्भ कर दिया है, ले-देकर छत्तीसगढ़ के मुखिया के रूप में विष्णुदेव साय का चयन कर उसकी तलाश एक राज्य में रविवार को समाप्त हुई। और सोमवार को मध्यप्रदेश में मोहन यादव के नाम पर मुहर लग पाई है। परन्तु भारतीय जनता पार्टी अब भी राजस्थान के मुख्यमंत्री का निर्धारण नहीं कर पाई है। यह अनुशासित पार्टी कही जाने वाली भाजपा के लिये आश्चर्यजनक है। उसके इतिहास व सांगठनिक स्वरूप को देखें तो यह एक हद तक सही भी लगता है लेकिन राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में उसे मुख्यमंत्री बनाने में जिस एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ा है, उससे यह मिथक भी टूट रहा है।

यह संकट पूर्वानुमानित था। जब तीनों ही राज्यों में कई सांसदों और केन्द्रीय नेताओं को विधानसभा के चुनावी मैदान में उतारा गया, तभी आभास हो गया था कि इन राज्यों में भाजपा जीते या हारे, उसे इस तरह के संकट से गुजरना होगा। चूंकि उस समय इन तीनों ही राज्यों में भाजपा की पराजय का अंदेशा था, इसलिये सम्भवत: भाजपा नेतृत्व ने मामले की गम्भीरता का अंदाजा नहीं लगाया होगा। अप्रत्याशित रूप से इन राज्यों में उसे जो जीत मिली है, उसके बाद उसके समक्ष समस्या आन खड़ी हुई है- कौन बनेगा मुख्यमंत्री? छत्तीसगढ़ एक आत्मसंतोषी राज्य है जहां लोगों की महत्वाकांक्षाएं वैसी प्रबल नहीं है। साथ ही, यहां केन्द्र के मंत्री या सांसद विधायकी का चुनाव लड़ने के लिये उतारे गये, उनमें कोई भी ऐसा बड़ा चेहरा नहीं हैं जिसकी राष्ट्रीय स्तर पर वैसी बड़ी पहचान हो। यहां के सबसे बड़े चेहरे के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की ही शिनाख्त होती है लेकिन वे भी अपनी विनम्रता और सौम्यता के लिये जाने जाते हैं। उनके बारे में पहले से ही अनुमानित था कि अगर उन्हें यह पद नहीं मिलता तो भी वे संगठन के खिलाफ न तो अपना रोष व्यक्त करेंगे या कोई बड़ा कदम उठाएंगे। यह उन्होंने साबित भी किया। साय को मुख्यमंत्री बनाकर उन्हें विधानसभा अध्यक्ष बनाने का तय हुआ तो उन्होंने इस प्रस्ताव को सिर झुकाकर स्वीकार कर लिया।

रही बात राजस्थान व मध्यप्रदेश की, तो दोनों ही राज्यों में भाजपा के समक्ष जटिल परिस्थिति है। राजस्थान में पूर्व मुख्यमंत्री और वहां भाजपा की सबसे प्रभावशाली नेत्री वसुंधरा राजे सिंधिया हैं जिनका बड़ा सम्मान है पर यहां शीर्ष कमान की पसंद के चेहरे अन्य लोग हैं, मसलन बाबा बालकनाथ, गजेन्द्र सिंह शेखावत, किरोड़ीमल मीणा, दीया कुमारी, अश्विनी वैष्णव, अर्जुन मेघवाल आदि। छत्तीसगढ़ के रमन सिंह की ही तरह वसुंधरा की भी यहां चुनाव प्रचार के दौरान घोर उपेक्षा हुई थी। उनके समर्थक वह दृश्य नहीं भूल सकते जब राज्य भाजपा का घोषणापत्र भरे मंच पर उनके हाथ से छीन लिया गया था। उसके बाद उन्हें पकड़ाये गये घोषणापत्र को महारानी साहिबा ने हाथ तक नहीं लगाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हों या केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, किसी ने भी चुनावी प्रचार सभाओं में उनके कामों का ज़िक्र नहीं किया। यहां तक कि कई सभाओं में वे गैर मौजूद रहीं। बताया जा रहा है कि उन्होंने अप्रत्यक्ष तौर पर जाहिर कर दिया है कि वे यह पद छोड़ेंगी नहीं। उनके साथ 60 से अधिक विधायकों के मजबूती के साथ खड़े बतलाये जाते हैं। कहा तो यहां तक जाता है कि उनके सांसद पुत्र दुष्यंत सिंह ने इन विधायकों की बाड़ेबंदी कर रखी है। भाजपा नेतृत्व को इस बात की भी आशंका है कि वे निवर्तमान कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ हाथ मिलाकर सरकार तक बना सकती हैं। 199 सीटों वाली विधानसभा में भाजपा के 115 और कांग्रेस के 69 विधायक हैं। राजस्थान का मुख्यमंत्री बनने का असमंजस ऐसा विकट है कि रविवार को दिल्ली से आने वाले पर्यवेक्षकों ने अपनी जयपुर यात्रा भी रद्द कर दी।

कुछ ऐसी ही स्थिति मध्यप्रदेश में भी रही। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भी चुनाव प्रचार के दौरान पूरी तरह दरकिनार कर दिया गया था। उनके कामों का उल्लेख तो दूर, उनका नाम भी मोदी-शाह द्वारा नहीं लिया जाता था। उनके धुर विरोधी भी मानते हैं कि चौहान यहां अपने दम पर कांग्रेस के जबड़े से जीत निकाल लाए हैं। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि शिवराज सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री रहे मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाए जाने पर आगे राज्य की राजनीति कैसे मोड़ लेगी। मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल केन्द्रीय कृषि मंत्री रहे नरेन्द्र तोमर को भाजपा ने विधानसभा अध्यक्ष बना दिया है और जगदीश देवड़ा और राजेन्द्र शुक्ला को उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। इसका अर्थ यही है कि भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय जैसे कई दिग्गज हैं जो मुख्यमंत्री पद के दावेदार थे, अब उन्हें किसी न किसी तरह आलाकमान को संभालना होगा।

छत्तीसगढ़ में अलबत्ता नये मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण की तैयारियां प्रारम्भ हो गई हैं, मध्यप्रदेश में भी जल्द ही मोहन यादव की सरकार बन जाएगी, लेकिन राजस्थान में ऊंट किस करवट बैठेगा, यह इन पंक्तियों के लिखे जाने तक तय नहीं हो सका है।

यह तो जातिवाद का विरोध नहीं, हिमायत है!

मेरे लिए देश की चार सबसे बड़ी जातियां हैं। मेरे लिए सबसे बड़ी जाति गरीब हैं। मेरे लिए सबसे बड़ी जाति हैं युवा, मेरे लिए सबसे बड़ी जाति हैं, महिलाएं। मेरे लिए सबसे बड़ी जाति हैं किसान।' और 'इन चार जातियों का उत्थान ही भारत को विकसित बनाएगा। अगर चार का हो जाएगा तो इसका मतलब सब का हो जाएगा।' प्रधानमंत्री मोदी ने हाल के विधानसभाई चुनावों के नतीजे आने से ऐन पहले, विकसित भारत संकल्प यात्रा के सिलसिले में 'लाभार्थियों' से अपने बहुप्रचारित संवाद के क्रम में, जातियों की अपनी यह नयी, परिभाषा और पहचान पेश की थी। कहने की जरूरत नहीं है कि जब प्रधानमंत्री बार-बार 'सबसे बड़ी जाति', 'सबसे बड़ी जाति' कहते हैं, तो वह एक प्रकार से यही दावा कर रहे होते हैं कि उनकी नजर में अगर कोई वास्तविक जातियां हैं तो यही चार हैं और बाकी जिन्हें जातियों के रूप में सब अब तक मानते आए हैं, वे अगर मिथ्या नहीं भी हों तो भी, इस 'बड़ी' सच्चाई के सामने, कमतर सच्चाइयां जरूर हैं। इस तरह, नयी जातियां गढ़कर, जातियों की पारंपरिक पहचान के सामने खड़ी करने और इसके जरिए, जाति व्यवस्था की सच्चाई को ही नकारने की यह कसरत, प्रधानमंत्री ने उसके बाद से इस तरह बार-बार दोहराई है कि इसके वास्तविक अर्थ पर गौर करना जरूरी हो जाता है।

वास्तव में इस सिलसिले की शुरूआत तो हाल के विधानसभाई चुनावों के और खासतौर पर तीन हिंदीभाषी राज्यों में चुनाव के प्रचार के दौरान ही हो गई थी। जब इन हिंदीभाषी राज्यों में भाजपा की मुख्य राजनीतिक/चुनावी प्रतिद्वंद्वी की हैसियत से कांग्रेस ने जाति गणना का मुद्दा प्रमुखता से उठाना शुरू किया और उसकी सरकारों ने अपने-अपने राज्यों में जाति-आधारित गणना कराने का ऐलान कर दिया और आम तौर पर इस पार्टी ने जाति गणना कराने का जोर-शोर से वादा करना शुरू कर दिया और बिहार में जाति सर्वे के नाम से जाति गणना के आंकड़े प्रकाशित किए जाने के साथ, जाति गणना का प्रश्न चुनावी रूप से भी महत्वपूर्ण हो जाने के आसार दिखाई देने लगे, इस मुद्दे के संभावित प्रभाव की काट करने के लिए प्रधानमंत्री ने, 'असली जाति' बनाम 'झूठी जाति' की उक्त जुमलेबाजी की शुरूआत की थी। यह दूसरी बात है कि इसके साथ ही घनघोर बौद्धिक मौकापरस्ती का परिचय देते हुए प्रधानमंत्री, इसकी दुहाई देने का भी कोई मौका नहीं छोड़ रहे थे कि वह चूंकि एक 'गरीब ओबीसी' हैं, इसीलिए विपक्ष के हमलों के निशाने पर हैं! इसके साथ ही साथ, प्रधानमंत्री जाति गणना की मांग को बांटने वाली और वास्तव में इशारों में बहुसंख्यक हिंदुओं को बांटने वाली गणना बताने में भी लगे हुए थे।

यह दूसरी बात है कि इसके बावजूद, जाति गणना के सीधे विरोध में आने से बचते हुए, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह समेत भाजपा नेतागण, यह मनवाने में भी लगे हुए थे कि वे जाति गणना के खिलाफ नहीं थे, जिसका सबूत यह था कि जब नीतीश कुमार ने बिहार में जाति सर्वे कराने का निर्णय लिया था, गठबंधन में उनकी सहयोगी की हैसियत से, भाजपा की भी सहमति से ही उक्त निर्णय लिया गया था। यह दिखावा इसके बावजूद किया जा रहा था कि आम तौर पर जाति गणना का विरोध करने के अलावा, मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर, शुरू में बिहार के जाति सर्वे को अवैध बताने की कोशिश की थी, हालांकि बाद में इसके संभावित राजनीतिक/चुनावी परिणामों को भांपकर, केंद्र सरकार के हलफनामे के उक्त पैरा को 'गलती' कहकर वापस ले लिया गया था।

राजेंद्र शर्मा

> जाति व्यवस्था का सार, ऊंच-नीच पर आधारित सामाजिक स्तर विभाजन में है। लेकिन, संस्कृति या परंपरा या धर्म के नाम पर, इसका औचित्य सिद्ध करना संभव नहीं हो और इस सच्चाई को नकारना भी संभव न हो, तो जाति व्यवस्था को ही जातिगत पहचानों के ऐसे गट्ठर में तब्दील करने की कोशिश की जाती है, जिसमें साथ रखी गई जाति इकाइयां आपस में ऊंच-नीच के किसी दमनकारी रिश्ते में बंधी ही नहीं होती हैं।

बहरहाल, हाल के विधानसभाई चुनावों के नतीजे आने और खासतौर पर हिंदी पट्टी के तीन महत्वपूर्ण राज्यों—मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ तथा राजस्थान—में भाजपा की प्रभावशाली जीत के बाद से, जाति-जनगणना के मुद्दे पर संघ-भाजपा खुले विरोध के अपने मूल रुख पर लौट आए लगते हैं। इस चुनाव के समय, जब संघ-भाजपा इस मुद्दे पर एक हद तक अपना बचाव ही करते नजर आते थे, कई टिप्पणीकारों का यह कहना था कि इन चुनावों में भाजपा को अगर धक्का लगता है या जाति गणना की मांग असरदार साबित होती है, तो आम चुनाव से पहले ही भाजपा खुद जाति गणना की पैरोकार बन जाएगी। लेकिन, चूंकि इस चुनाव में जाति गणना की मांग खास असरदार साबित नहीं हुई है, संघ-भाजपा इस गणना के खुले विरोध के अपने मूल रुख पर लौट गए लगते हैं। प्रधानमंत्री की असली जाति बनाम झूठी जाति की जुमलेबाजी, इसी का इशारा करती है।

यह किसी से छुपा हुआ नहीं है कि जाति गणना के मुद्दे पर संघ-भाजपा का और इसलिए मोदी सरकार का भी रुख, शुरू से ही विरोध का रहा था। यह रुख तब खुलकर सामने आ गया, जब पिछली यूपीए सरकार के आखिरी वर्षों में कराई गई सामाजिक-आर्थिक दर्जे की गणना के आंकड़ों का नीति-निर्धारण के लिए उपयोग करना तो दूर, मोदी सरकार ने इन आंकड़ों को ही 'गैर-भरोसेमंद' कहकर, सीधे-सीधे खारिज कर दिया। उल्टे मोदी के पहले कार्यकाल के शुरूआती सालों में ही आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने, संघ परिवार के मूल मनुवादी तथा इसलिए आरक्षणविरोधी एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए, आरक्षण की व्यवस्था के जारी रहने के औचित्य पर ही सवाल उठाते हुए, इसकी 'समीक्षा' का समय आ जाने का ऐलान कर दिया था।

लेकिन, उसके कुछ ही समय बाद हुए बिहार के विधानसभाई चुनाव में, भागवत के उक्त ऐलान के नुकसान को कम करने के लिए उन्हें जितनी तथा जैसी सफाइयां देनी पड़ी थीं, उससे संघ-भाजपा ने यह समझ लिया था, सीधे आरक्षण की व्यवस्था का विरोध करना राजनीतिक रूप से असह्य रूप से महंगा पड़ सकता है। उसके बाद से उन्होंने सीधे आरक्षण की व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाना या उस पर सवाल उठाना तो बंद कर दिया है, लेकिन कथित ऊंची जाति के गरीबों के 'सुदामा आरक्षण' जैसी व्यवस्थाओं को आगे बढ़ाने के जरिए परोक्ष रूप से, ऐतिहासिक सामाजिक दमन की सच्चाई और उसके शमन के साधन के रूप में आरक्षण की व्यवस्था को कमजोर करने की कोशिशें फिर भी जारी रही हैं। जानी-पहचानी जाति विभाजन की सच्चाई के सामने, गरीबों या महिलाओं या युवाओं या किसानों की वंचितता को खड़ा करने की प्रधानमंत्री की जुमलेबाजी, उक्त कोशिशों की ही निरंतरता में है।

यह बात याद रखने वाली है कि प्रधानमंत्री जब जाति की जानी-पहचानी सच्चाई के सामने, 'बड़ी' या 'ऊंची' सच्चाई के रूप में किसानों या गरीबों या महिलाओं या युवाओं की चिंता को रखने की लफ्फाजी करते हैं, तो वह किसानों, गरीबों आदि की चिंताओं को रेखांकित करने की नहीं बल्कि जाति व्यवस्था की सब की जानी-पहचानी सच्चाई को ही नकारने की कोशिश कर रहे होते हैं। यह संघ-भाजपा के बुनियादी विचारधारात्मक रुख के ही अनुरूप है, जो मनुवाद पर या ब्राह्मणवाद पर आधारित है और इसलिए, भारतीय समाज में जाति व्यवस्था की सच्चाई को ही नकारने की कोशिश करता है; सीधे-सीधे इसका औचित्य सिद्ध करना मुश्किल जो है।

सभी जानते हैं कि जाति व्यवस्था का सार, ऊंच-नीच पर आधारित सामाजिक स्तर विभाजन में है। लेकिन, संस्कृति या परंपरा या धर्म के नाम पर, इसका औचित्य सिद्ध करना संभव नहीं हो और इस सच्चाई को नकारना भी संभव न हो, तो जाति व्यवस्था को ही जातिगत पहचानों के ऐसे गट्ठर में तब्दील करने की कोशिश की जाती है, जिसमें साथ रखी गई जाति इकाइयां आपस में ऊंच-नीच के किसी दमनकारी रिश्ते में बंधी ही नहीं होती हैं।

संघ-भाजपा ने, एक ओर एक दमनकारी व्यवस्था के रूप में जाति व्यवस्था की सच्चाई को नकारते हुए भी, इस दमनकारी रिश्ते से काटकर, जातिगत पहचानों को ही अपने साथ गोलबंद करने में खासी महारत हासिल कर ली है। जातिगत पहचानों के साथ इस तरह का रिश्ता, एक ओर अलग-अलग जाति-आधारित समूहों का समर्थन हासिल करना संभव बनाता है और दूसरी ओर, वंचित जाति समूहों के भी जाति-व्यवस्था के विरुद्ध आवेग को वैचारिक रूप से बधिया करने का काम करता है। यह जातिवाद का विरोध या उस पर हमला नहीं, जाति व्यवस्था का बचाव, उसकी हिमायत ही है। नरेंद्र मोदी की नयी 'सबसे बड़ी' जातियों की खोज, कथित नयी बड़ी जातियों को तो कुछ नहीं देगी, जाति व्यवस्था विरोधी आवेगों से, जिनमें जाति गणना, आनुपातिक आरक्षण की मांग आदि शामिल हैं, इस व्यवस्था को बचाने का ही काम करेगी।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

कॉप 28 जलवायु परिवर्तन पर सैन्यीकरण के प्रभाव का संज्ञान लेने में विफल

■ डॉ. अरुण मित्रा

यह स्वागत योग्य है कि दुनिया भर से 80000 से अधिक प्रतिभागी जलवायु संकट को कम करने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श करने के लिए दुबई में एकत्र हुए हैं, जिसे अगर रोका नहीं गया तो विनाशकारी होगा। यह घटना ऐसे समय में हो रही है जब महज 2600 किलोमीटर की दूरी पर गाजा में इजरायल द्वारा निर्दोष नागरिकों पर बमबारी के परिणामस्वरूप भयावह मानवीय संकट सामने आ रहा है। इससे 16000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गये हैं जिनमें से 70 फीसदी महिलाएं और बच्चे हैं और इसने बुनियादी ढांचे को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है जिससे लोग बेघर हो गये हैं।

कोई भी सैन्य गतिविधि जलवायु संकट को बढ़ाती है। अब तक यह सर्वविदित है कि वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में सैन्य गतिविधि का योगदान 5.5 फीसदी होने का अनुमान है। हाल के वर्षों में हमने दुनिया भर में सैन्य खर्च में पर्याप्त वृद्धि देखी है। फिलहाल यह पहले से कहीं ज्यादा है। 2022 में विश्व सैन्य व्यय बढ़कर 2240 बिलियन डॉलर हो गया, जिसमें से 82.9 बिलियन डॉलर अकेले परमाणु हथियारों पर खर्च किये गये।

सरकारों द्वारा सैन्य व्यय पर रिपोर्टिंग हमेशा एक गुप्त मामला होता है और 'सुरक्षा कारणों' से सैन्य संबंधी गतिविधियों की रिपोर्टिंग में कोई पारदर्शिता नहीं होती है। ग्लोबल रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड कॉन्फ्लिक्ट और पर्यावरण वेधशाला के वैज्ञानिकों के डॉ. स्टुअर्ट पार्किंसन और लिन्से कॉटरेल ने एक अध्ययन 'सैन्य के वैश्विक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन का आकलन' में बताया है कि यदि दुनिया की सेनाएं एक देश होतीं, तो इस आंकड़े का मतलब होता कि उनके पास दुनिया में चौथा सबसे बड़ा राष्ट्रीय कार्बन फुटप्रिंट- रूस से भी अधिक होता। शोधकर्ताओं ने पाया कि यूक्रेन युद्ध के पहले 12 महीनों में 1190 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड का उत्पादन हुआ, जितना कि बेल्जियम ने इसी अवधि में उत्पादित किया था।

यह सैन्य उत्सर्जन को मजबूती से मापने और संबंधित कार्बन पदचिह्न को कम करने के लिए ठोस कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता पर जोर देता है- खासकर जब ये उत्सर्जन यूक्रेन में युद्ध और गाजा में इजरायली आक्रामकता के मद्देनजर बढ़ने की संभावना है।

इसलिए यह जरूरी है कि कॉप 28 में विचार-विमर्श के दौरान निरस्त्रीकरण को मुख्य स्थान दिया जाना चाहिए। पिछला कॉप 27 भी निरस्त्रीकरण पर कोई बयान जारी करने में विफल रहा था और ऐसा प्रतीत होता है कि इस बार भी वैसा ही अंतिम परिणाम होगा। हालांकि इस बार इंटरनेशनल फिजिशियन फॉर द प्रिवेंशन ऑफ न्यूक्लियर वॉर (आईपीपीएनडब्ल्यू) सहित कुछ संगठनों ने इस मुद्दे को उजागर करने का एक मुद्दा बनाया, अगर मुख्य मंच पर नहीं, तो कम से कम प्रतिभागियों के बीच।

यह अजीब बात है कि कॉप 28 में एक घोषणा को अपनाया गया जिसमें राष्ट्रों से स्वास्थ्य क्षेत्र में अपने ग्रीन-हाउस गैस उत्सर्जन को तेजी से, स्थायी रूप से और पर्याप्त रूप से कम करने का आह्वान किया गया। ऐसा तब हुआ है जब सैन्य गतिविधि द्वारा कुल उत्सर्जन के 5.5 फीसदी की तुलना में वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र द्वारा 4.4 फीसदी उत्सर्जन होता है। जबकि सैन्य गतिविधि मारने के लिए है, स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र जीवन को बनाये रखने के लिए है।

आईपीपीएनडब्ल्यू ने आगे चेतावनी दी है कि युद्ध जारी रहने से परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का खतरा हो सकता है जो विनाशकारी होगा। इरा हेलफैंड पूर्व सह-अध्यक्ष इंटरनेशनल फिजिशियन फॉर द प्रिवेंशन ऑफ न्यूक्लियर वॉर (आईपीपीएनडब्ल्यू) और पर्यावरण विज्ञान विभाग, रटगर्स यूनिवर्सिटी, यूएसए के एलन रोबॉक द्वारा किये गये एक अध्ययन, 'क्षेत्रीय परमाणु युद्ध के जलवायु परिणाम' ने बताया है कि पृथ्वी पर मौजूद वर्तमान परमाणु हथियार जलवायु के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं और इस प्रकार सभी जीवन रूपों के लिए खतरा पैदा करते हैं। 100 हिरोशिमा आकार के परमाणु हथियारों का उपयोग करके भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु आदान-प्रदान दो अरब लोगों को खतरे में डाल देगा; प्रमुख परमाणु शक्तियों के बीच कोई भी परमाणु आदान-प्रदान हजारों वर्षों के मानव श्रम के माध्यम से निर्मित आधुनिक सभ्यता का अंत हो सकता है। विस्फोटों और परिणामी आग के कारण वातावरण में घुली कालिख और मलबा सूरज की रोशनी को पृथ्वी तक पहुंचने से रोक देगा, जिससे औसत सतह -1.25 डिग्री सेंटीग्रेड तक ठंडी हो जायेगी जो कई वर्षों तक बनी रहेगी। यहां तक कि 10 साल बाद भी, सतह का औसत तापमान -0.5 डिग्री सेंटीग्रेट के स्तर पर लगातार ठंडा रहेगा। इससे वैश्विक स्तर पर वर्षा में 10 फीसदी की कमी आयेगी और फसल बर्बाद हो जाएगी, जिससे भुखमरी और मौतें होंगी।

इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि कॉप 28 को परमाणु हथियारों के पूर्ण उन्मूलन का आह्वान करना चाहिए और परमाणु हथियार रखने वाले देशों को परमाणु हथियारों के निषेध पर संधि (टीपीएनडब्ल्यू) में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए बातचीत को बढ़ावा देना चाहिए।

> वैश्विक हथियारों की होड़ से स्वास्थ्य और जलवायु को ख़तरा है। निरस्त्रीकरण और विसैन्यीकरण से जलवायु शमन के वित्तपोषण में मदद मिल सकती है। सहयोग और मानव सुरक्षा राजनीति और निर्णय लेने के केंद्र में होनी चाहिए। कॉप 28 को कम से कम कॉप 29 के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा करने के लिए एक आयोग का गठन करना चाहिए।

जब ऊर्जा के गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों पर स्विच करने की बात होती है, तो कॉप 28 के भीतर एक लॉबी है जो परमाणु ऊर्जा के महत्व पर बोलती है। यह एक झूठी और खतरनाक कहानी है। परमाणु ऊर्जा जलवायु परिवर्तन का कोई समाधान नहीं है। इसके गंभीर स्वास्थ्य परिणाम होते हैं और परमाणु प्रसार का खतरा बढ़ जाता है। परमाणु ऊर्जा महंगी और अविश्वसनीय है, समग्र बिजली उत्पादन के सापेक्ष महत्व खो रही है, तथा लागत-प्रभावशीलता और उत्पादन के मामले में नवीकरणीय ऊर्जा से पीछे है और है इसलिए आउट डेटेड है। इसलिए यह आवश्यक है कि दुनिया नये परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का निर्माण बंद कर दे, परमाणु ऊर्जा उत्पादन को तेजी से चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर दे, और एक उचित नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ जाये।

हमें 1.5 डिग्री की सीमा के भीतर रहने के लिए 2030 तक उत्सर्जन में आधी कटौती करने की आवश्यकता है और इस तरह धरती की सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य सुनिश्चित करना होगा। माउंट एवरेस्ट क्षेत्र के ग्लेशियरों पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव का वीडियो संदेश 'हमें अग्रिम पंक्ति के लोगों की सुरक्षा के लिए और वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री तक सीमित करने के लिए, जलवायु अराजकता की सबसे खराब स्थिति को रोकने के लिए अभी कार्य करना चाहिए' दुनिया भर के अरबों लोगों की आवाज को व्यक्त करता है। जो जाने-अनजाने में जलवायु संकट के परिणामस्वरूप प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, 'यह एक ऐसी बीमारी है जिसे केवल आप, वैश्विक नेता ही ठीक कर सकते हैं।' उन्होंने नेताओं से जीवाश्म ईंधन पर दुनिया की निर्भरता को खत्म करने और जलवायु न्याय के लिए लंबे समय से लंबित वादे को पूरा करने का आह्वान किया।

कॉप 28 के उद्घाटन दिवस पर प्रतिनिधियों ने दुनिया के सबसे कमजोर देशों को जलवायु आपदा के विनाशकारी प्रभावों से होने वाले नुकसान की क्षतिपूर्ति करने के लिए एक कोष के संचालन हेतु एक समझौते पर सहमति व्यक्त की, जो एक हद तक स्वागत योग्य कदम है। हालांकि यह अंतिम समाधान नहीं है। इसकी त्रुटियों का विकसित देश तो लाभ उठा लेंगे, लेकिन विकासशील दुनिया अपने ही नागरिकों के लिए विकास की दौड़ में पीछे रह जायेंगे।

वैश्विक हथियारों की होड़ से स्वास्थ्य और जलवायु को ख़तरा है। निरस्त्रीकरण और विसैन्यीकरण से जलवायु शमन के वित्तपोषण में मदद मिल सकती है। सहयोग और मानव सुरक्षा राजनीति और निर्णय लेने के केंद्र में होनी चाहिए। कॉप 28 को कम से कम कॉप 29 के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा करने के लिए एक आयोग का गठन करना चाहिए।

पावन प्रसंग

कठिन समय का सामना कुछ ऐसे करें

यह जीवन ईश्वर का एक अद्भुत उपहार है। जो परिस्थितियों के जटिल चक्रव्यूह से होकर आगे बढ़ता रहता है जिसमें कभी खुशी तो कभी गम कभी हार तो कभी जीत, कभी उतार तो कभी चढ़ाव आते रहते हैं। घटनाक्रमों के इन सिलसिलों के बीच कठिन एवं विकट पल भी आते हैं जब जीवन दूभर हो जाता है। यदि व्यक्ति ऐसे समय में नहीं संभला तो उसको टूटते-बिखरते देर नहीं लगती, लेकिन सही समझ व धैर्य के साथ इसका सामना किया जाए, तो यही विषय पल व्यक्ति के उत्कर्ष का माध्यम बन जाते हैं और जीवन के उच्चतम सत्य की ओर ले जाते हैं। जीवन के विकट पल हमारे लिए उत्थान व उत्कर्ष का अवसर बनें, इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखना आवश्यक हो जाता है। जिसमें सर्वप्रथम है परिस्थिति को स्वीकार करना। जो भी विवाद घटना या जीवन के कठिन पल हैं, उन्हें स्वीकार करें। इसे ईश्वर का दिया हुआ उपहार मानें या अपने कर्मों से जुड़ा गहन रहस्य समझें, जो जीवन की नई समझ देने के लिए आया है।

इस समझ व स्वीकृति के साथ ही संघर्ष की नई ऊर्जा का संचार होता है। विकट परिस्थिति को अपनी नियति का एक हिस्सा मानते ही चुनौती के रूप में आभासित पल आगे बढ़ने के अवसर बन जाते हैं। इन कठिन पलों में अपनों का संग-साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अपने परिवारजनों, मित्रों व शुभचिंतकों का संग इन पलों से उबरने में निर्णायक भूमिका निभाता है। इनसे प्राप्त भावनात्मक सिंचन जीवन कली को मुरझाने नहीं देता। इनका सहारा टूटने-बिखरने के कगार पर खड़े अस्तित्व को संभाले रहता है, लेकिन दूसरों के सहारे ही जीवन की नैया पार होगी। ऐसी भी गलतफहमी नहीं पाली जा सकती है। जीवन का सामना अंतत: अपने दमखम पर ही करना होता है और दूसरों के साथ की अपनी सीमा रहती है। इसके लिए स्वयं को समय देना अभीष्ट हो जाता है। कठिन समय में जीवन के बिखरने व टूटने का खतरा रहता है ऐसे में अपने तन-मन व जीवनचर्या पर आवश्यक ध्यान रखें। उचित आहार-विहार, शारीरिक सक्रियता, विश्राम एवं नींद का सहारा लें। शरीर के साथ मन का श्रेष्ठ नियोजन करें। अपने कर्तव्य कर्मों में निमग्न रहें। ये सब अनावश्यक तनाव-अवसाद से बचाए रखते हैं। नियमित कागज पर अपने मनोभावों को लिखने का अभ्यास करें। इनके साथ मन का गुबार बाहर निकलता है तथा चित्त का बोझ हलका होता है और आप बेहतर अनुभव करते हैं। प्रकृति की गोद में कुछ समय अवश्य बिताएं, जो मन की शांति स्थिरता के लिए संजीवनी का काम करता है। साथ ही जीवव के अर्थ व उद्देश्य को तलाशें, जो व्यक्ति को जीवन की गहराइयों में प्रतिष्ठित करता है और एक सार्थकता की अनुभूति के साथ मनोबल व आत्मबल केअवदान दे जाता है। इसके लिए नियमित रूप से आत्मनिरीक्षण से लेकर आत्मसुधार एवं निर्माण का न्यूनतम कार्यक्रम निर्धारित करें। दैनिक क्रियाकलापों में अपनी रूचियों को स्थान दें। ये जीवन में एक नया रस व रंग घोलने का काम करते हैं। नित्य इनके लिए कुछ समय-अवश्य दें, ये जीवन में एक नई ताजगी व उल्लास भरने वाले उपक्रम साबित होंगे। इसके साथ स्वयं को सतत प्रेरित रखें। श्रेष्ठ पुस्तकों को पढ़ें व प्रेरक लोगों की संगत तलाशें। एक समय एक कदम उठाएं तथा जीवन की छोटी-छोटी विजय को हासिल करते चलें। ये जीवन के प्रति आशा व उत्साह से लबरेज रखने का माध्यम बनेंगे।

जीवन को अत्यधिक गंभीरता से न लें तथा स्वयं के प्रति उदारता का भाव रखें। साथ ही दूसरों के प्रति कृतज्ञता का भाव अपनाएं। ये सब जीवन को सरस-सुखद बनाए रखने में सहायक बनते हैं। साथ ही कठिन दौर में कुछ बातों को याद रखें। आप पहले भी ऐसी व इससे भी कठिन परिस्थितियों को पार कर चुके हैं और आप पुन: इससे बाहर निकल जाएंगे। इस समय आप कितना भी बदतर क्यों न अनुभव कर रहे हों, यह समय हमेशा ऐसा नहीं रहने वाला और विश्वास रखें कि आप वर्तमान समस्या से अधिक महान हैं, अधिक विराट एवं शक्तिशाली हैं। यह भी मानकर चलें कि मन की शांति पर डाका डालने वालों में सबसे बड़ा खलनायक काल्पनिक भय रहता है। भय के साथ कल्पित 90 प्रतिशत बातें कभी घटित नहीं होतीं। अत: मन की इस माया को समझें व कल्पित भय पर काबू पाने की कोशिश करें।

युग निर्माण योजना

आपके पत्र

आर्टिकल 370 को निरस्त करने के राष्ट्रपति के आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने वैध ठहराया

संविधान अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त करने संबंधी याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट की पांच खंडपीठ ने वैध ठहराया। सुप्रीम कोर्ट संविधान के आधार पर फैसला देती है इसमें कोई गुंजाइश इसलिए नहीं होती है कि झूठ को सत्य साबित नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ पर पूरे देश की नजर थी। न्यायमूर्ति ने फैसला सुनाते ही चार साल की ऊहापोह शान्त हो गई। कश्मीर में मिठाई बांट कर खुशी का इजहार किया गया। पूरे देश में खुशी पसरी हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राष्ट्रपति के सभी फैसला को न्यायसंगत मानते हुए मोहर लगा दी है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि अनुच्छेद 370 अस्थायी प्रावधान है और यह सरकार की अंतरिम व्यवस्था थी और पाकिस्तान और भारत के बीच युद्ध के हालात में इसकी जरूरत आ पड़ी। भारत में विलय के बाद जम्मू-कश्मीर की कोई आंतरिक संप्रभुता नहीं बची थी। न्यायमूर्ति ने केंद्र सरकार का बखान कर कहा कि केंद्र सरकार का काम करना संवैधानिक रूप से योग्य था। राष्ट्रपति को दिए अपने पावर को टेकओवर करने में कानूनी बाधा नहीं है। जब से सुप्रीम में याचिका दाखिल की गई है। तब से देश में कानाफूसी बढ़ गई थी। लोग तरह-तरह की बातें करते थे। लेकिन सुप्रीम कोर्ट का फैसला आते ही सबसे पहले कश्मीर के लोगों में खुशी दिखाई दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की संविधान सभा को सूचना दिए बिना केन्द्र का निर्णय सर्वोपरि मानते हुए सर्वोच्च अदालत ने जायज ठहराया। केंद्र की गरिमा बरकरार रखी गई। उपरोक्त फैसले से केंद्र की सर्वोच्चता स्थापित हुई है और लोगों का केंद्र पर भरोसा प्रगाढ़ हुआ है। अभी केंद द्वारा जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की चर्चा है। चुनाव भी करवाये जा सकते हैं। संसद से पारित कानूनों को जम्मू-कश्मीर पर राष्ट्रपति के आदेश के बाद लागू किए गए हैं। यह एक महत्वपूर्ण घटक है। केंद सरकार संविधान के दायरे में रह कर कोई भी फैसला लेती है इसलिए सुप्रीम कोर्ट इस विषय पर स्पष्टीकरण करते हुए केंद्र के कार्य की सराहना की है।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

देशबन्धु
संस्कारधानी
5 बिलासपुर

मंगलवार 12 दिसंबर 2023

उल्टा पुल्टा

गोलू अपनी मोटी बीवी से- जरा ये बताओ,
तड़प-तड़प कर मरना अच्छा होता है या जल्दी मरना अच्छा होता है।
बीवी- जल्दी मरना अच्छा होता है।
गोलू- तो एक काम कर, अपना दूसरा पांव भी मेरे उपर रख दे।

विकसित राष्ट्र के निर्माण में युवाओं और शिक्षकों की अहम भूमिका-प्रो.चक्रवाल

प्रधानमंत्री ने किया विकसित भारत 2047 वाइस ऑफ यूथ पोर्टल लॉन्च

बिलासपुर,11 दिसंबर (देशबन्धु)। गुरू घासीदास विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) में आज सुबह 10.30 बजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत अभियान के तहत %विकसित भारत ञ2047ः वॉइस ऑफ यूथ% पोर्टल को लॉन्च करते हुए कहा कि इस पोर्टल को देश को 2047 तक विश्व का अग्रणी विकसित राष्ट्र बनाने के लिए युवाओं के मध्य प्रस्तुत किया गया है।

प्रधानमंत्री के संबोधन पर विचार व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत बनाने के लक्ष्य को प्राप्त कने में शिक्षकों एवं छात्रों की अहम भूमिका है। युवा ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में प्रेरित करना और उनमें

कर्तव्यबोध का भाव जगाने से आसानी से इस लक्ष्य की प्राप्ति संभव है।कुलपति प्रोफेसर चक्रवाल ने युवा भारत की बात करते हुए कहा कि 2047 तक देश में सर्वाधिक युवा जनसंख्या होगी जो विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने में पूरे मनोयोग एवं क्षमता के साथ कार्य करेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री जी के उद्बोधन का उल्लेख करते हुए बताया कि शिक्षा के द्वारा ही इन लक्ष्यों को पूरा किया जा सकता है, इसलिए शैक्षणिक परिसरों में युवा संवाद एवं समूह विमर्श के द्वारा सभी युवा विकसित भारत हेतु अपने विचार इस पोर्टल के माध्यम से प्रेषित करें। प्रधानमंत्री जी के संबोधन का उल्लेख करते हुए कुलपति प्रोफेसर चक्रवाल ने बताया कि विकसित भारत का उद्गम स्थल भारत के शैक्षणिक परिसर होंगे, अतः इस संकल्प को प्राप्त करने में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

विश्वविद्यालय में पांच स्थानों पर की गई व्यवस्था

विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन स्थित सभागार सहित पांच स्थानों पर यथा रजत जयंती सभागार, ई-क्लास रूम न्यू आईटी बिल्डिंग, केन्द्रीय ग्रंथालय एवं जैव प्रौद्योगिकी स्थित स्मार्ट क्लास रूम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा विकसित भारत अभियान पोर्टल ञ2047 की लॉचिंग पर संबोधन को सुनने हेतु व्यवस्था की गई थी।उपरोक्त संबोधन के उपरांत विश्वविद्यालय में विभिन्न स्थानों पर विकसित भारत के निर्माण विषय पर परिचर्चा एवं समूह विमर्श का आयोजन किया गया। परिचर्चा एवं समूह विमर्श में भारी संख्या में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने प्रतिभाग करते हुए अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर प्रधानमंत्री के संबोधन को सुनने के लिए विभिन्न विद्यापीठों के अधिष्ठातागण, विभागाध्यक्षगण, शिक्षकगण, अधिकारीगण एवं कर्मचारीगणों के साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संपादकीय

बच्चों की प्रताड़ना : दोषियों को कड़ी सजा मिले

देश भर की तरह छत्तीसगढ़ में भी कई बार स्कूली बच्चों की जो प्रताड़ना होती है वह दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, दिल दहला देने वाली भी होती है। इसके बारे में शिक्षकों एवं स्कूल प्रबन्धकों को कड़ी हिदायतें दी जानी चाहिये। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी आवश्यक है। बच्चों को इस बाबत जागरुक किया जाना चाहिये ताकि उनके साथ होने वाले उत्पीड़न की वे निर्भीक होकर परिवार वालों को जानकारी दें।

अक्सर इस आशय की खबरें सामने आती रहती हैं जो बच्चों के साथ शिक्षकों द्वारा मारपीट करने या सज़ा के तौर पर उन्हें यातना देने के मामले होते हैं। अक्सर होम वर्क न करने, पाठ याद न करने, परीक्षाओं में कम अंक आने अथवा अनुत्तीर्ण होने पर कभी उन्हें धूप में या बेंच पर घंटों खड़ा कर दिया जाता है। कई बार कक्षा के बाहर घुटनों के बल पर बैठा दिया है। वैसे तो भारत में वर्षों से ऐसी सजाओं पर कानूनन रोक लगी हुई है परन्तु पठन-पाठन की परम्परा के अनुरुप यह माना जाता है कि उन्हें ऐसी सजाएं देने से वे अनुशासित रहते हैं और उन्हें ज्ञान की प्राप्ति भी जल्दी होती है। ऐसा भी होता है कि किसी भी प्रकार की बाल सुलभ शैतानी करने पर उन्हें बहुत कठोर दण्ड दिया जाता है। शिक्षकों द्वारा कठोर सजाएं देने या कोई यातना पहुंचाने से बच्चों को गम्भीर रुप से शारीरिक नुकसान पहुंचता है- कभी स्थायी तो कभी अस्थायी। उनके कोमल मन पर भी इसका विपरीत असर होता है। वे इससे आजन्म आहत व अपमानित महसूस करते हैं। कई बच्चे तो शिक्षा ही छोड़ देते हैं।

ऐसी ही एक घटना प्रदेश के कोंडागांव जिले के माकड़ी विकासखंड में चल रहे केरावाही शासकीय माध्यमिक शाला में हुई। यहां किसी बच्चे ने शौचालय के सामने गंदगी कर दी। शिक्षकों ने पूछताछ की परन्तु किसी ने भी यह काम करने से जब इंकार कर दिया तो नाराज़ शिक्षकों ने 25 बच्चों की हथेलियों पर कड़ाही में रखे गर्म तेल की बूंदें टपका दीं। इससे उनकी हथेलियों पर फफोले पड़ गये। मामला तब सामने आया जब किसी ने कुछ बच्चों की हथेलियों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कर दी। इससे विभागीय अधिकारियों ने पूछताछ की लेकिन शिक्षकों ने कहा कि खेल-खेल में बच्चों ने एक दूसरे के हाथों पर तेल डाला है। यदि यह सच भी है तो उन्हें शिक्षकों द्वारा रोका जाना चाहिये था। स्पष्ट है कि ऐसा खुद को बचाने के लिये शिक्षिकाएं कह रही हैं। बच्चों ने साफ संकेत दिये कि इसमें प्रधानाध्यापिका, दो शिक्षिकाओं व एक सफाई कर्मचारी का हाथ है। कुछ अन्य शिक्षक इस दौरान मौन खड़े रहे। शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारियों को चाहिये कि दोषी शिक्षकों पर कड़ी कार्रवाई करें।

सार-संक्षेप

उत्कृष्ट संरक्षित कार्य करने वाले 2 रेलकर्मियों को डीआरएम ने किया सम्मानित

बिलासपुर, 11 दिसम्बर (देशबन्धु)।संरक्षित रेल परिचालन रेलवे प्रशासन की पहली प्राथमिकता है । इसके लिए नियमित रूप से संरक्षा से संबन्धित विभिन्न जागरूकता अभियान चलाये जा रहे हैं 7 इसके साथ ही संरक्षा में सराहनीय योगदान देने वाले संरक्षा प्रहरियों को प्रोत्साहित करने हेतु संरक्षा पुरस्कार भी प्रदान किया जा रहा है । इसी कड़ी में विगत दिनों अपनी ड्यूटी के दौरान रेल फ्रेक्चर व हॉट एक्सल की पहचान कर असामान्य परिस्थिति को भांपते हुये सर्व संबंधितों को सूचना देकर संभावित दुर्घटना को टालने एवं संरक्षित रेल परिचालन में सराहनीय भूमिका निभाने वाले ट्रैक मेंटेनर खोगसरा, मान सिंह तथा ट्रैक मेंटेनर उमरिया रामचन्द्र को संरक्षा पुरस्कार के लिए चयनित किया गया । आज मंडल रेल प्रबंधक सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान मंडल रेल प्रबंधक प्रवीण पाण्डेय ने इन दोनों कर्मचारियों को इनकी उत्कृष्ट सराहनीय संरक्षा संबन्धित कार्य की सराहना करते हुये संरक्षा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया । मंडल रेल प्रबंधक द्वारा सभी को भविष्य में भी इसी उत्साह के साथ कार्य करते रहने की शुभकामनायें भी दी गई । इस अवसर पर सभी शाखाधिकारी उपस्थित थे।

अग्निवीर भर्ती परीक्षा शारीरिक दक्षता परीक्षा 15 दिसम्बर से

बिलासपुर, 11 दिसम्बर (देशबन्धु)।भारतीय थलसेना (अग्निवीर) भर्ती रैली के लिए अप्रैल माह में आयोजित ऑनलाईन सामान्य प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा एवं अन्य भर्ती प्रक्रियाओं का आयोजन 15 से 20 दिसम्बर तक जांजगीर-चांपा जिले के पुलिस लाईन, खोखराभांठा में किया जाएगा। बिलासपुर जिले के युवाओं के लिए 15 एवं 20 दिसम्बर की तारीख निर्धारित की गई है।इस भर्ती रैली में शामिल होने वाले युवाओं को 10वीं, 12वीं एवं उसके उपर की अंकसूची, टीसी, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र फोटो युक्त, स्कूल या सरपंच द्वारा जारी किया गया फोटो युक्त चरित्र प्रमाण पत्र, ग्राम पंचायत सरपंच या पार्षद द्वारा जारी अविवाहित प्रमाण पत्र, सेंट्रल कास्ट सर्टिफिकेट एससी, एसटी, ओबीसी केवल, रिलेशन सर्टिफिकेट अगर हो तो, एनसीसी प्रमाण पत्र हो तो, खेल प्रमाण पत्र अगर हो तो केवल नेशनल लेवल का, सिंगल बैंक खाता, पैन कार्ड, आधार कार्ड, पुलिस स्टेशन का चरित्र प्रमाण पत्र, 10 रूपए का स्टाम्प पेपर में रैली भर्ती में शामिल होने हेतु नोटरी द्वारा जारी शपथ पत्र, 3 माह के भीतर वाला सफेद या नीला बैकग्राउंड का 20 पासपोर्ट साईज फोटो, आधार लिंक्ड मोबाईल नम्बर, जो अभ्यर्थी 10वीं, 12वीं की परीक्षा ओपन से उत्तीर्ण हुए है उनके मार्कशीट ओरिजनल को बीईओ या डीईओ का अटेस्टेड अनिवार्य है, जो लोग ट्रेडमेन वाले है वे केवल 8वीं का ही अंकसूची लेकर जाएंगे। बिलासपुर जिले के ऑनलाईन सामान्य प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण सभी युवा निर्धारित तिथि एवं स्थान पर उपस्थित होकर थल सेना भर्ती रैली में सम्मिलित हो सकते है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के लिए जिला स्तरीय टीम गठित

बिलासपुर, 11 दिसम्बर (देशबन्धु)।भारत सरकार द्वारा विभिन्न शासकीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार और हितग्राहियों के बीच जागरूकता लाने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प यात्रा शुरू किया गया है। जिले में कार्यक्रम के सुचारू क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर अवनीश शरण ने जिला स्तरीय समिति का गठन किया है। कलेक्टर द्वारा जारी किये गये आदेश के अनुसार समिति के अध्यक्ष नगर निगम के आयुक्त कुणाल दुदावत होंगे। इसके अलावा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बिलासपुर को सचिव बनाया गया है। खाद्य नियंत्रक, उप संचालक कृषि, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक संचालक, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, लीड बैंक मैनेजर, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला सूचना अधिकारी, उप पंजीयक, सहकारिता, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, केन्द्रीय सहकारी एवं मर्यादित बैंक, सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग, उप संचालक, मछली पालन विभाग, उप संचालक पशु चिकित्सा विभाग, कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जिला आयुर्वेद अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, अपर संचालक, उच्च शिक्षा विभाग, प्रभारी अधिकारी, भू अभिलेख, संयुक्त संचालक, नगर एवं ग्राम निवेश, जिला मिशन समन्वयक, समग्र शिक्षा (प्रा.), उप संचालक, जनसंपर्क को समिति का सदस्य बनाया गया है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए आवेदन 31 तक

बिलासपुर, 11 दिसम्बर (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना मौसम रबी वर्ष 2023-24 योजना के क्रियान्वयन हेतु फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2023 है। उप संचालक, कृषि से मिली जानकारी के अनुसार योजना में गेहूं सिंचित, चना, गेहूं असिंचित, राई, सरसों एवं अलसी फसलों को शामिल किया गया हैं।

इस योजना से किसानों को प्रतिकूल मौसम सूखा, बाढ़, ओलावृष्टि आदि प्राकृतिक आपदाओं से फसलों को होने वाले नुकसान की भरपाई में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना मौसम रबी वर्ष 2023-24 अंतर्गत जिले में अधिकाधिक कृषकों को बीमा आवरण में सम्मिलित करने हेतु फसल बीमा प्रचार-प्रसार हेतु जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया हैं। ऋणी किसान, जो ऋणी कृषक इस योजना में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हें भारत सरकार द्वारा जारी विकल्प चयन (आउटपुट) प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणापत्र रबी के लिये 24 दिसंबर 2023 तक संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा, अन्यथा संबंधित बैंक द्वारा संबंधित मौसम के लिये स्वीकृत, नवीनीकृत की गई अल्पकालीन कृषि ऋण को अनिवार्य रूप से बीमाकृत किया जायेगा। साथ ही कृषकों को अपना आधार रबी के लिये अंतिम तिथि में अथवा उससे पूर्व अपडेट कराना होगा।

अऋणी किसान को निम्न दस्तावेज देने होंगे फसल लगाने वाले सभी अऋणी किसानों को प्रस्ताव पत्र के साथ नवीनतम आधार कार्ड की कॉपी, नवीनतम भूमि प्रमाण-पत्र (बी-1, पी-2) की कॉपी, बैंक पासबुक के पहले पन्ने की कॉपी जिस पर एकाउंट नंबर, आईएफएससी कोड, बैंक का पता साफ दिख रहा हो, फसल बुवाई प्रमाण-पत्र अथवा प्रस्तावित फसल बोने का आशय का स्वघोषणा पत्र, किसान का वैध मोबाईल नंबर एवं बटाईदार, कास्तकार, साझेदार किसानों के लिये फसल साझा, कास्तकार का घोषणा पत्र इत्यादि दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना मौसम रबी वर्ष 2023-24 के अंतर्गत जिलावार, फसलवार बीमित राशि एवं किसानों द्वारा देय प्रीमियम की राशि निर्धारित की गई है।

जिले के किसानों को चना फसल के लिए बीमित राशि 31 हजार रूपए, किसानों द्वारा प्रति हेक्टेयर हेतु देय प्रीमियम राशि 465 रूपए निर्धारित की गई है। अलसी के लिए बीमित राशि 18 हजार रूपए एवं देय प्रीमियम राशि 270 रूपए, सरसों के लिए बीमित राशि 21 हजार रूपए एवं देय प्रीमियम राशि 315 रूपए, गेहूं सिंचित के लिए बीमित राशि 26 हजार रूपए एवं देय प्रीमियम राशि 390 रूपए, गेहूं असिंचित के लिए बीमित राशि 23 हजार रूपए एवं देय प्रीमियम की राशि 345 रूपये प्रति हेक्टेयर निर्धारित की गई है। किसान खाते से प्रीमियम डेबिट की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर 2023 तक है।

साय के मुख्यमंत्री और साव के उपमुख्यमंत्री घोषित होते ही भाजपा कार्यालय देवरीखुर्द में मना उत्सव

बिलासपुर,11 दिसंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के पूर्व भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री विष्णु देव साय को राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में घोषित किए जाने पर उनके समर्थन में देवरीखुर्द में धूमधाम से जश्न मनाया गया। देवरीखुर्द में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनकी जीत को ढोल-धमाल के साथ उत्सव स्वरूप मनाया। इस दौरान प्रदेश सह कोषाध्यक्ष बी पी सिंह ने भी साय के नेतृत्व में राज्य में नए सुशासन की शुरुआत होने की बात कही।

उन्होंने गाजे-बाजे के साथ थिरकते हुए फटाके फोड़कर और मिठाइयां बाँटते हुए अपनी खुशी का इज़हार किया। कहा हमारे बिलासपुर जिले से अरूण साव जी जो हमारे सांसद भी थे उन्हें उप मुख्यमंत्री चुने जाने से खुशी डबल हो गई है । इस मौके पर देवरीखुर्द के भाजपा कार्यकर्ताओं जबरदस्त जश्न मनाया और गले मिलकर सभी को शुभकामनाएं दी और एक-दूसरे के साथ खुशियों बाटते हुए जमकर आतिशबाजी की। इस अवसर पर बी पी सिंह ने कहा, कि विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सुशासन का नया युग शुरु होगा। हम सभी कार्यकर्ता उनके साथ हैं। साय जी के मुख्यमंत्री बनने से पूरे राज्य में उत्साह का माहौल बना है साय की नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में नए युग की शुरुआत होगी। इस दौरान वार्ड 42 चंद्रशेखर आजाद नगर और वार्ड 43 बंशीलाल नगर के सभी भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

25 छात्रों की हथेली पर गरम तेल मामले की घटना पर न्यायमूर्ति गौतम भादुड़ी ने लिया संज्ञान

बिलासपुर, 11 दिसम्बर (देशबन्धु)।विगत दिनों 09 दिसम्बर को समाचार पत्र में प्रकाशित खबर एवं मीडिया में चल रहे मेसेज एवं टीवी पर दिखाये जा रहे समाचार कि कोंडागाँव जिले के माकड़ी ब्लॉक के केरावाही मिडिल स्कूल के 25 मासूम छात्रों की हथेली पर शिक्षकों के द्वारा बर्बरतापूर्वक रवैया अपनाते हुए छात्रों को सजा देने के नाम पर कड़ाई में उबलते तेल की बून्दे उनके हथेलियों में डालने एवं उन छात्रों के हथेलियों पर फफोले पड़ जाने की घटना पर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (सालसा) के कार्यपालक अध्यक्ष जस्टिस गौतम भादुड़ी के द्वारा संज्ञान लेते हुए सालसा के सदस्य सचिव आनंद प्रकाश वारियाल के माध्यम से तत्काल आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया, तत्पश्चात् सालसा द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कोण्डागांव के जिला न्यायाधींश/अध्यक्ष को जिला प्राधिकरण के सचिव के माध्यम से पीड़ित छात्रों को उनके परिजनों के माध्यम से उनके विधिक अधिकारों की जानकारी प्रदान किये जाने तथा विधिक सहायता, सलाह उपलब्ध कराये जाने तथा शासन की योजना के अनुरूप आर्थिक सहायता हेतु समुचित क्षतिपूर्ति राशि दिलवाये जाने तथा संबंधित दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया, साथ ही प्रथम दृष्टया अपराध प्रकट होने पर दोषियों के विरूद्ध विधि अनुसार उचित अग्रिम कार्यवाही अनिवार्य रूप से किये जाने भी निर्देश दिये गये। इसके अलावा प्रदेश के समस्त जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के माध्यम से स्कूलों, छात्रावासों में बच्चों/छात्रों के प्रति बर्बरतापूर्वक व्यवहार की पुनरावृत्ति न हो, इस हेतु न्यायाधीशों, पैरालीगल वॉलिंटियर्स एवं स्वयं सेवी संस्थाओं के सहयोग से इस संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान करने एवं व्यापक प्रचार-प्रसार किये जाने हेतु निर्देश दिये गये हैं।अवगत हो कि पूर्व में भी सालसा के कार्यपालक अध्यक्ष जस्टिस गौतम भादुड़ी द्वारा जिला कांकेर के एक दत्तक ग्रहण केन्द्र में प्रोग्राम मैनेजर द्वारा एक बच्चे के साथ किये गये बर्बरतापूर्वक पिटाई मामले में प्रकाशित समाचार पर संज्ञान लेते हुए संबंधित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से प्रशासन के सहयोग से तत्काल कार्यवाही की गई थी। इसके अलावा प्रदेश भर के बाल गृह, दत्तक गृह इत्यादि में सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव को प्रत्येक माह भ्रमण किये जाने एवं ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न होने के संबंध में निर्देश प्रसारित किये गये हैं।

दो माह के अंतराल के बाद फिर शुरू हुआ कलेक्टर जनदर्शन

अपर कलेक्टर ने सुनी आम लोगों की समस्याएं

बिलासपुर, 11 दिसम्बर (देशबन्धु)।दो माह के अंतराल के बाद आम जनता से मुलाकात का साप्ताहिक कार्यक्रम जनदर्शन चुनावी आचार संहिता समाप्त होने के बाद आज फिर से शुरू हो गया। कलेक्टर अवनीश शरण के निर्देश पर एडीएम शिवकुमार बनर्जी ने लोगों से भेंट कर उनकी समस्याएं सुनी। जनदर्शन के दिन में बदलाव के कारण 31 लोगों ने अपर कलेक्टर को अपनी विभिन्न समस्याओं के निराकरण को लेकर आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को उनका आवेदन सौंपते हुए समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि साप्ताहिक जनदर्शन अब हर सोमवार को टीएल बैठक के बाद लगभग 12 बजे शुरू होगा। जनदर्शन में आज जिले के आम लोगों के साथ ही बुजुर्ग, महिलाएं एवं ग्रामीण किसान अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए कलेक्टोरेट पहुंचे। इस दौरान लोगों ने व्यक्तिगत एवं सामुहिक मामलों को लेकर आवेदन दिया।

तखतपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत लमेर के श्री मोहनलाल ध्रुव सहित अन्य लोगों ने लमेर से भाड़म आने वाले मार्ग का मुरूमीकरण कराने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि धरसा मार्ग है, जिसमें बड़े-बड़े गड्ढे हो गए। जिससे किसानों को खेती किसानी के लिए खेत तक आने जाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। खासतौर पर बारिश के दिनों में ज्यादा दिक्कत होती है। एडीएम ने संबंधित मामले को तखतपुर सीईओ को सौंपते हुए जल्द निराकरण के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत लमेर के श्री मोहनलाल ध्रुव ने सिंचाई के लिए बोरखनन करवाने की मांग की। उन्होंने बताया कि वे लघु एवं गरीब किसान है। जैविक खेती करना चाहते है। लेकिन सिंचाई के लिए बोरखनन करवाने में सक्षम नहीं है। एडीएम ने सिंचाई विभाग के कार्यपालन अभियंता को इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए है। बिरकोनी निवासी श्रीमती दिव्या कौशिक ने प्राथमिकता राशन कार्ड बनाने आवेदन दिया। इस मामले को खाद्य नियंत्रक देखेंगे। कोटा तहसील के ग्राम पंचायत करवा निवासी श्री महेन्द्र मंहत ने मोटराईन्ड ट्राईसिकल वाहन की मरम्मत करवाने एडीएम से मुलाकात कर आवेदन दिया। एडीएम ने उप संचालक समाज कल्याण को आवश्यक तकनीकी सहयोग प्रदान करने निर्देशित किया। हरदीकला निवासी सेवानिवृत्त औषधालय सेवक श्री शंकर राव आहेर ने सेवानिवृत्ति पश्चात शेष राशि भुगतान करने की मांग की। इस मामले को जिला आयुर्वेद अधिकारी देखेंगे। ग्राम खजुरी नवागांव श्री धर्मेन्द्र ने शौचालय बनवाने आवेदन दिया। एडीएम ने इस मामले को सीईओ जनपद पंचायत तखतपुर को सौंपा है।

आउटसोर्सिंग कंपनियों में वैकल्पिक रोजगार के लिए 6 घण्टे बन्द रहा गेवरा खदान

19 दिसम्बर से परिवार सहित अनिश्चितकालीन खदान बन्दी का ऐलान

कोरबा, 11 दिसंबर (देशबन्धु)। एसईसीएल में नियोजित आउटसोर्सिंग कंपनियों में व्याप्त मनमानी और स्थानीय बेरोजगारों के बजाय अन्यत्र क्षेत्र के लोगों की भर्ती पर रोक लगाते हुये खदान प्रभावितों को रोजगार की मांग कर गेवरा खदान को 6 घण्टे तक बन्द करा दिया गया। इस दौरान मिट्टी खनन और कोयला परिवहन पूरी तरह प्रभावित रहा।

ऊर्जाधानी भूविस्थापित किसान कल्याण समिति द्वारा 5 दिसम्बर को सांकेतिक प्रदर्शन कर सौंपे गए ज्ञापन के आधार पर प्रबंधन के साथ वार्ता हुई थी जिसमें एक सप्ताह में बेरोजगारों की भर्ती शुरू करने का आश्वासन दिया गया था किंतु भर्ती शुरू नहीं होने से नाराज बेरोजगारों ने सोमवार को सुबह 6 बजे खदान में धावा बोलकर मिट्टी उत्खनन और कोयला परिवहन में लगी गाड़ियों को रोक दिया। दोपहर 12 बजे तक चले आंदोलन के बीच गेवरा प्रबन्धन व आउटसोर्सिंग कम्पनियों के अधिकारियों के द्वारा मौके पर पहुंचकर भूविस्थापितों और स्थानीय बेरोजगारों की भर्ती शुरू का आश्वासन दिया गया जिसके उपरांत आंदोलन स्थगित किया गया। आश्वासन के अनुसार भर्ती नहीं लिए जाने पर 19 दिसम्बर से अनिश्चितकालीन खदान बन्द करने की चेतावनी दी गयी है।

आज के आंदोलन में प्रमुख रूप से संतोष दास महंत, ललित महिलांगे, फूलेन्द्र सिंह, शब्बीर मेमन, व्यास नारायण, प्रीतम दास, जयराम दास, दीपक साहू, भूपेंद्र राठौर, भुनेश्वर राठौर, मोहन, आकाश, राजेंद्र कुमार, शिवकुमार पटेल, प्रियांशु सोनी, रमेश पटेल, कालेश्वर पटेल, रामेश्वर पटेल, मनोज पटेल, दीपक केंवट, तिलक सोनी, योगेश, बृजलाल, अश्विनी, लोकेश्वर यादव, ईश्वर सिंह, अनिल, रामानुज, भागवत, अर्जुन, अमित, फिरोज, पवन, सरोज, आनंद, राजन सिंह, बंटी सिंह, भवानी शंकर, लखन, महेंद्र पाल, सनत, खेमराज, लक्ष्मी चौहान सहित सैकड़ों बेरोजगार उपस्थित थे।

झूठा आश्वासन और ग्रामीणों को गुमराह कर रहे

ऊर्जाधानी भू-विस्थापित किसान कल्याण समिति के नेता रुद्र दास महंत सन्तोष ने बताया कि कोयला खदान विस्तार के लिए झूठा आश्वसन देकर किसानों की जमीन लेने के बाद ग्रामीणों को गुमराह कर मकानों का नापी के लिए बाध्य किया जा रहा है। बसाहट के लिए ठोस योजना नहीं बनाई गई है। जमीन के एवज में रोजगार का मामला लटका कर रखा गया है और रोजगार के लिए वैकल्पिक व्यवस्था भी मुहैय्या नहीं कराया जा रहा है जबकि प्रभावित क्षेत्र से बाहर के लोगों की भर्ती जारी है। इस तरह के सभी मामलों में आंदोलन की तैयारी है। बेरोजगारों के द्वारा व्यक्तिगत निवेदन जमा कराया जाएगा और उनके परिवार के सदस्यों के साथ 19 दिसम्बर से अनिश्चितकालीन खदान बन्द आंदोलन की घोषणा है। आगामी आंदोलन में नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों से भी समर्थन की अपील की जाएगी।

55 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त, 16500 रूपये अर्थदण्ड

प्रतिबंधित एवं सिंगल यूज प्लास्टिक पर कार्यवाही

कोरबा, 11 दिसंबर (देशबन्धु)। आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के मार्गदर्शन में नगर निगम के स्वच्छता विभाग द्वारा प्रतिबंधित प्लास्टिक के विक्रेताओं एवं व्यवसायियों पर कार्यवाही की गई। 5 थोक विक्रेताओं पर 16500 रूपये का अर्थदण्ड लगाया गया, साथ ही 55 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक, कैरीबैग व अन्य सामग्री जप्त की गई।

निर्धारित मानक के अनुरूप न होने वाली प्लास्टिक सामग्री से निर्मित कैरीबैग, सिंगल यूज प्लास्टिक,डिस्पोजल आदि प्लास्टिक वस्तुओं के निर्माण, भण्डारण, वितरण एवं उपयोग आदि पर शासन द्वारा प्रतिबंध लगाया गया है। प्रतिबंधित प्लास्टिक कैरीबैग व अन्य सामग्री के उपयोग से एक ओर जहाँ पर्यावरण एवं सफाई व्यवस्था पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर यह मानव स्वास्थ्य व प्राणी मात्र के लिए घातक है। आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने प्रतिबंधित प्लास्टिक के विक्रय, उपयोग पर कार्यवाही करने के निर्देश स्वास्थ्य अधिकारी को दिए हैं। नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी की अगुवाई में निरीक्षकों, कर्मचारियों ने निगम क्षेत्र में कार्यवाही की। इस दौरान सहायक स्वास्थ्य अधिकारी सुनील वर्मा, स्वच्छता निरीक्षक गिरवर विश्वकर्मा, शचीन्द्र थवाईत आदि मौजूद रहे।

0 प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक को उपयोग में न लाएं

आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने आमजन से अपील करते हुए कहा है कि स्वास्थ्य, स्वच्छता व पर्यावरण पर हानिकारक प्रभाव डालने वाले प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक, कैरीबैग, डिस्पोजल आदि का उपयोग न करें। बाजार जाते समय कपड़े से बने थैले को साथ में लेकर जाएं। उन्होने व्यवसायियों, दुकानदारों से कहा है कि वे अपनी दुकानों में प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल यूज से बने कैरीबैग, डिस्पोजल व अन्य सामग्री का विक्रय उपयोग व भण्डारण न करें, इसके स्थान पर वैकल्पिक साधनों को अपनाएं, निगम द्वारा प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक पर कार्यवाही की जा रही है, अतः कार्यवाही से होने वाली असुविधा से बचें, कोरबा को प्लास्टिक फ्री बनाने में अपना सहयोग दें।

सार-संक्षेप

मुख्यमंत्री और विस अध्यक्ष से विधायक लखन ने की भेंट

कोरबा, 11 दिसंबर (देशबन्धु)। कोरबा विधानसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित विधायक लखनलाल देवांगन ने राजधानी रायपुर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए अध्यक्ष डॉ.रमन सिंह से भेंट कर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर विधायक केदार कश्यप, लखनलाल देवांगन के सहयोगी पूर्व एल्डरमैन राधेलाल देवांगन भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भी लखनलाल देवांगन को ऐतिहासिक जीत के लिए शुभकामनाएं दी और कोरबा के संबंध में जानकारी भी ली। श्री देवांगन ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से भेंट करते हुए उनका आशीर्वाद प्राप्त किया और कहा कि उनके मार्गदर्शन में वे कोरबा विधानसभा क्षेत्र का चहुंमुखी विकास करने के लिए सदैव तत्पर हैं।

प्रो.आदिले को डॉ.अंबेडकर नेशनल फैलोशिप अवॉर्ड

कोरबा, 11 दिसंबर (देशबन्धु)। दिल्ली के झड़ौदा गांव के पंचशील आश्रम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय दलित साहित्यकार सम्मेलन में प्राध्यापक प्रो.प्यारेलाल आदिले को डॉ.अंबेडकर नेशनल फेलोशिप अवार्ड 2023 से विभूषित किया गया।

यह सम्मेलन भारतीय दलित साहित्य अकादमी के 39 वां वार्षिक अधिवेशन के रूप में आयोजित हुआ। इसमें देश के सभी राज्य एवं अन्य देश से भी हजारों की संख्या में प्रतिभागियों ने सहभागिता दर्ज कराई। अखिल भारतीय दलित साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ.सोहन पाल सुमनाक्षर रमेश चंद्र रत्न, चेयरमैन यात्री सेवा समिति (पीएससी) रेल मंत्रालय रेलवे बोर्ड,भारत सरकार एवं सत्यनारायण जटिया केंद्रीय मंत्री के हाथों से प्रोफेसर आदिले को सम्मानित किया गया। ग्राम बुढ़ियापाली जैसे छोटे से जनजाति बाहुल्य गांव में जन्मे प्रो. आदिले वर्तमान में जय बूढ़ादेव कला एवं विज्ञान महाविद्यालय कटघोरा में प्राचार्य के पद पर कार्यरत हैं।

नाली की साफ-सफाई में बेरुखी लोगों ने काट दी सड़क

कोरबा, 11 दिसंबर (देशबन्धु)। नगर पालिक निगम अंतर्गत बालकोनगर जोन के भदरापारा से लालघाट जाने वाले रास्ते पर नाली की सफाई नहीं करने से उत्पन्न संकट ने लोगों को इतना परेशान कर दिया कि उन्होंने पानी बहाने के लिए सड़क काट डाली। जल जमाव के कारण संक्रामक बीमारियों के संभावित खतरों को लेकर डरे हुए और परेशान निवासियों ने बालकोनगर जोन कमिश्नर के अलावा डॉयल 1100 को सूचना दी, बावजूद नाली में जमा पानी की निकासी के लिए कोई जतन नहीं किये गए। लगातार उपेक्षा से तंग आकर स्थानीय लोगों ने बालको-रिस्दा मार्ग पर सड़क को बीच से काट दिया है। अब यहां से न केवल गंदा पानी बाहर निकल रहा है बल्कि ज्यादा होने से पूरी सड़क पर फैल रहा है। इसके नतीजन 24 घंटे व्यस्त इस मार्ग पर कई तरह की परेशानियां पेश आ रही हैं।

एड्स के प्रति जागरुक करने संगोष्ठी व रंगोली प्रतियोगिता

कोरबा, 11 दिसंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा एड्स की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु 1 से 15 दिसंबर तक जन जागरूकता प्रचार-प्रसार एवं विभिन्न गतिविधियों को संचालित किया जा रहा है। इस कड़ी में श्री अग्रसेन कन्या महाविद्यालय के समाज कार्य विभाग, रेड रिबन क्लब तथा ग्राम मित्र समाजसेवी संस्था के तत्वाधान में महाविद्यालय में संगोष्ठी एवं रंगोली प्रतियोगिता आयोजित हुई। संगोष्ठी में प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार झा ने कहा कि ऐसे क्षेत्र जहां पर इस लाईलाज बीमारी के संबंध में जागरूकता नहीं है वहां पर विद्यार्थियों की बहुत बड़ी उत्तरदायित्व है कि उन तक जागरूकता फैलाएं। रेड रिबन क्लब अधिकारी गौरी वानखेडे ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रेड रिबन क्लब के द्वारा इस बीमारी के संबंध में समय-समय पर गांव में जागरूकता फैलाई जाती है।

पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ अवश्य दिलवाएं- सौरभ

विकसित भारत संकल्प यात्रा को सफल बनाने अधिकारियों की बैठक

कोरबा, 11 दिसंबर (देशबन्धु)। भारत सरकार द्वारा प्रमुख योजनाओं का लाभ लक्षित लाभार्थियों खासतौर पर वंचित व असंतृप्त लोगों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाने प्रारंभ किए जा रहे विकसित भारत संकल्प यात्रा के आयोजन को लेकर कलेक्टर सौरभ कुमार ने विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। यात्रा प्रारंभ होने से पूर्व आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने योजना के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए निर्देशित किया कि यात्रा के दौरान योजनाओं की जानकारी जनसामान्य को दी जाए और पात्र हितग्राहियों को आवश्यकतानुसार योजनाओं से लाभान्वित किया जाए। उन्होंने यात्रा हेतु रूट चार्ट तैयार करने और प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विकसित भारत संकल्प यात्रा के आयोजन के संबंध में कलेक्टर ने बैठक में निर्देशित किया कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में निर्धारित रूट के अनुसार कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। उन्होंने कार्यक्रम में जनभागीदारी गतिविधि, ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय स्तर पर समिति का निर्माण, स्थानीय हितग्राहियों को आमंत्रण, सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारी, स्व-सहायता समूह, ग्राम संगठन का मोबलाइजेशन, कृषि गतिविधियों पर सत्र का आयोजन, प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत करना, योजनाओं के सफल लाभार्थियों द्वारा अनुभव साझा करना तथा पोर्टल में जानकारी अपलोड कराने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में नगर पालिक निगम आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप, अपर कलेक्टर प्रदीप साहू, दिनेश नाग सहित विभागीय अधिकारी जनपद सीईओ, नगरीय निकाय के सीएमओ उपस्थित थे।

डीएमसी पर लगा धांधली का आरोप, प्रशिक्षक भर्ती के नाम पर घपला

कोरबा, 11 दिसंबर (देशबन्धु)। एनएसयूआई जिला कोरबा के जिला महासचिव जुनैद मेमन ने जिले के डीएमसी मनोज पांडेय पर कराते ट्रेनिंग के नाम भर्ती में धांधली का आरोप लगाया है। डीएमसी द्वारा की गई धांधली की जांच की माँग की गई है। पूर्व डीएमसी संजय सिंह के विरुद्ध भी विद्यालयों में गुणवत्ताविहीन प्रोजेक्टर, खेल सामग्री, वितरण की जाँच, मेडिकल छुट्टी के समय पर कमीशन लेकर चेक काटने की जाँच करने एव दोषी पाये जाने पर कार्यवाही करने की माँग को लेकर जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा गया है।

एनएसयूआई जिला महासचिव जुनैद मेमन ने बताया कि कोरबा जिले में पदस्थ डीएमसी मनोज पांडेय पर कोरिया जिले में पोस्टिंग के दौरान भी भ्रष्टाचार का आरोप लगा है और कोरबा जिले में आते ही यहां भी अपने भ्रष्टाचार के कार्यों को अंजाम देना प्रारंभ कर दिए हैं। इनके द्वारा कराटे प्रशिक्षक भर्ती मामले में नियम-कायदों को ताक में रखकर भर्ती किया एवं सिर्फ और सिर्फ कमीशनखोरी को अंजाम देने की कोशिश की गई है। इस मामले की जांच एवं कार्यवाही के लिए पत्र सौपा एवं साथ ही पूर्व में रहे डीएमसी संजय सिंह द्वारा भी चुनाव से ठीक पहले कमीशन के चक्कर में पहले गुणवत्ताविहीन प्रोजेक्टर, खेल सामग्री वितरण करवाया फिर मेडिकल छुट्टी पर चले गये। और तो और मेडिकल छुट्टी के दौरान चेक भी काट दिए। वितरण किए गए सामान धूल खा रहे हैं या खराब होकर फेंका चुके हैं। इन सभी मामलो को लेकर जिलाधीश से ब्लॉक अध्यक्ष बबलू मरवा, धनंजय साहू, रोहित सिंह राजपुत, रजनीश शर्मा, अमित सिंह, संदीप सिंह, अर्जुन सिंह ने मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा।

शूटिंग स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में श्रुति का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

कोरबा, 11 दिसंबर (देशबन्धु)। कोरबा से शूटिंग स्पोर्ट्स की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी श्रुति यादव ने छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए 19 नवंबर से 9 दिसंबर तक भोपाल में आयोजित 66वीं राष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में भाग लिया। उन्होंने तीन स्पर्धाओं में भाग लेकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। 10 मीटर शूटिंग खेलों में भारतीय टीम ट्रायल के लिए क्वालीफाई से पहले भी 5 बार उन्होंने भारतीय टीम ट्रायल के लिए क्वालीफाई किया और अभी भी उन्हें विश्व शूटिंग चैंपियनशिप और ओलंपिक खेलों के लिए भारतीय शूटिंग टीम का हिस्सा बनने की उम्मीद है। इसके साथ ही साथ वह 50 मीटर फ्री पिस्टल शूटिंग स्पर्धा में भाग लेने वाली छत्तीसगढ़ की पहली महिला खिलाड़ी बन गईं और विख्यात निशानेबाज की श्रेणी में आने वाली पहली खिलाड़ी निशानेबाज बन गईं। पिछले साल वह कुछ छोटी-मोटी खेल चोटों से जूझ रही थीं, चोटों से उबरने के बाद इस साल उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। राष्ट्रीय खेलों से पहले उन्होंने ईस्ट जोन शूटिंग चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता और ऑल इंडिया शूटिंग चैंपियनशिप में 8वीं रैंकिंग हासिल की। राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप में विभिन्न राज्यों से लगभग 8 हजार खिलाड़ियों ने भाग लिया।

स्वामी आत्मानंद स्कूल पंप हाउस ने फिर लहराया परचम

कोरबा, 11 दिसंबर (देशबन्धु)। विकासखंड कोरबा का एकमात्र सरकारी सीबीएसई अंग्रेजी माध्यम विद्यालय स्वामी आत्मानंद पंप हाउस के विद्यार्थियों ने पुनः इस सत्र में भी थिंक यू द्वारा आयोजित नेवी क्विज के प्रथम राउंड में जीत दर्ज की थी। साथ ही सीबीएसई द्वारा प्रतिष्ठित हेरिटेज इंडिया क्विज कम्पीटीशन में क्वालिफाई राउंड में जीत दर्ज की है। अंकित साहू, अंजना विश्वकर्मा,आदित्य साहू ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। प्रतियोगिता का क्लस्टर राउंड साई इंटरनेशनल स्कूल भुवनेश्वर में 15 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा,जिसमें हिस्सा लेने के लिए उक्त विद्यार्थी शिक्षिका जिम्स जेसयूट कश्यप के साथ भुवनेश्वर के लिए 12 दिसंबर को रवाना होंगे। प्राचार्य विवेक लांडे सहित समस्त विद्यालय परिवार शाला विकास एवं प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एस मूर्ति एवं सदस्यों ने उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

कोरबा में होने लगा आधुनिक तकनीक से सम्पूर्ण जोड़ प्रत्यारोपाण

एनकेएच में अब तक 100 से अधिक मरीज हो चुके हैं लाभान्वित

कोरबा, 11 दिसंबर (देशबन्धु)। जोड़ प्रत्यारोपण जैसे जटिल ऑपरेशन की सुविधा अब कोरबा में भी शुरू हो चुकी है। आधुनिकतम तकनीकी से सम्पूर्ण जोड़ प्रत्यारोपण की सुविधा ने एनकेएच में आने वाले मरीजों को जीवनदान दिया है।

इन्हीं में शामिल एक मरीज जितेंद्र बघेल 62 वर्ष ग्राम अजगरबहार को विगत 1 साल से दाहिने कूल्हे में दर्द के कारण बहुत परेशानी हो रही थी। उन्हें इतना अत्यधिक दर्द था कि लंगड़ा कर चलने के लिए मजबूर थे। इस तकलीफ के करीब 9 साल पहले इसी स्थिति में मरीज जितेन्द्र बघेल बाएं कूल्हे के दर्द की परेशानी से पीड़ित थे। तब उनके बाएं कूल्हे में खून की सप्लाई नहीं हो पा रही थी जिसे एवस्कुलर नेक्रोसिस कहते हैं। इसी की वजह से उनके बाएं कूल्हे का सम्पूर्ण जोड़ प्रत्यारोपण किया गया था। उसके बाद से मरीज को चलने में या किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं हुई परंतु विगत 1 वर्ष से जितेंद्र को दाहिने कूल्हे

में दर्द से परेशानी होने लगी तब वह पुनः एनकेएच कोरबा में ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. एस चंदानी से मिलकर सलाह लिए। आवश्यक चिकित्सकीय परीक्षण के बाद उनको दाएं कूल्हे के सम्पूर्ण जोड़ प्रत्यारोपाण के लिए सुझाव दिया गया।

एनकेएच में मरीज जितेंद्र अपने विगत सर्जरी के विश्वास के कारण इस बार भी तुरंत इस सर्जरी के लिए सहमत हो गए। मरीज को ब्लड प्रेशर की भी परेशानी थी। डॉक्टरों ने उनका बीपी नॉर्मल होने का इंतजार किया तथा फिजिशियन डॉ.अविनाश तिवारी व डॉ. रोहित मजूमदार से फिटनेस तथा पीएसी के बाद ही मरीज के भर्ती दिवस के दो दिन उपरांत सम्पूर्ण जोड़ प्रत्यारोपण किया गया। इसके पश्चात् मरीज का फिजियोथेरेपी चालू किया गया और धीरे-धीरे सर्जरी के चौथे दिन सहारा देकर उन्हें चलाया-फिराया गया। सम्पूर्ण उपचार के बाद मरीज को छुट्टी दे दी गई। छुट्टी के 10 दिन बाद जब मरीज रूटीन चेकअप के लिए अस्पताल आए तब पूरी तरह खुद से चल कर आए। अब जितेंद्र को चलने में कोई परेशानी नहीं है व पूर्ण रूप से स्वस्थ हैं और अपनी दैनिक दिनचर्या पूरी कर रहे हैं। जितेंद्र और उनके परिजनों ने दो-दो बार सफल जोड़ प्रत्यारोपण कर तकलीफ से छुटकारा दिलाने के लिए एनकेएच के चिकित्सकों के प्रति आभार जताया है।

कारागृह बंदियों के जीवन में सुधार लाने के लिए तपोस्थल है-भगवान भाई

उप जेल के कैदियों को मिला कर्म, गति और व्यवहार शुद्धि का उपदेश

कोरबा,-कटघोरा 11 दिसंबर (देशबन्धु)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के माउंट आबू राजस्थान से आए ब्रह्मकुमार भगवान भाई ने कटघोरा उपजेल में निरुद्ध कैदियों को कर्म, गति और व्यवहार शुद्धि विषय उपदेश दिया।

कैदियों के मन पर पड़े बुरे प्रभाव की शुद्धि के लिए आयोजित कार्यक्रम में ब्रम्हकुमार भगवान ने कहा कि यह कारागृह नहीं, बल्कि सुधारगृह है। इसमें आपको स्वयं में सुधार लाने हेतु रखा हुआ है, शिक्षा देने हेतु नहीं। इस कारागृह को संस्कार परिवर्तन का केंद्र बना लो। इसमें एक-दूसरे से बदला लेने की बजाय स्वयं को बदलना है। बदला लेने से समस्या और ही बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि कारागृह के इस एकांत स्थान पर बैठकर स्वयं को परिवर्तन करने के लिए सोचो कि मैं इस संसार में क्यों आया हूं? मेरे जीवन का उद्देश्य क्या हैं, मुझे परमात्मा ने किस उद्देश्य से यहां भेजा है? मैं यहां आकर क्या कर रहा हूं? ऐसी बातों का चिंतन करने से संस्कार, व्यवहार परिवर्तन होगा। यह कारागृह आपके जीवन को सुधार लाने हेतु तपोस्थल है। जिस भूल के कारण हम यहां आये हैं उस भूल या बुराईयों दूर करना है। जीवन में परिवर्तन लाकर श्रेष्ठ चरित्रवान बनने का लक्ष्य रखना है तब कारागार सुधारगृह साबित होगा। उन्होंने कहा कि बदला लेने वाला दूसरों को दुःख देने से पहले अपने आप को दुःख देता है। अधिवक्ता बीके शेखर राम ने बंदियों को ब्रम्हकुमार भगवान का परिचय बताते हुए कहा कि 800 से अधिक कारागृह में कार्यक्रम करने के कारण इनका नाम इण्डिया बुक ऑफ रिकार्ड में दर्ज है। इनकी बातों को जीवन में प्रयोग करने से बुरी आदतों को छोड़ दोगे और जेल से छूटने के बाद अच्छे नागरिक की तरह जीवन यापन करोगे। प्रभारी जेलर द्वारिका प्रसाद चतुर्वेदी ने कहा कि आप जैसा सोचोगे वैसा ही बन जाओगे। अतः हमें सदैव अच्छा सोचना चाहिए तथा बुरी आदत को छोड़ देना चाहिए। कार्यक्रम में बीके गायत्री, रामकुमार यादव, आशा कुमारी, शैलेंद्र केला, संतोष नेताम प्रहरी, चांपा ब्रह्माकुमारीज राजयोग सेवाकेंद्र की प्रभारी बीके रचना आदि भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की वर्चुअल रूप से विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ

जिले के कृषि विज्ञान केन्द्र में वर्चुअल कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रधानमंत्री ने किया भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से संवाद

बलरामपुर 11 दिसंबर (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 09 दिसम्बर को वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से विकसित भारत संकल्प यात्रा की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने वर्चुअल माध्यम से देश के विभिन्न क्षेत्रों में विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से संवाद भी किया। जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन जिले के कृषि विज्ञान केंद्र बलरामपुर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत उपाध्यक्ष बलरामपुर श्री भानुप्रकाश दीक्षित, गणमान्य नागरिक, एवं सबंधित अधिकारी-कर्मचारी व आमनागरिक एवं कृषकगण वर्चुअल रूप से कार्यक्रम से जुड़े रहे। विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे देश में विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जा रही है। जिसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकार की प्रमुख योजनाओं का पूर्ण लाभ सभी लक्षित लाभार्थियों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा ऐसे लोगों तक पहुंचने का बहुत बड़ा माध्यम बनी है, जिससे लोगों को कम समय में ही विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने नमो ड्रोन दीदी के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि यह योजना आगामी समय में कृषि व महिलाओं के सशक्तिकरण के क्षेत्र में अपनी अहम भूमिका निभाएगा।

ड्रोन के माध्यम से उन्नत कृषि व आधुनिकीकरण को बढ़ावा दिया जाएगा तथा ड्रोन के संचालन से महिलाएं स्वयं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगी। इस दौरान उन्होंने फिट इंडिया मुवमेंट के संबंध में भी चर्चा की और सभी वर्ग के लोगो को फिट रहने प्रोत्साहित किया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में जनपद उपाध्यक्ष श्री भानुप्रकाश दीक्षित ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार के द्वारा प्रत्येक आयु वर्ग के व्यक्तियों को योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। केंद्र सरकार की योजनाएं धरातल तक पहुंच रहीं हैं। हमारा देश अभी की स्थिति में विकासशील देशों की सूची में आता है परन्तु अब हमें मिलकर अपने देश को विकसित बनाना है।

उन्होंने कहा कि हमारे जिले में भी शीघ्र ही योजना का रथ भ्रमण पर निकलेगा और जिलेवासियों तक समस्त विभाग के समस्त योजनाओं की जानकारी पहुंचायी जाएगी। कार्यक्रम में उपसंचालक कृषि ने उपस्थित किसानों को उन्नत कृषि व फसल बीमा योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी और लाभ लेने प्रेरित किया।

क्रियान्वयन समिति का गठन

कोरिया 11 दिसंबर (देशबन्धु)। जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा के समुचित क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर एवं जिलादण्डाधिकारी श्री विनय कुमार लंगेह ने जिला एवं ग्राम पंचायत स्तरीय समिति का गठन किया है। विकसित भारत संकल्प यात्रा के कलेक्टर अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को सदस्य सचिव होंगे।

जिला स्तरीय समिति में वनमण्डलाधिकारी, अपर कलेक्टर, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बैकुण्ठपुर/सोनहत, महाप्रबंधक एस.ई.सी.एल., मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, उप संचालक कृषि/पशुपालन/मत्स्य पालन, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग, खाद्य अधिकारी, सहायक पंजीयक सहकारिता, श्रम विभाग, अग्रणी बैंक (लीड बैंक) अधिकारी तथा जनसम्पर्क अधिकारी को सदस्य बनाया गया है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, पटवारी, आंगनवाडी कार्यकर्ता, मितानिन/आषा कार्यकर्ता, प्राचार्य/प्रधानपाठक पंचायत मुख्यालय, ग्रामीण कृषि एवं ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी, सहकारिता निरीक्षक तथा वन रक्षक को ग्राम पंचायत स्तरीय समिति में रखा गया है। कलेक्अर श्री लंगेह ने उक्त समिति को विकसित भारत संकल्प यात्रा के संबंध में भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देष दिए है।

कलेक्टर एवं जिलादण्डाधिकारी श्री विनय कुमार लंगेह ने जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा के समुचित क्रियान्वयन हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डा. आशुतोष चतुर्वेदी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। डॉ. चतुर्वेदी विकसित भारत संकल्प यात्रा के क्रियान्वयन हेतु समस्त विभागों से समन्वय स्थापित करते हुए समय-समय पर प्राप्त निर्देशों के अनुरूप क्रियान्वयन सुनिश्चित करायेंगे।

सार-संक्षेप

सीईओ ने ग्राम पंचायत मंगारी पहुंचकर विभिन्न कार्यों का किया निरीक्षण

अम्बिकापुर 11 दिसंबर (देशबन्धु)। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री नूतन कुमार कंवर सोमवार को जनपद पंचायत बतौली के ग्राम पंचायत मंगारी में विभिन्न कार्यों का जायजा लेने औचक निरीक्षण पर पहुंचे। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री नूतन सबसे पहले ग्राम पंचायत भवन पहुंचे, व्यवस्थाओं की जांच कर उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने विभिन्न योजनाओं का निरीक्षण किया, जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, नलजल योजना एवं मनरेगा अंतर्गत कार्यों की प्रगति की जांच की गई। उन्होंने कहा कि सभी अधूरे कार्य जल्द पूरे कर लिए जाएं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वयं राजमिस्त्रियों से बातचीत कर कहा कि आवास निर्माण का कार्य समय सीमा में पूर्ण कर लिया जाए, शीघ्र प्रगति लाने उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देशित किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत हितग्राही लक्ष्मनिया बाई के निर्माणाधीन घर पहुंचकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच की। वर्ष 2020-21 में स्वीकृत हितग्राही लक्ष्मणिया के निर्माणाधीन आवास में कार्य प्रगति पर है। सीईओ जिला पंचायत ने शीघ्रता से काम पूर्ण किए जाने और अंतिम किस्त जारी किए जाने अधिकारियों को निर्देशित किया।

विष्णुदेव के सीएम बनने पर भाजपा नेताओं में खुशी की लहर

कोरिया 11 दिसंबर (देशबन्धु)। बैकुंठपुर मुख्यालय के अंतर्गत भाजपा जिला उपाध्यक्ष कोरिया शैलेश शिवहरे के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के प्रथम आदिवासी विष्णु देव साय को मुख्यमंत्री बनने पर घड़ी चौक में ढोल नगाड़े के साथ आतिशबाजी एवं मीठा खिलाकर भाजपाइयों ने खुशियां मनाई। इस अवसर पर डॉ राकेश शर्मा, महेंद्र वैध, विपिन बिहारी जायसवाल, सुभाष साहू, मुसाफिर सिंह, समीर जायसवाल, अभय दुबे, घनश्याम साहू, दीपक साहू, मुस्तकीम बल्लू, अनिल खटीक, बृजलाल, आशीष यादव, अनिल राजवाड़े, संतोष राजवाड़े, इरफान, लल्ला यादव, अखिलेश साहू आदेश सिंह, साजिद, खान बबलू महाजन, नेमा सर, योगेश काशी, महेंद्र प्रताप सिंह, ऋषि शिवहरे पप्पू साहू, सुमित गुप्ता, मुकेश सोनी, मनोज सोनी, शमसुद्दीन सिद्दीकी, मिंकु सोनी, आशीष शुक्ला, पंकज गुप्ता, माया सोनवानी, पिंटू सरदार, अर्पित जायसवाल, बिट्टू मिश्रा, योगेश काशी,सुनील सिंह, अमन गुप्ता एवं शहर के समस्त गणमान्य नागरिक एवं भाजपाई उपस्थित रहे।

दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में मनाया गया भारतीय भाषा उत्सव

मनेंद्रगढ़ 11 दिसंबर (देशबन्धु)। भारतीय साहित्य के पुरोधा, स्वतंत्रता सेनानी व राष्ट्रवादी महाकवि भारतियार सुब्रमन्य भारती के जन्मोत्सव पर शहर के सुप्रसिद्ध दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में भारतीय भाषा उत्सव मनाया गया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ.बसन्त तिवारी द्वारा महाकवि तथा माता सरस्वती की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। कार्यक्रम के विषय वस्तु को मद्देनजर रखते हुए विद्यालय के छात्र- छात्राओं ने भारतीय राज्यों के विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में गायन, नृत्य, भजन, एकल प्रस्तुति इत्यादि में मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। छात्र-छात्राओं के गुजराती, राजस्थानी, बांग्ला, मराठी, कन्नड, तमिल, मलयालम, मैथिली इत्यादि भाषाओं के एक ही मंच पर संयोजन ने संपूर्ण एकीकृत भारत के वास्तविक स्वरूप का अहसास कराया।प्राचार्य डॉ. तिवारी ने भाषा के समन्वय के साथ साथ जिंदगी के हर पहलू के आपस में समन्वय करने को सफलता का मंत्र बताते हुए कार्यक्रम की समाप्ति की।

235 बोरी अवैध धान खपाने का प्रयास करते दो कोचियों पर हुई कार्रवाई

अब तक 6 प्रकरणों में 1000 क्विंटल से ज्यादा अवैध धान जब्त

अम्बिकापुर 11 दिसंबर (देशबन्धु)। खरीफ विपणन सीजन 2023-24 के तहत जिले में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की जा रही है। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के निर्देश पर जिले में धान खरीदी के लिए सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने सहित धान खरीदी की निरंतर जांच की जा रही है। जिले में अवैध धान परिवहन और भंडारण पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। धान खरीदी शुरू होते ही कोचिए बिचौलियों पर प्रशासन कड़ी नजर रखे हुए है। कलेक्टर श्री कुंदन के निर्देशानुसार अधिकारी फील्ड पर उतरकर उपार्जन केंद्रों में जाकर स्वयं जांच कर रहे हैं। प्रशासनिक टीम द्वारा अवैध धान खरीदी, भण्डारण, परिवहन करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में सोमवार को केदमा समिति में दो किसानों का 235 बोरा अवैध धान खपाते हुए जब्त किया गया। जिसमें जांच के दौरान पाया गया कि कोचिए सोमारू द्वारा 64 क्विंटल धान एवं रामप्रसाद द्वारा 30 क्विंटल अवैध धान खपाने लाया गया था। मौके पर पंचनामा तैयार कर धान जब्त कर लिया गया। इस दौरान नायब तहसीलदार श्री आकाश गौतम, खाद्य निरीक्षक श्री सतपाल सिंह तथा आरएईओ श्री राधाकृष्ण मौजूद थे। जिला खाद्य अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में अब तक 6 प्रकरण में 1058 क्विंटल अवैध धान जप्त कर कार्रवाई की गई है।

भण्डारण पर की गई कार्यवाही

शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 223-24 के लिए `1 नवम्बर 223 से धान खरीदी की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का ने सभी निगरानी दलों, नोडल तथा राजस्व अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये हैं कि धान के अवैध परिवहन एवं संग्रहण पर लगातार कार्यवाही हो तथा वास्तविक कृषकों से ही धान खरीदी की जाये। उपार्जन केन्द्रों में कृषकों के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं हो ताकि वे सुगमता से धान का विक्रय कर पाये। कलेक्टर श्री एक्का के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रामानुजगंज के मार्गदर्शन में तहसीलदार रामानुजगंज श्री विष्णु गुप्ता के द्वारा ग्राम विजयनगर के निवासी अली मोहम्मद एवं शमीम के द्वारा अवैध रूप से भण्डारित लगभग 265 बोरी धान जब्त किया गया है। जांच में पाया गया कि अली मोहम्मद के द्वारा 65 बोरी धान अवैध रूप से दूसरे राज्य से लाकर अपने घर में भण्डारित किया गया था। इसी प्रकार शमीम के द्वारा भी 2 बोरी अवैध धान दूसरे राज्य लाकर व कोचियों से खरीदकर अपने घर में भण्डारित किया गया था। तहसीलदार श्री गुप्ता ने दोनों व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से भण्डारित किये गए 265 बोरी धान को जब्त कर कार्यवाही की है। ज्ञातव्य है कि कलेक्टर श्री एक्का ने जिले में अवैध धान की आवक को रोकने के लिए टीम गठित कर कोचियों एवं बिचौलियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं। साथ ही नागरिकों से अपील की है कि धान खरीदी में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि तथा अनियमितता होने पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं, जिसमें शिकायतकर्ता की जानकारी पूर्ण रूप से गोपनीय रखी जाएगी।

इस बार छत्तीसगढ़ की कमान जमीन से जुड़े नेता विष्णुसाय को

रायगढ़ 11 दिसंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के बाद पार्टी ने मुख्यमंत्री के नाम का एलान कर दिया है। प्रदेश के आदिवास नेता और पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री होंगे। भाजपा विधायक दल की बैठक में इनके नाम का ऐलान किया गया। विष्णुदेव साय प्रदेश के चैथे मुख्यमंत्री होंगे।

विष्णुदेव राय छत्तीसगढ़ की कुनकुरी इलाके के कांसाबेल से लगे बगिया गांव के रहने वाले मूलत: किसान हैं। राज्य में आदिवासी समुराय की आबादी सबसे अधिक है और वे इसी समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनकी गिनती रमन सिंह के करीबी लोगों में होती है। 1989 में अपने गांव बगिया से पंच पद से राजनीतिक जीवन की शुरुआत करने वाले विष्णुदेव साय 1990 में निर्विरोध सरपंच निर्वाचित हुए थे। इसके बाद तपकरा से विधायक चुनकर 1990 से 1998 तक वे मध्यप्रदेश विधानसभा के सदस्य रहे। इसके बाद 1999 में वे 13 वीं लोकसभा के लिए रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद इसके बाद भाजपा ने उन्हें 2006 में पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। इसके बाद 2009 में 15 वीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव में वे रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र से फिर से सांसद बने। इसके बाद 2014 में 16 वीं लोकसभा के लिए वे फिर से रायगढ़ से सांसद बने। इस बार केंद्र में मोदी की सरकार ने उन्हें केंद्रीय राज्यमंत्री, इस्पात खान, श्रम, रोजगार मंत्रालय बनाया। वे 27 मई 2014 से 2019 तक इस पद पर रहे। पार्टी ने 2 दिसंबर 2022 को उन्हें राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य और विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया। इसके बाद विष्णुदेव साय 8 जुलाई 2023 को भाजपा ने राष्ट्रीय कार्यसमिति का सदस्य बनाया। विष्णुदेव साय 2020 में भी बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं। सांसद और केंद्रीय मंत्री भी रहे हैं। संघ के करीबी नेताओं में उनकी गिनती होती है। विष्णुदेव साय की इसी मजबूत प्रोफाइल की वजह से उन्हें पार्टी ने सबसे बड़ा पद दिया है।

खराब मौसम के बावजूद खिलाड़ियों ने लहराया परचम

रायगढ़ 11 दिसंबर (देशबन्धु)। चाहे प्रतियोगिता कोई भी हो, भले ही मौसम क्यों न बदल जाए, शासकीय महाविद्यालय जोबी से राज्य स्तरीय प्रतिस्पर्धा के लिए चयनित खिलाड़ियों ने यह साबित कर दिखाया है कि उनकी कमाई हुई मेहनत से वे दौड़, जैवलिन और तवा फेंक स्पर्धाओं में संघर्ष का पूरा माद्दा रखते हैं।

शहीद वीर नारायण सिंह शासकीय महाविद्यालय जोबी-बर्रा में इन दोनों खिलाड़ियों को लेकर विशेष उत्साह बना हुआ है। उनकी तेज गति, स्थिरता और स्थायीता को देखकर महाविद्यालय के खेल प्रशासन ने उन्हें अगले स्तर पर उत्कृष्ट स्थान दिलाने के लिए विशेष तौर पर तैयार करने का निर्णय लिया है। सेक्टर स्तरीय हालिया प्रतियोगिता में सर्वोच्च स्थान से महज एक कदम से पीछे रहे जोबी के खिलाड़ियों के लिए अब अगला लक्ष्य राज्य स्तर के पहले पायदान पर चढ़ना है।

उल्लेखनीय है कि गुरूवार 07 दिसम्बर को सेक्टर स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में प्राचार्य रविन्द्र कुमार थवाईत के निर्देशानुसार जोबी कॉलेज के खिलाड़ियों ने भाग लिया और अपनी मेहनत, उत्साह व उन्नति के साथ महाविद्यालय को गर्वित किया।

महिला मोर्चा ने मोदी सरकार की जीत के लिए कमर कसी

रायगढ़ 11 दिसंबर (देशबन्धु)। भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष शोभा शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि महिला मोर्चा की जिला इकाई से जुड़े पदाधिकारियों ने विधान सभा प्रत्याशी ओपी चैधरी के लिए घर घर जनसंपर्क कर मोदी की गारंटी को आम जनता तक पहुंचाने का काम बड़ी संजीदगी से किया है यही वजह है कि रायगढ़ विधान सभा में पहली बार भाजपा को बड़ी जीत मिली है।

महिला मोर्चा अध्यक्षा शोभा शर्मा ने कहा महतारी वंदन योजना में प्रदेश में कांग्रेस सरकार की बिदाई तय की है। पहली बार महिलाओ ने मतदान में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया है यही वजह है कि प्रदेश में भूपेश सरकार की विदाई हो सकी। नगर मंडल अध्यक्ष मेहरूनीषा ने भी कहा भूपेश सरकार द्वारा घर घर शराब बेचे जाने की वजह से महिलाए परेशान थी। बढ़ती शराब खोरी की वजह से महिलाओ को घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ रहा था ।भूपेश सरकार ने शराब बंदी की आड़ में शराब घोटाले को अंजाम दिया। यही वजह है कि महिलाओ में भूपेश सरकार की खिलाफ मतदान किया।

मोर्चा अध्यक्षा शोभा शर्मा ने कहा विधान सभा जीत के तत्काल बाद ही लोकसभा चुनाव के मद्देनजर महिला मोर्चा की टीम मोदी सरकार की हैट्रिक के लिए मन प्राण से तैयारियो में जुट गई ।प्रदेश अध्यक्षा शालिनी राजपूत एवम प्रभारी मंजू सिंग के कुशल मार्गदर्शन पर प्रत्येक वार्ड के प्रत्येक बूथ कमल सखी का गठन किया जा रहा है। इस कार्य के लिए महिला मोर्चा ने कमर कस ली है। रायगढ़ के 48 वार्डो में 6 वार्डो में कमल सखी का गठन की तैयारियों का जायजा लिया गया।

नगरीय क्षेत्रों में साफ-सफाई के साथ स्वच्छता के लिए लोगों से की जा रही अपील

अम्बिकापुर 11 दिसंबर (देशबन्धु)। कलेक्टर श्री कुंदन कुमार के निर्देश पर नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक कुमार के मार्गदर्शन में शहरी व्यवस्था को सुदृढ करने हेतु विशेष सफाई अभियान की शुरुआत की गई है । कलेक्टर श्री कुंदन ने गत दिनों स्वयं नगर भ्रमण कर नगरीय व्यवस्था का मुआयना कर अधिकारियों को व्यवस्था सुधारने निर्देशित किया था।

नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक ने सफाई विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों की बैठक लेकर नगर में विशेष सफाई अभियान के निर्देश दिए। जिसके पश्चात अभियान के अंतर्गत सभी वार्डों में गैंग लगाकर नाली-नाले की सफाई के साथ- साथ सड़को, वार्डो एवम खुले प्लॉट में सघन सफाई का कार्य जारी है। उड़नदस्ता टीम द्वारा बीते दिनों शहर में अतिक्रमण हटाने की प्रभावी कार्रवाई की गई है। अब इसी कड़ी में स्वच्छता टीम द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर सार्वजनिक नालियों की सफाई की जा रही है। इसके साथ ही नालियों एवं सड़को पर आदतन कचरा फेकने वालों को समझाइश देते हुए जुर्माना की कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में सोमवार को जिला अस्पताल, मुखर्जी गली, महामाया मंदिर चौक क्षेत्र में विशेष अभियान चलाते हुए सफाई की गई तथा लोगों से इस अभियान में सहयोग करते हुए नगर को स्वच्छ बनाने में अपनी अहम भूमिका अदा करने की अपील की गई है।

शौचालयों की ग्रेडिंग शुरू

मनेंद्रगढ़ 11 दिसंबर (देशबन्धु)। नपाध्यक्ष प्रभा पटेल के मार्गदर्शन एवम मुख्य नगर पालिका अधिकारी इसहाक खान के नेतृत्व में निकाय के सभी शौचालयों का ग्रेडिंग किया जा रहा है। नोडल अधिकारी पवन कुमार साहू ने बताया कि कैंपेन के तहत एनयूएलएम के स्व सहायता समूह के माध्यम से शासन द्वारा तय किए गए मानकों के आधार पर यह ग्रेडिंग निकाय के समस्त सार्वजनिक सह सामुदायिक शौचालयों के साथ ही शहर के सभी पेट्रोल पंप के शौचालयों की भी ग्रेडिंग की जा रही है। स्वच्छता प्रभारी विजय मिश्रा द्वारा कैंपेन के बारे में बताया गया कि यह कैंपेन 25 दिसंबर तक चलाया जा रहा है। इसमें सभी शौचालयों की बुनियादी सुविधाओं पर अधिक बल देते हुए ग्रेडिंग की जा रही है। विदित हो कि यह निरीक्षण स्वच्छता प्रभारी सहयोगी विनोद चतुर्वेदी, सुलभ शौचालय के संचालक विनय झा के सहयोग से एनयूएलएम की सीओ कविता जायसवाल, संगम क्षेत्र स्तरीय संघ की श्रीमति रेहा शबनूर, शमा परवीन, नाजनीन, ममता देवांगन, श्रीमति कशिश, मालती देवी के द्वारा किया जा रहा है।

सार-संक्षेप

विष्णु देव के मुख्यमंत्री बनने के बाद बढी रेल लाइन की आस

सारंगढ़ 11 दिसंबर (देशबन्धु)। रायगढ लोकसभा से सासंद व केन्द्रीय राज्यमंत्री रहे विष्णु देव साय जो भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का भी उत्तरदायित्व निभा चूके हैं को विधायक दल का नेता चुनते हुए मुख्यमंत्री बनाए जाने से सारंगढ क्षेत्र में खुशी की लहर दौड गई और सारंगढ के भारत माता चौंक,टेंगनापाली इत्यादि में प्रमुख भाजपाइयों द्वारा नाचते झूमते आतिशबाजी करते खुशियां मनाई गई लाजिमी हो कि सारंगढ़ के कई नागरिकों के विष्णुदेव साय से व्यक्तिगत सम्बंध हैं जिसके कारण सारंगढ में रेल लाइन आने की आस बढ गई है क्योंकि विष्णु देव साय पूर्व में जब सासंद थे उसी समय बलौदाबाजार सारंगढ झारसुगुड़ा रेल लाइन के स्वीकृति के बाद इसका टेण्डर भी जारी हो गया था परंतु बाद में यह प्रोजेक्ट ठण्डे बस्ते में चला गया और इसका कारण राज्य सरकार के द्वारा अपना चालिस प्रतिशत अशंदान जमा नहीं करना भी बताया जा रहा था परंतु अब राज्य में भी भाजपा और केंद्र में भी भाजपा के सरकार होने के कारण अब यह आशंदान वाली लडाई का अतं होकर रेल लाईन के शीघ्र शुरू होने की आस क्षेत्रवासी लगा रहे हैं तथा इसके सम्बंधित चर्चाओं का दौर सारंगढ कहा कई वाट्सएप ग्रुपों में भी बडे जोरों से जारी है परन्तु आगे क्या होगा और सरकार बदलने के बाद भी अब सारंगढ में रेल लाइन आएगी या नहीं यह आने वाला भविष्य ही बताएगा।

ग्राम तिऊर में मनाया गया शहीद वीर नारायण सिंह की शहादत दिवस

खरसिया 11 दिसंबर (देशबन्धु)। खरसिया के ग्राम तिऊर में शक्ति बुढादेव के पावन स्थल में अमर शहीद वीर नारायण सिंह की शहादत दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया सर्वआदिवासी समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम गाँव में रैली निकालकर शहीद वीर नारायण के बलिदान को जन जन तक संदेश दिया गया कार्यक्रम की शुरुआत बुढादेव, एवं शहीद वीर नारायण सिंह के छायाचित्र पर माला अर्पण कर दी प्रज्वलित किया गया तत्पश्चात पूजा अर्चना किया गया पश्चात मुख्य अतिथियों का पुष्प हार एवं गमछा से स्वागत अभिनंदन किया गया।

मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष महेतर उराव कहां आदिवासी नेता, जो उनका फायदा उठाकर उन्हें याद तक नहीं करते, उन्हें यह बात नहीं भूलना चाहिए कि अपने समाज के लोगों के बिना वे एक तिनके के बराबर भी नहीं हैं। हमें भी यह बात नहीं भूलनी चाहिए कि अब शहीद वीर नारायण सिंह जैसे व्यक्ति हमें नहीं मिलेंगे एवं अतिथियों का आदिवासी योद्धाओं के नाम सम्मानित किया गया जिसका विवरण रानी दुर्गावती सम्मान उतरा बाई सिदार सरपंच ग्राम पंचायत परसकोल, राजनीति झलकारी बाई सम्मान सुलोचना देवी सरपंच ग्राम पंचायत डोमनारा, स्वच्छता सम्मान स्वच्छता समूह परसापाली, शिक्षा वीर नारायण सिंह सम्मान पुरूषोत्तम गुप्ता हालाहुली रामप्रसाद राठिया गुरदा, राजनीति गुण्डाधुर सम्मान गौतम राठिया उल्दा, सहभागिता गुण्डाधुर सम्मान बीरबल महंत बोरदी, सामाजिक बिरसा मुंडा सम्मान छत्तर सिंह सिदार परसकोल, पत्रकारिता बिरसा मुंडा सम्मान जयप्रकाश डनसेना बरगढ़ एवं आदि अतिथियों का सम्मान किया गया।

स्वामी आत्मानंद विद्यालय में भौतिक व गणित शिक्षक के अभाव में पढाई बाधित

सारंगढ 11 दिसंबर (देशबन्धु)। विद्यालय प्रबंधन एवं पालकगणों की लगातार मांग पूर्व में भी तत्कालीन जिलाशिक्षाधिकारी से गणित एवं भौतिकी के लिए शिक्षक की मांग किया जाता रहा था परन्तु कुछ ही महीनों पूर्व जिलाशिक्षाधिकारी के पद पर आए भगत ने उक्त बहु प्रतिक्षित मांग को पूरा करते हुए स्वामी आत्मानंद विद्यालय भटगांव के व्याख्याता छतराम साहू को स्वामी आत्मानंद विद्यालय सारंगढ पदस्थ किया गया है परंतु अब तक भौतिक विषय की तो विशेषकर दसवीं कक्षा की अब तक पढाई लगभग नहीं के बराबर ही हो पायी है तथा प्राचार्य के बताए अनुसार व्याख्याता छतराम साहू ने अंग्रेजी माध्यम में पढा पाने में असमर्थता जताई है जिससे अभी भी छात्र छात्राओं के उक्त विषय की समस्या दूर नहीं हो पाई है।

साल्हे में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का शुभारम्भ

डभरा, 11 दिसम्बर (देशबन्धु)। सेवा सहकारी समिति रेड़ा के अंतर्गत धान खरीदी उप केंद्र साल्हे में 11 दिसंबर को सरकारी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का शुभारम्भ जनप्रतिनिधियों द्वारा विधिवत पूजा अर्चना कर किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जनपद सदस्य युवराज सिंह पटेल, गजानन प्रसाद राव पर्यवेक्षक, रामायण दास महंत समिति प्रबंधक, सुरेश पटेल धान खरीदी प्रभारी, सुनील बरेठ, त्रिलोचन पटेल ग्राम पंचायत बिनौधा सरपंच, ओमप्रकाश पटेल एवं विनोद पटेल भोले शंकर पटेल ,राम कुमार पटेल, नर्मदा प्रसाद पटेल विक्रेता दामोदर पटेल सहित ग्रामीण किसान उपस्थित रहे।

उत्तम कुंवर पटेल का निधन

डभरा, 11 दिसम्बर (देशबन्धु)। ग्राम सपोस के प्रतिष्ठित नागरिक रामेश्वर पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती उत्तम कुंवर पटेल उम्र 81 साल का 10 दिसंबर को निधन हो गया। वे कुछ समय से अस्वस्थ चल रही थी। श्रीमती उत्तम कुंवर टिकेश्वरी पटेल, सुकांति चौधरी,जानकी चौधरी, ढकेश्वर प्रसाद पटेल, राजीव लोचन पटेल के माता थी,उनका अंतिम संस्कार गृह ग्राम सपोस के स्थानीय मुक्तिधाम में 11 दिसंबर को किया गया जिसमें स्वजातीय बंधु एवं आसपास के नागरिक शामिल हुए।

तालाब में नहाने गया युवक डूबा 21 घंटे बाद भी नहीं मिला

गोताखोर टीम कर रही तलाश, घुन्नी तालाब में डूबा युवक

जांजगीर, 11 दिसम्बर (देशबन्धु)। जिले के बलौदा थाना क्षेत्र के वार्ड नं 5 का रहने वाला आनंद तंबोली घुन्नी तालाब में डूब गया। घुन्नी तालाब में डूबने के 21 घंटे बाद भी आनंद तंबोली का कोई सुराग नहीं मिला है। वहीं जांजगीर से गोताखोर की टीम बुलाई गई है, जो युवक की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच कर खोजबीन में लगी है।

जानकारी के अनुसार, वार्ड नं 5 का रहने वाला वार्ड नं 5 का रहने वाला आनंद तंबोली (उम्र 18 साल) रविवार 10 दिसंबर की दोपहर 2 बजे घुन्नी तालाब में एक बच्चे के साथ नहाने आया हुआ था। जहां नहाने के दौरान पानी में डूब गया। छोटे बच्चे ने आनन्द तंबोली के परिजनों को डूबने की जानकारी दी। जिसके बाद ग्रामीणों की मदद से घुन्नी तालाब में युवक की तलाश की गई, लेकिन कुछ पता नहीं चला। थाना प्रभारी ने बताया कि सोमवार की सुबह से गोताखोर की टीम आनंद तंबोली की तलाश शुरू कर दी है, मगर युवक का कुछ पता नहीं चल पाया है। तालाब में जाली भी लगाया गया है। तालाब के पचरी के पास से साबुन और कपड़े मिले हैं।

तालाब के पचरी के पास कपड़े मिले

थाना प्रभारी ने बताया कि सोमवार की सुबह से गोताखोर की टीम आनंद तंबोली की तलाश शुरू कर दी है, मगर युवक का कुछ पता नहीं चल पाया है। तालाब में जाली भी लगाया गया है। तालाब के पचरी के पास से साबुन और कपड़े मिले हैं।

अपर कलेक्टर ने जनदर्शन में आमजनों की सुनी समस्याएं

संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के दिए निर्देश

जांजगीर, 11 दिसम्बर (देशबन्धु)। चुनाव खत्म होने के बाद पहला जनदर्शन आज कलेक्टोरेट में हुआ जहां अपर कलेक्टर श्रीमती लवीना पांडेय ने आम नागरिको की समस्याएं सुनी ।जनदर्शन में आज कुल 31 आवेदन प्राप्त हुए हैं। अपर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए हैं।

आज जनदर्शन में ग्राम सोनाईडीह के नकुल प्रकाश द्वारा दिव्यांग पेंशन,जांजगीरके आवेदक शिवानंद, रामकुमार एवं कृष्ण कुमार साहू द्वारा मुआवजा की राशि दिलाने संबंधी आवेदन प्राप्त हुए। इसके साथ ही अन्य आवेदको द्वारा पट्टा दिलाने, मुआवजा दिलाने, आर्थिक सहायता, भूमि सीमांकन, राशनकार्ड, विधवा पेंशन संबंधी कुल 31 आवेदन प्राप्त हुए। अपर कलेक्टर ने प्राप्त सभी आवेदनों को पूरी गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये। उल्लेखनीय है कि कलेक्टोरेट कार्यालय में जिला स्तरीय जनदर्शन का आयोजन प्रत्येक सोमवार को 10.30 बजे से आयोजित किया जा रहा है।

टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता में 48 टीम ले रही भाग

डभरा, 11 दिसम्बर (देशबन्धु)। नगर पंचायत डभरा में 40 प्लस एकादश क्रिकेट टीम द्वारा ग्रामीण स्तरीय टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 9 दिसंबर से 18 दिसंबर तक किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में 48 टीम भाग ले रही हैं। जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों के क्रिकेट खिलाड़ियों को हर साल अपने प्रतिभा निखारने के लिए मंच मिल रहा है अंचल के कोने कोने से टेनिस बाल क्रिकेट टीम हिस्सा ले रहे है और अपने प्रतिभा को निखार रहे हैं। इस क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रथम इनाम 41हजार रूपये एवं द्वितीय पुरुस्कार 21 हजार रूपये राशि एवं तृतीय इनाम 7 हजार एवं चतुर्थ पुरुस्कार 4 हजार रूपये राशि सांत्वाना पुरस्कार रखा गया है। वही बेस्ट बॉलर बेस्ट कीपर मैन ऑफ द मैच सहित कई इनाम खिलाड़ियों के लिए रखा गया है । टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता देखने के लिए हजारों की संख्या में दर्शक पहुंच कर क्रिकेट खेल का आनंद उठा रहे है, साथ ही दर्शकों द्वारा लगातार खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन कर रहे है। वही 40 प्लस एकादश क्रिकेट टीम द्वारा खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत करते हुए मनोबल बढ़ा रहे है।

प्लेसमेंट कैंप का होगा आयोजन आज

जांजगीर, 11 दिसम्बर (देशबन्धु)। जिला रोजगार कार्यालय जॉजगीर-चांपा द्वारा युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से 12 दिसम्बर मंगलवार को जिला रोजगार कार्यालय जॉजगीर में प्रातः 11 बजे से 3 बजे तक एक दिवसीय प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि प्लेसमेंट कैंप में निजी क्षेत्र के नियोजक चैतन्य इंडिया फाइनेंसियल केडिट प्राईवेट लिमिटेड रायगढ़ एवं शिव शक्ति बॉयोप्लॉटेक लिमिटेड रायपुर द्वारा कस्टमर रिलेशनशिप एक्जीक्यूटिव के 50 पद एवं सेल्स रिप्रेजेंटेटिव के 30 पदों पर भर्ती की कार्यवाही की जाएगी। उक्त पद हेतु निर्धारित शैक्षणिक योग्यता 10वी 12वी उत्तीर्ण रखी गई है।

30 पाव देशी शराब के साथ, आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर, 11 दिसम्बर (देशबन्धु)। 30 पाव देसी शराब के साथ, बिक्री करने वाले आरोपी को शिवरीनारायण पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के विरूद्ध धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही किया जाकर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

मामले पुलिस ने बताया कि अवैध शराब बिक्री पर अंकुश लाने के लिए जिला पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना शिवरीनारायण पुलिस द्वारा थाना स्तर से टीम गठित किया गया था कि 10 दिसम्बर को मुखबीर सूचना मिला की आरोपी सत्यनारायण उर्फ रानू केशरवानी निवासी शिवरीनारायण द्वारा अवैध रूप से शराब बिक्री की जाती है। सूचना पर रेड कार्यवाही किया गया मौके पर आरोपी के कब्जे से 30 पाव देसी प्लेन शराब प्रत्येक में 180-180 मिली लीटर भरी हुई जुमला शराब 5.4 लीटर, किमती 2400 रूपया को बरामद किया जाकर आरोपी के विरूद्ध थाना शिवरीनारायण में धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है। उपरोक्त कार्यवाही में निरी. अशोक द्विवेदी थाना प्रभारी शिवरीनारायण, उप निरीक्षक संतोष सिंह ठाकुर, आरक्षक राजू कुमार कश्यप, बृजेश घृतलहरे, लक्ष्मीकांत लहरे का योगदान रहा।

ऋषभ विद्यादय में विकसित भारत अभियान

अकलतरा, 11 दिसम्बर (देशबन्धु)। श्री ऋषभ विद्योदय महाविद्यालय बनाहिल में भारत सरकार द्वारा विकसित भारत अभियान का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तव्य के साथ हुआ। जिसमे प्रधानमंत्री ने देश भर से जुड़े सभी राज्यों के राज्यपाल, विश्वविद्यालयों एवं विभिन्न संस्थाओ को संबोधित करते हुए कहा की भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास करना जरूरी है। उसके लिए वर्ल्ड आफ यूथ वर्कशाप की जरूरत है।

अश्लील वीडियो व फोटो वायरल करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जांजगीर, 11 दिसम्बर (देशबन्धु)। जान से मारने की धमकी देते हुए दैहिक शोषण कर अश्लील वीडियो व फोटो लेकर वाटसअप में वायरल करने वाले आरोपी को चांपा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के विरूद्ध धारा 376 (2) ढ, 506, 509 ख 201 भादवि, एवम 67 ए आईटी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है।

मामले पुलिस ने बताया कि 08 दिसम्बर को पीड़िता ने थाना चांपा में रिपोर्ट दर्ज कराई की आरोपी रंजन नायक से जान पहचान था। 28.जुलाई 23 को शाम को घर पर अकेली थी तभी आरोपी द्वारा घर आकर धमकी देते हुए जबरदस्ती दैहिक शोषण किया और फोटो, वीडियो बना लिया किसी को बताओगी तो जान से मारने की धमकी देते हुए फोटो, वीडियो वायरल करने की धमकी देने लगा। पीड़िता डर से नही बताती थी। आरोपी द्वारा पीड़िता को धमकी देते हुए पैसे की मांग करने लगा नही देने पर आरोपी द्वारा वीडियो, फोटो को व्हाट्सएप ऐप के माध्यम से वायरल कर दिया। इसकी रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध धारा 376 (2) ढ 506, 509 ख भादवि. कायम कर विवेचना में लिया गया। आरोपी रंजन नायक घटना घटित कर झारखंड तरफ फरार हो गया था, जिसको पकड कर पुलिस हिरासत में लेकर दिनांक घटना के संबंध में पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किए जाने, और घटना में प्रयुक्त मोबाइल को आरोपी से बरामद किया जाकर प्रकरण में 67 ए आईटी एक्ट, 201 भादवि जोड़ी गई है, आरोपी के विरुद्ध अपराध धारा सदर का सबूत पाए जाने से गिरफ्तार कर आज न्यायिक रिमांड में भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही मे निरीक्षक मनीष सिंह परिहार, रामप्रसाद बघेल, महिला प्रधान आरक्षक श्यामा जयसवाल, आरक्षक गौरीशंकर राय, खेमचरण राठौर एवं थाना चांपा स्टाफ का योगदान रहा।

जिला मेडिकल बोर्ड की बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित

जांजगीर, 11 दिसम्बर (देशबन्धु)। सिविल सर्जन सह - मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय जांजगीर-चांपा ने बताया कि 12 दिसंबर मंगलवार को आयोजित होने वाली जिला मेडिकल बोर्ड की बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित किया गया है।

विशेष अभियान के 10 दिवस में जिले के 100 गुम इंसान बरामद

जांजगीर, 11 दिसम्बर (देशबन्धु)। जिला पुलिस द्वारा विशेष अभियान के तहत 01 से 10 दिसम्बर तक 10 दिवस में जिले के 100 अपहृत बालक/बालिकाओं एवं गुम महिला/पुरुष को बरामद किया गया है। इसमें जिले के गुम बालक 02, गुम बालिका 05, गुम पुरूष 16, गुम महिला 77 को बरामद किया गया है। दस्तयाबी हेतु दीगर राज्य एवं छत्तीसगढ के अन्य जिलो में पुलिस टीम को भेजी गयी थी।

जिला पुलिस द्वारा जिले में गुम बालिका/बालिका, गुम पुरुष /महिला की दस्तयाबी हेतु थाना/चौकी स्तर पर टीमों का गठन किया गया था। गठीत टीमों के द्वारा गुम बालक/बालिकाओं एवं गुम पुरूष /महिला को जम्मू कश्मीर, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, नोएडा, आगरा एवं अन्य राज्यो से तथा छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलो से बरामद कर दस्तायाब किया गया है। जिसमें थाना जांजगीर में 02 बालिका, 01 पुरूष एवं 05 महिला, चौकी नैला में 03 पुरूष एवं 02 महिला, थाना बलौदा में 01 पुरुष एवं 12 महिला, चौकी पंतोरा में 02 महिला, थाना अकलतरा में 01 बालक, 01 बालिका, 01 पुरूष एवं 08 महिला, थाना मुलमुला में 02 पुरूष 13 महिला, थाना पामगढ़ में 01 बालक, 01 बालिका, 01 पुरुष, 08 महिला, थाना शिवरीनारायण में 01 पुरुष, 06 महिला थाना नवागढ़ में 02 पुरूष, 14 महिला, थाना बिर्रा में 01 बालिका, 01 महिला, थाना बम्हनीडीह में 02 महिला, थान सारागांव में 01 महिला, थाना चाम्पा में 04 पुरूष एवं 03 महिला इस प्रकार जिले में कुल 100 गुम बालक/बालिका, गुम पुरुष / महिला को बरामद किया गया है।

मुलमुला क्षेत्र में लग रहे लाखों के दांव, पुलिस बेखबर

जांजगीर, 11 दिसम्बर (देशबन्धु)। विधानसभा चुनाव होने के बाद जुआरी एक बार फिर क्षेत्र में सक्रिय हो गए हैं। पुलिस की निष्क्रियता से इन दिनों मुलमुला थाना क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर रोजाना लाखों के दांव लग रहे हैं । जिले के मुलमुला थाना क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से धड़ल्ले से जुआ फड़ लग रहे हैं, जहां ताश के पत्तों पर दांव लगाकर जिले सहित आसपास के जिलों के जुआरी दांव लगा रहे हैं। इसके बावजूद पुलिस इस अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ किसी तरह की कार्रवाई नहीं कर रही है।

जानकारी के अनुसार मुलमुला थाना क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से जुआ चल रहा है। इस थाना क्षेत्र में स्थित कुछ गांवों सहित लीलागर नदी के आसपास में जुआ के फड़ जगह-जगह सज रहे हैं और यहां ताश के पत्तों पर हजारों रूपए के दांव लगाया जा रहा है। इस खेल में सैकड़ों परिवार तबाही के शिकार हो चुके हैं। यहां ताश के पत्तों पर नए-नए नाम से जुआ फड़ सज रहे हैं, जिसमें संलिप्त जुआरियों कोघर की पूंजी गंवाकर बर्बादी के रास्ते पर जाना पड़ता है। बताया जा रहा है कि दोआदतन जुआरी इन जुआ फड़ों के प्रमुख सरगना हैं, जो मुलमुला थाना क्षेत्र में बड़े पैमाने पर जुआ फड़ का संचालन कर रहे हैं। इनके खिलाफ पूर्व में पुलिस के उच्चाधिकारियों को शिकायत मिली थी, जिसके बाद कुछ समय के लिए जुआ फड़ बंद हो गए थे। मगर विधानसभा चुनाव होने के बाद से इस क्षेत्र में जुआ फड़ सज रहे हैं, जहां जांजगीर-चांपा व सक्ती जिले के अलावा बिलासपुर और कोरबा जिले के जुआरी भी दांव लगाने के लिए रोजाना पहुंच रहे हैं। क्षेत्र के लोगों ने बताया कि नशाखोरी के बाद जुआरी आपस में ही बवाल किए रहते हैं। जुआरी हजारों रूपए का दांव लगाकर पुलिस के लिए चुनौती बन रहे हैं। वहीं सब-कुछ जानते हुए भी स्थानीय पुलिस का मौन रहने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है।

विष्णुदेव साय राजनीतिज्ञो के लिऐ आदर्श और प्रेरणादायक है - महेश साहू

खरसिया 11 दिसंबर (देशबन्धु)। खरसिया विधानसभा प्रत्याशी साहू संघ के पूर्व कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष तथा प्रसिद्ध समाजसेवी महेश साहू ने जन जन के चहेते, आदिवासी नेता, सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री विष्णु देव साय को छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री बनाएं जाने पर बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित कर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अब रायगढ़ जशपुर सहित संपूर्ण प्रदेश का समुचित विकास होगा महेश साहू ने कहा कि सहज सरल व्यक्तित्व के हाथों में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व आया है, ऐसे में नरेंद्र मोदी जी तथा अमित शाह जी के नेतृत्व का यह दृष्टिकोण है स्पष्ट करता है कि छत्तीसगढ़ पूर्ण रूप से भय मुक्त तथा भ्रष्टाचार मुक्त होगा।

महेश साहू ने बताया की जन जन के चहेते विष्णु देव साय 1989 में वार्ड पंच बने फिर 1991 में बगिया पंचायत के निर्विरोध सरपंच निर्वाचित हुए,सरपंच बनते ही इन्हें तपकरा विधानसभा सीट से 1991 से 1998 तक भाजपा प्रत्याशी बनाया गया और पहली बार 26 साल की उम्र में तत्कालीन मध्यप्रदेश की विधानसभा में विधायक बनकर विधानसभा का सफलता तय किए। इसके बाद 27 मई 1999 में सांसद का चुनाव 2014 तक सांसद रहे,इसके साथ ही 20014 से 2019 तक केंद्रीय कैबिनेट में इस्पात खनन श्रम रोजगार मंत्रालय में मंत्री रहे। 2020 से 2022 तक छत्तीसगढ़ में प्रदेश अध्यक्ष की पद पर रहे। वहीं 2022 से विशेष आमंत्रित राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य के रूप में रहे. 2023 के विधानसभा चुनाव में कुनकुरी विधानसभा से पुनः विधायक बने, और केंद्रीय नेतृत्व के आपसी सलाह व सर्वसम्मति से छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री चुना गया जो की प्रत्येक राजनीतिकारो के लिऐ आदर्श और प्रेरणादायक है।

महेश साहू ने खरसिया विधानसभा के सभी जनता की तरफ से आदिवासी नेता, सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री विष्णु देव साय को छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री बनाएं जाने पर माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह व प्रदेश व केंद्र के सभी वरिष्ठ भाजपा नेताओं और केंद्रीय कोर कमेटी के सभी सदस्यों को धन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

देश विदेश

ट्रंप ने न्यूयार्क नागरिक धोखाधड़ी मामले में बदला मन

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि उनके खिलाफ नागरिक धोखाधड़ी के मुकदमे में अपने गवाही देने के लिए न्यूयॉर्क की अदालत में अपनी निर्धारित उपस्थिति रद्द करने का मन बना लिया है। सीएनबीसी के हवाले से ट्रुथ सोशल पर ट्रंप ने कहा, मैं सोमवार को गवाही नहीं दूंगा। श्री ट्रम्प को उनकी संपत्तियों के मूल्य के बारे में कथित तौर पर गलत बयान देने के लिए न्यूयॉर्क के अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स द्वारा उनके खिलाफ लाए गए एक नागरिक धोखाधड़ी मुकदमे में गवाही देने के लिए तैयार किया गया था।

रूस ने गाजा में अंतरराष्ट्रीय निगरानी मिशन का आह्वान किया

मास्को, 11 दिसम्बर (एजेंसियां)। इजरायल-हमास संघर्ष के बीच गाजा में मानवीय स्थिति का आकलन करने के लिए रूस ने रविवार को एक अंतरराष्ट्रीय निगरानी मिशन का आह्वान किया और कहा कि इजरायल द्वारा फिलिस्तीनी लोगों को दंडित करने के लिए हमास के सात अक्टूबर के हमले को कारण बताना अस्वीकार्य है। यह जानकारी स्पूतनिक ने सोमवार को दी। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने सात अक्टूबर के हमास द्वारा किए गए हमले की निंदा की, हालांकि, साथ ही उन्होंने कहा कि हम अंधाधुंध गोलाबारी के साथ लाखों फिलिस्तीनियों को दी जा रही सामूहिक सजा के लिए इस घटना को कारण बताना स्वीकार नहीं करते हैं।

हमास के सात अक्टूबर के हमले को कारण बताना अस्वीकार्य बताया

श्री लावरोव ने दोहा फोरम सम्मेलन में रविवार को अल जज़ीरा में प्रसारित एक साक्षात्कार में कहा कि गाजा में मानवीय विराम और जमीनी स्तप पर निगरानी करने की आवश्यकता है।

श्री लावरोव ने कहा कि हमने महासचिव (एंतोनियो गुतारेस) को संबोधित किया और सुझाव दिया कि वह किसी प्रकार की निगरानी पर विचार करने के लिए अपने अधिकारों का उपयोग करें, लेकिन अब तक कोई फायदा नहीं हुआ है। उन्होने दशकों की नाकाबंदी और फिलिस्तीनी राज्य के अधूरे वादों की ओर इशारा करते हुए कहा कि यह शून्य में नहीं हुआ है। इस बीच, इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत की और संयुक्त राष्ट्र में मॉस्को के दूतों द्वारा उठाए गए इजरायल विरोधी रुख पर नाराजगी व्यक्त की।

संयुक्त राष्ट्र महासभा गाजा युद्धविराम की मांग पर आज कर सकती है मतदान

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 193 सदस्य गाजा पट्टी में इजरायल और हमास के बीच संघर्ष में तत्काल मानवीय युद्धविराम की मांग करने वाले एक मसौदा प्रस्ताव पर मंगलवार को मतदान कर सकते है। राजनयिकों ने रविवार को यह जानकारी दी। यह कदम गाजा में तत्काल मानवीय युद्धविराम की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की मांग को अमेरिका द्वारा शुक्रवार को वीटो करने के बाद उठाया गया है। महासभा ने अक्टूबर में एक प्रस्ताव अपनाया जिसमें 121 पक्ष में, 14 विपक्ष में और 44 सदस्य अनुपस्थित रहे। प्रस्ताव में शत्रुता की समाप्ति के लिए तत्काल, टिकाऊ और निरंतर मानवीय संघर्ष विराम का आह्वान किया गया।

इजरायली सेना की कार्रवाई में हमास कमांडर ढेर

यरूशलेम। इजरायली सेना ने सोमवार को दावा किया कि उसके बल की कार्रवाई में हमास की शेजैया बटालियन का कमांडर इमाद क्रिके मारा गया। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार इस घटना को आज अंजाम दिया गया। रिपोर्ट में उनकी कथित मौत के आसपास की परिस्थितियों को निर्दिष्ट नहीं किया गया है। पोस्ट में दावा किया गया कि बटालियन के पिछले कमांडर की मृत्यु के बाद अपनी भूमिका संभालने से पहले क्रिके पहले 'गाजा सिटी ब्रिगेड में एंटी-टैंक मिसाइल प्रशिक्षण के लिए जिम्मेदार' थे।

गाजा-मिस्र सीमा पर केरेम शालोम चौकी खुली

यरूशलेम। इजरायली रक्षा मंत्रालय के क्षेत्रों में सरकारी गतिविधियों के समन्वय (सीओजीएटी) ने सोमवार को गाजा पट्टी और मिस्र की सीमा पर केरेम शालोम चौकी खोलने की पुष्टि की। एनबीसी ने पिछले सप्ताह एक उच्च पदस्थ अमेरिकी अधिकारी का हवाला देते हुए रिपोर्ट दी थी कि इजरायल मानवीय सहायता के निरीक्षण और सत्यापन के लिए केरेम शालोम चेकपॉइंट खोलने पर सहमत हुआ है। सीओजीएटी ने एक्स पर लिखा, हमने गाजा में पहुंचाई जाने वाली सहायता के लिए निरीक्षण करने की अपनी क्षमताओं का विस्तार किया है। केरेम शालोम को खोला जाना है, इसलिए निरीक्षण की मात्रा दोगुनी हो जाएगी। संयुक्त राष्ट्र को बेहतर करना होगा और लोगों को सहायता की आवश्यकता है।

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : मंगलवार 12 दिसम्बर , 2023 अगहन कृष्ण पक्ष 15

राशिफल

मेष - आज आप सांसारिक विषयों को छोड़कर आध्यात्मिकता में ज्यादा रुचि लेंगे। ध्यान और मनन से आपके मन को शांति मिलेगी। आध्यात्मिक क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए समय बहुत अच्छा है।

वृषभ - परिवारजनों तथा दांपत्यजीवन में सुख-शांति का अनुभव कर सकेंगे। रिश्तेदारों तथा मित्रों के साथ आप स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेंगे। किसी छोटे प्रवास की योजना बन सकती है। आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मिथुन - आपके कई दिनों से रूके हुए काम पूरे हो सकेंगे। सफलता तथा प्रतिष्ठा प्राप्त मिलेगी। घर में सुख- शांति और आनंद आपको मानसिक रूप से प्रफुल्लित रखेंगे। तंदुरुस्ती अच्छी रहेगी। वित्तीय लाभ होगा।

कर्क - आज आपका दिन चिंता और भय से भरा रहेगा। शारीरिक और मानसिक तकलीफ भी रहेगी। नए काम के आरंभ के लिए दिन अनुकूल नहीं है। अचानक कोई खर्चा हो सकता है।

सिंह - आज आपको शारीरिक- मानसिक चिंता बनी रहेगी। पारिवारिक सदस्यों के साथ विवाद होने की आशंका है। मां के स्वास्थ्य की चिंता रह सकती है। गलत और नकारात्मक विचारों के कारण निराशा रह सकती है।

कन्या - बिना विचारें किसी भी तरह के काम में रुचि ना लें। आप किसी से इमोशनल संबंध में जुड़ सकते हैं। भाई-बहनों के साथ अच्छे संबंध अच्छे बने रहेंगे। मित्रों और स्नेहीजनों से मिलना- जुलना होगा।

तुला - आज आपका मन नकारात्मक विचारों से घिरा रहेगा। क्रोध के कारण आपकी वाणी में कटुता आ सकती है। इस कारण परिजनों के साथ मतभेद होगा। गलत खर्च हो सकता है। स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृश्चिक - आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा है। आपका तन-मन प्रफुल्लित रहेगा। परिजनों के साथ सुख के पल गुजार सकेंगे। मित्रों और स्नेहीजनों के पास से किसी तरह का उपहार मिलेगा।

धनु - आपका कुटुंबजनों के साथ मतभेद हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। आज दुर्घटना से बच के रहें। स्वास्थ्य खराब होने के कारण मेडिसिन पर पैसा खर्च होगा। कानूनी कामकाज में संभलकर आगे बढ़ें।

मकर - आज का दिन लाभदायक है। मित्रों और स्नेहीजनों से मिलकर आनंद का अनुभव करेंगे। प्रियजनों के साथ किसी रोमांचक यात्रा पर जा सकते हैं। थोड़े प्रयत्नों से विवाहोत्सुक लोगों का रिश्ता पक्का हो सकता है।

कुंभ - आप सभी काम सरलतापूर्वक पूरा कर सकेंगे। व्यापार और नौकरी में प्रगति कर सकेंगे। सरकारी कामकाज आसानी से पूरे हो सकेंगे। उच्च अधिकारियों की ओर से मदद मिलती रहेगी। आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मीन - आज आप अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। शारीरिक ताजगी का अभाव रहेगा। कोई काम विलंब होने से आपको निराशा का अनुभव होगा। भाग्य आपका साथ नहीं देगा, ऐसा आपको लग सकता है।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

अर्जेंटीना में जेवियर माइली की सरकार ने संभाली सत्ता

ब्यूनस आयर्स, 11 दिसम्बर (एजेंसियां)। अर्जेंटीना में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जेवियर माइली के नेतृत्व में नयी सरकार ने शपथ ग्रहण कर ली है। एक स्थानीय अखबार नेसियोन ने अपनी रिपोर्ट मे बताया कि नयी सरकार में मंत्रालयों की संख्या 18 से घटाकर नौ कर दी गई है। पूर्व वित्त मंत्री और अर्जेंटीना के पूर्व राष्ट्रपति मौरिसियो मैक्री के अधीन केंद्रीय बैंक के पूर्व प्रमुख लुइस कैपुटो अर्थव्यवस्था मंत्री बनाये गये हैं। सुरक्षा मंत्रालय का नेतृत्व कर चुकी पेट्रीसिया बुलरिच राज्य के प्रमुख पद के लिए दौड़ में थीं लेकिन दूसरे दौर के मतदान में जगह बनाने में असफल रहीं। इससे पहले वह मैक्री सरकार में सुरक्षा मंत्री का पद संभाल चुकी हैं। लुइस पेट्री, जो उपराष्ट्रपति पद के लिए दौड़े में थे, उन्हें रक्षा मंत्री बनाया गया है। विदेश मंत्रालय का नेतृत्व डायना मोंडिनो को दिया गया है न्याय मंत्री का पद मारियानो कुनेओ लिबरोना मो मिला जो एक प्रसिद्ध वकील हैं और जिन्होंने कई राजनेताओं के साथ-साथ पूर्व राष्ट्रपति कार्लोस मेनेम के रिश्तेदारों का बचाव किया था, जिन्हें माइली अर्जेंटीना के इतिहास में सबसे अच्छा राज्य प्रमुख मानते हैं। गिलर्मो फेरारो बुनियादी ढांचे के मंत्री बनाये गये हैं उनका विभाग परिवहन, सार्वजनिक कार्य, खनन और संचार सहित कई क्षेत्रों को एकजुट करेगा। मानव पूंजी मंत्रालय, जो शिक्षा, संस्कृति, श्रम बाजार और सामाजिक नीति पर ध्यान केंद्रित करेगा, का नेतृत्व सैंड्रा पेट्टोवेलो को दिया गया है जबकि स्वास्थ्य मंत्री का पद हृदय रोग विशेषज्ञ मारियो रूसो को दिया गया।

हिलेरी क्लिंटन बाइडेन के पुनः चुनाव अभियान में निभाएंगी बड़ी भूमिका

वाशिंगटन, 11 दिसम्बर (एजेंसियां)। पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन राष्ट्रपति जो बाइडेन के 2024 के पुनः चुनाव अभियान में एक प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने महिला नेतृत्व मंच के समर्थन से वाशिंगटन, डी.सी. में अपने व्हाइट-हेवन एस्टेट में एक धन संचयन कार्यक्रम की मेजबानी की और बाइडेन के पुनः चुनाव के लिए दान में लगभग दस लाख डॉलर जुटाए। एनबीसी न्यूज के अनुसार, पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन भी धन संचयन के दौरान उपस्थित हुए। इस बीच न्यू जर्सी के पूर्व गवर्नर क्रिस क्रिस्टी ने कहा है कि रॉन डेसेंटिस को आयोवा कॉकस वोट में बने रहने की उम्मीद कम है। यहां मैं, ट्रम्प और निक्की होंगे।

बाइडेन के चुनाव के लिए दान में लगभग दस लाख डॉलर जुटाए

हिलेरी की धन उगाहने की क्षमता ही बाइडेन को एकमात्र समर्थन नहीं है, क्लिंटन भी बाइडेन के हाई-प्रोफाइल सरोगेट्स में से एक के रूप में आगे बढ़ रहे हैं।

बाइडेने को नए साल में अपने अभियान में एक कठिन क्षण का सामना करना पड़ रहा है, इसमें 18 से 29 वर्ष के बीच के युवा बड़े पैमाने पर सवाल उठा रहे हैं और लोगों की उम्र और संज्ञानात्मक क्षमताओं में कथित गिरावट के कारण लोगों के सामने आने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों पर शासन करने की ट्रम्प की क्षमताओं पर सवाल उठा रहे हैं और अन्य लोग बाइडेन पर सवाल उठा रहे हैं। उनकी आर्थिक नीतियों के कारण पिछले वर्ष नौ प्रतिशत की सर्वकालिक उच्च मुद्रास्फीति हुई। कुछ लोगों ने इज़राइल सरकार को उनके अटूट समर्थन पर भी सवाल उठाया है, जिसने गाजा में सैकड़ों और हजारों निर्दोष नागरिकों को भारी क्षति पहुंचाई है। 2020 में बाइडेन को वोट देने वाले फिलिस्तीनियों ने 2024 में उनका समर्थन नहीं करने की कसम खाई है।

इंडोनेशिया पहुंचे तीन सौ से अधिक रोहिंग्या शरणार्थी

बाली, 11 दिसम्बर (एजेंसियां)। म्यांमार अल्पसंख्यक समुदाय के 300 से अधिक रोहिंग्या शरणार्थी कई सप्ताह तक समुद्र में भटकने के बाद पश्चिमी इंडोनेशिया के तट पर पहुंच गए हैं।

म्यांमार के करीब 180 शरणार्थियों का एक समूह स्थानीय समयानुसार शनिवार रात करीब आठ बजे नाव से आचे प्रांत के पिडी रीजेंसी के एक समुद्र तट पर पहुंचा और अन्य 135 शरणार्थी रविवार को पड़ोसी आचे बेसर रीजेंसी में उतरी। इनमें से ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। स्थानीय पुलिस प्रमुख रोली युइज़ा अवे ने टेलीफोन पर कहा कि अधिकारियों ने शरणार्थियों को किनारे पर रखा है। पिडी में स्थानीय सरकार ने पहले कहा था कि वह शरणार्थियों को तंबू या अन्य बुनियादी ज़रूरतें उपलब्ध कराने की ज़िम्मेदारी नहीं लेगी। उन्होंने कहा कि वे कोई भी खर्च वहन नहीं करेंगे और कोई आश्रय उपलब्ध नहीं है। स्थानीय अधिकारी और निवासी रोहिंग्या को अस्वीकार कर रहे हैं और उन्हें वापस जाने को कह रहे हैं, क्योंकि पिछले

इनमें से ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल

महीने एक हजार से अधिक लोग आ गए थे। बुधवार को आचे के सबांग द्वीप में लगभग 150 प्रदर्शनकारी पुलिस से भिड़ गए क्योंकि उन्होंने रोहिंग्या शरणार्थियों को स्थानांतरित करने का आह्वान किया था। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के सुरक्षा सहयोगी फैसल रहमान ने कहा, हम लोगों को स्थिति समझाना जारी रखते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि शरणार्थियों से निपटने का बोझ उन पर न पड़े।

चीन में शीतलहर के लिए ब्लू अलर्ट जारी

बीजिंग, 11 दिसम्बर (एजेंसियां)। चीन के कुछ हिस्सों में तापमान में गिरावट की भविष्यवाणी के मद्देनजर शीत लहर के लिए 'ब्लू अलर्ट' जारी किया गया है। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (एनएमसी) के अनुसार सोमवार से मंगलवार तक यांग्त्ज़ी नदी के दक्षिण के क्षेत्रों, पूर्वी गुइझोऊ प्रांत और दक्षिण चीन के उत्तरी हिस्सों के अधिकांश हिस्सों में तापमान 6 से 8 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट का अनुमान है।

हुनान प्रांत, गुइझोउ प्रांत और गुआंग्शी ज़ुआंग स्वायत्त क्षेत्र के कुछ हिस्सों में तापमान 12 डिग्री सेल्सियस से अधिक गिर सकता है। एनएमसी ने स्थानीय प्रशासनों को ठंड के मौसम के प्रति सावधानी बरतने की सलाह दी साथ ही जनता से गर्म रहने के लिए कहा और उष्णकटिबंधीय फसलों और जलीय उत्पादों की सुरक्षा के लिए उपाय करने का आग्रह किया। चीन में शीत लहर के लिए चार स्तरीय रंग-कोडित मौसम चेतावनी प्रणाली है, जिसमें लाल सबसे गंभीर मौसम का प्रतिनिधित्व करता है, उसके बाद नारंगी, पीला और नीला होता है।

आज का इतिहास

1787 - पेनसिल्वेनिया अमेरिका के संविधान को अंगीकार करने वाला दूसरा प्रांत बना।
1800 - वाशिंगटन डीसी को अमेरिका की राजधानी बनाया गया था।
1822 - अमेरिका द्वारा मेक्सिको को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में आधिकारिक तौर पर मान्यता दी गई।
1872 - स्वतंत्रता सेनानी और हिन्दू महासभा के अध्यक्ष बालकृष्ण शिवराम मुंजे का जन्म हुआ।
1911 - भारत की राजधानी कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित की गई।
1915 - चीन के राष्ट्रपति युवान शी की ने राजतंत्र को पुनः बहाल कर स्वयं को चीन का सम्राट घोषित किया।
1917 - फ्रेंच आल्प्स में फ्रांसीसी सेना की ट्रेन के पटरी से उतरने से 543 लोगों की मौत हो गयी।
1923 - इटली में पो नदी बांध फटने से 600 लोगों मारे गए।
1936 - चीन के नेता च्यांग काई शेक ने जापान के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
1947 - इरानी शाही सेना ने अजरबाइजान में सत्ता पर पुनः अधिकार कर लिया।
1950 - तमिल एवं हिन्दी फिल्म अभिनेता रजनीकांत का जन्म।
1958 - गिनि संयुक्त राष्ट्र संघ का सदस्य बना था।
1963 - केन्या स्वतंत्र हुआ।
1964 - राष्ट्रकवि के रूप में विख्यात प्रसिद्ध हिन्दी कवि मैथिलीशरण गुप्त का निधन हुआ।
1971 - भारतीय संसद द्वारा पूर्व राजाओं को प्रदान की जानी वाली सभी सुविधायें रद्द कर दी गई।
1981 - भारत के क्रिकेट खिलाडी युवराज सिंह का जन्म हुआ।
1990 - टी.एन.शेषन मुख्य निर्वाचन आयुक्त बने।
1996 - भारत एवं बांग्लादेश के मध्य गंगाजल के बंटवारे को लेकर 30 वर्षीय संधि पर हस्ताक्षर।
2001 - भारत ने नेपाल को दो चीता हैलीकॉप्टर और हथियार दिये।

राजनीति सड़क, रेल और जल यातायात रोकने की घोषणा की

बीएनपी की देशव्यापी नाकाबंदी आज से होगी शुरू

ढाका, 11 दिसम्बर (एजेंसियां)। बंगलादेश में विपक्षी दल बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अन्य समान विचारधारा वाले दलों के साथ मंगलवार (12 दिसंबर) से देशव्यापी 36 घंटे की नाकाबंदी करने जा रही है जिसके तहत सड़क,रेल और जल यातायात की नाकाबंदी की घोषणा की गई है। यह 31 अक्टूबर से विपक्ष द्वारा शुरू किए गए नाकाबंदी कार्यक्रम का 11वां चरण है। बीएनपी के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव रुहुल कबीर रिज़वी ने एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि नाकाबंदी मंगलवार सुबह छह बजे शुरू होकर बुधवार शाम छह बजे समाप्त होगी।

श्री रिजवी ने कहा कि सात जनवरी को होने वाले चुनाव को संभालने में सरकार की भूमिका में व्यापक गिरफ्तारियां और जेल सुविधाओं के भीतर और बाहर चल रही यातनाएं शामिल हैं। श्री रिजवी के मुताबिक, इन कार्रवाइयों के पीछे अंतर्निहित मकसद मतदाताओं के मन में डर पैदा करना है। विरोधी विचारों के सरकार के कथित दमन के जवाब में, श्री रिज़वी ने मानव श्रृंखला कार्यक्रम में हस्तक्षेप और ढाका और देश के अन्य हिस्सों में श्रमिकों के अनुचित उत्पीड़न की घटनाओं की सूचना दी। रविवार को बीएनपी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर ढाका में एक मानव श्रृंखला बनाई। नेशनल प्रेस क्लब के सामने आयोजित इस

समान विचारधारा वाले दल भी आए साथ

कार्यक्रम में प्रमुख बीएनपी नेता और जबरन गायब किए जाने और राजनीतिक हत्याओं के पीड़ितों के परिवार के सदस्य शामिल हुए। मानव श्रृंखला कार्यक्रम के परिणामस्वरूप, नेशनल प्रेस क्लब के पास सड़क के एक तरफ को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। कार्यक्रम में विभिन्न संगठनों के नेता और कार्यकर्ता प्रेस क्लब के पास एकत्र हुए। दिन भर बीएनपी सदस्यों ने छोटे-छोटे मार्च निकाले और सरकार के इस्तीफे की मांग करते हुए नारे लगाए। कार्यक्रम की आधिकारिक शुरुआत में पवित्र कुरान का पाठ किया गया, जिसकी अध्यक्षता बीएनपी स्थायी समिति के सदस्य सेलीमा रहमान ने की। इस दौरान उन्होंने कहा देश के लोग, फांसीवादी सरकार के खिलाफ एकजुट हैं। मानवाधिकार उल्लंघन के मामले में बांग्लादेश नंबर वन है. हम सड़क पर हैं, हम सड़क पर रहेंगे। हम जुलूस निकालकर बांग्लादेश को घेरेंगे। हालाँकि, हम इस सरकार के चुनाव को स्वीकार नहीं करेंगे। सुश्री रहमान ने कहा, बीएनपी नेताओं और कार्यकर्ताओं को जेल में उचित अधिकार नहीं दिए जा रहे हैं। आज देश की न्यायपालिका एक व्यक्ति के आदेश के तहत चल रही है. बांग्लादेश की तरह दुनिया में कहीं भी मानवाधिकारों का उल्लंघन नहीं होता है।

सुडोकू 6403

		5		8	2			4
8			6	5		7	9	
								3
	8							
	4	1	7		9	8	6	
							3	
9								
	7	4		9	8			6
6			4	2		1		

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6403

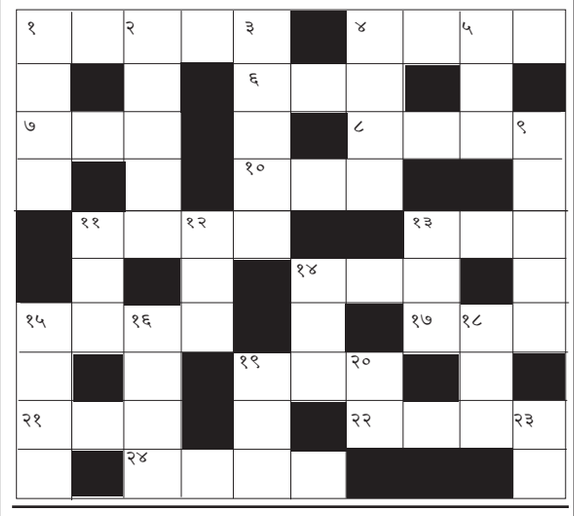

बायें से दायें:-

१. अपहरण, भगा ले जाना
४. दोपहर
६. लहू पीने वाला
७. वस्त्र
८. दूसरा समय
१०. उपस्थित (उर्दू)
११. हरा-भरा, वाटिका, उद्यान (उर्दू)
१३. विघ्न डालने वाला
१४. बधिर
१५. अधिक अच्छा (उर्दू)
१७. बह सकने के गुण वाले पदार्थ
१९. धन, संपत्ति (उर्दू)
२०. जिसकी ईश्वर पर आस्था न हो
२२. रसीला
२४. ओस (उर्दू)

ऊपर से नीचे:-

१. जो बार-बार न हो, जो एक ही बार दिया जाए (अनुदान आदि)
२. आंसू
३. सामूहिक हत्या, कत्लेआम
४. बुराई, अहित
५. चैन, आराम (उर्दू)
९. किसी व्यक्ति, वस्तु, इमारत केदेखरेख के लिए तैनात व्यक्तियों का दल
११. दोष, अपराध (उर्दू)
१२. प्रकट (उर्दू)
१३. वरयात्रा
१४. प्रचुर, अधिक
१५. निर्दोष, निरपराध (उर्दू)
१६. तूणिर, बाण रखने का चोगा
१८. दया, कृपा (उर्दू)
१९. चक्कर, दौरा, भाग्य, हेरफेर (उर्दू)
२०. गीला, भीगा हुआ (उर्दू)
२३. अगर

वर्ग पहेली-6402

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

सुडोकू 6403 का हल

7	9	5	3	8	2	6	1	4
8	1	3	6	5	4	7	9	2
4	2	6	9	1	7	5	8	3
3	8	7	2	6	5	9	4	1
2	4	1	7	3	9	8	6	5
5	6	9	8	4	1	2	3	7
9	3	2	1	7	6	4	5	8
1	7	4	5	9	8	3	2	6
6	5	8	4	2	3	1	7	9

दुनिया को जानें

ब्रिटिश शिक्षाविदों ने वैश्विक एआई विनियमन का किया आह्वान

लंदन, 11 दिसम्बर (एजेंसियां)। यूरोपीय संघ के सांसदों और सदस्य देशों द्वारा शुक्रवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को विनियमित करने वाले नियमों पर समझौते का ब्रिटिश शिक्षाविदों ने स्वागत किया है, जो इसे व्यापक वैश्विक विनियमन की दिशा में एक सकारात्मक कदम मानते हैं लेकिन वैश्विक मानक और सहयोग की आवश्यकता पर बल देते हैं। एलिसन लुई, लिवरपूल जॉन मूरेस विश्वविद्यालय (एलजेएमयू) में ग्लोबल इंगेजमेंट एसोसिएट डीन और कॉर्पोरेट और वित्तीय कानून में रीडर, ने इस समझौते को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को विनियमित करने की दिशा में पहली वैश्विक कोशिश करार दिया, जो निश्चित रूप से एक अच्छी शुरुआत है। उन्होंने कहा एआई के संबंध में, बहुत सारे जोखिम हैं और उनमें से कई हमारे लिए अज्ञात हैं, इसलिए आम लोग और उपभोक्ताओं को संरक्षित करने की आवश्यकता है। कानून के रूप में विनियमन होने का लाभ यह है कि यह सभी को स्पष्टता प्रदान करता है।

खेल जगत

2019 के बाद भारतीय महिला क्रिकेट में आया बदलाव : गांगुली

मुंबई, 11 दिसंबर (एजेंसिं)। भारत के पूर्व कप्तान और आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के वर्तमान क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली का मानना है कि देश में महिला क्रिकेट ने 2019 के बाद से पुरुषों की तुलना में अधिक प्रगति की है, खासकर जब से महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) शुरू हुई है। सौरव गांगुली ने कहा, यह एक बहुत बड़ा टूर्नामेंट है। यह पहले साल में जिस स्तर पर है उसे देखकर मैं बहुत खुश हूं। यह काफी समय से हमारे दिमाग में था, लेकिन कोविड के कारण ऐसा नहीं हो सका। लेकिन टूर्नामेंट ने महिला क्रिकेटरों के लिए शानदार काम किया। भारत में महिला क्रिकेट ने 2019 के बाद से जो प्रगति की है वह शायद पुरुष टीम से अधिक है। पुरुषों की टीम हमेशा बहुत अच्छी रही है। लेकिन, महिला टीम की यात्रा शानदार है। एशिया कप जीतने से लेकर, जिस तरह से उन्होंने विश्व कप और फिर राष्ट्रमंडल खेलों में प्रदर्शन किया, वह यादगार और अब तक का सर्वश्रेष्ठ था।

दक्षिण अफ्रीका को हराकर रोहित लिख सकते हैं नया इतिहास : इरफान

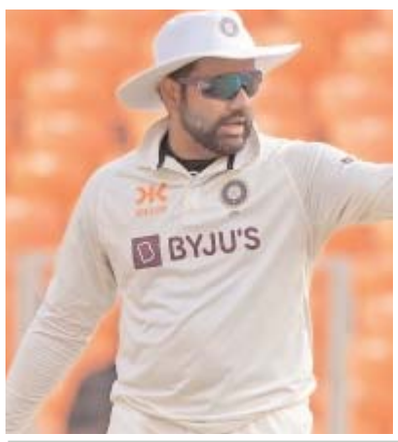

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने कहा है कि अगर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा दक्षिण अफ्रीका पर जीत हासिल करने में सफल रहे तो उनका नाम भारतीय क्रिकेट इतिहास में दर्ज हो जाएगा।

रोहित शर्मा, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सफेद गेंद की श्रृंखला से आराम लिया है। 26 दिसंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम के कप्तान होंगे। भारत ने कभी भी प्रोटियाज़ के खिलाफ कोई टेस्ट सीरीज़ नहीं जीती है और इरफ़ान का मानना है कि रोहित टेस्ट क्रिकेट में नया इतिहास लिख सकते हैं।

इरफान पठान ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, अगर रोहित शर्मा दक्षिण अफ्रीका में जीत दिलाने में सफल रहे तो उनका नाम भारत के क्रिकेट इतिहास में कप्तान और खिलाड़ी के तौर पर सबसे ऊपर रखा जाएगा, क्योंकि इन दोनों मैचों में जीत की चाबी उन्हीं के पास है। वह सलामी बल्लेबाज और कप्तान दोनों हैं। यदि आप नई गेंद के खिलाफ चुनौती पार कर लेंगे तो आपके अन्य बल्लेबाजों को चमकने का मौका मिलेगा। इसलिए आपको नई गेंद के खिलाफ जिम्मेदारी उठानी होगी। इरफान ने आगे कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान रोहित और विराट कोहली पर काफी कुछ निर्भर करेगा। हालांकि, इरफान ने रोहित को नई गेंद के खिलाफ अच्छा खेलने, रन बनाने और टीम को आगे ले जाने की सलाह भी दी। रोहित ने प्रोटियाज़ के खिलाफ नौ टेस्ट मैचों में 42.37 की औसत से 678 रन बनाए हैं।

पठान ने कहा, जब वह इंग्लैंड गए तो वह पूरी तरह से तैयार होकर गए और टेस्ट सीरीज में अद्भुत बल्लेबाजी की। मुझे लगता है कि आप रोहित शर्मा को जाने से पहले उसी जुनून के साथ तैयारी करते हुए देखेंगे। रोहित की चुनौती नई गेंद को खेलना, रन बनाना और अपनी टीम को आगे ले जाना होगा। इस टीम में हमारे दो बड़े भाई हैं, रोहित और विराट कोहली। उन दोनों पर बहुत अधिक निर्भरता होगी।

ऑस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन करना प्राथमिकता : हफीज

पर्थ, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान टीम के डायरेक्टर मोहम्मद हफीज का मानना है कि शान मसूद की अगुवाई वाली टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की चुनौती के लिए तैयार है और देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया में कभी भी टेस्ट सीरीज़ नहीं जीती है। उनका आखिरी दौरा 2019/20 सीज़न में हुआ था। तब मेजबान टीम ने दोनों मैचों में पारी के अंतर से जीत हासिल करते हुए 2-0 से सीरीज़ जीत हासिल की थी।

14 दिसंबर से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज की शुरुआत से पहले हफीज ने कहा, पाकिस्तान की यह टेस्ट टीम अच्छी तरह से स्थापित है और उन्होंने अतीत में देश के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है। यह देखकर खुशी होती है कि ये लोग चुनौतियों का सामना करने के लिए उत्साहित हैं और ऑस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। पाकिस्तान को लेग स्पिनर अबरार अहमद की कमी खलेगी, जो पर्थ टेस्ट से बाहर हो गए हैं और दाहिने पैर की चोट के कारण पुनर्वास से गुजर रहे हैं। ताकि वह 26-30 दिसंबर तक मेलबर्न में होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए फिट हो सकें।

हफीज ने पिंडली की चोट से उबरने के बाद नाथन लियोन की ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में वापसी के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, नाथन लियोन एक महान गेंदबाज हैं। उन्होंने अपनी टीम के लिए टेस्ट मैच जीते हैं लेकिन हम आम तौर पर ऑफ-स्पिन अच्छा खेलते हैं। हमने पिछली कुछ श्रृंखलाओं में उनके खिलाफ काफी रन बनाए हैं। मुझे उम्मीद है कि हमारे बल्लेबाज इस सीरीज में भी उनके खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

हफीज ने कैनबरा में अभ्यास पिच की आलोचना की

पाकिस्तान टीम के निदेशक मोहम्मद हफीज ने कैनबरा में पाकिस्तान के अभ्यास मैच के लिए बनाई गई पिच और परिस्थितियों की आलोचना करते हुए कहा है कि वह वास्तव में व्यवस्थाओं से आश्चर्यचकित और निराश हैं। सुबह के प्रशिक्षण सत्र के बाद वाका मैदान में पत्रकारों से बात करते हुए हफीज ने कहा कि पाकिस्तान चुनौती को लेकर उत्साहित है लेकिन कैनबरा में प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ खेल के लिए दौरे की व्यवस्था से विशेष रूप से परेशान करने वाली है। उन्होंने कहा, यह ऑस्ट्रेलिया में मेहमान टीम द्वारा खेली गई सबसे धीमी पिच है। उन्होंने कहा, एक टीम के रूप में हम वास्तव में अपनी तैयारियों से खुश हैं क्योंकि हम अधिकांश मापदंडों पर खरा उतरे है। उन्होंने कहा, हर कोई जानता है पिच वैसी नहीं है जैसी हम चाहते थे। इसलिए इसे बार-बार कहने और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ इस मुद्दे को उठाने का कोई मतलब नहीं है। निराशा वास्तव में बहुत अधिक थी क्योंकि हम इस प्रकार की व्यवस्था की उम्मीद नहीं कर रहे थे। शायद यह सामरिक है लेकिन हम इसके लिए तैयार हैं। हम इसे बहाने के रूप में इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं, हम आने वाली चुनौतियों के लिए बिल्कुल तैयार हैं।

रोहित के बाद हार्दिक करेंगे मुंबई इंडियंस का नेतृत्व !

सूरत। टीम इंडिया की लिमिटेड ओवर टीम के कप्तान की पहेली अभी भी मुसीबत बनी हुई है। हालांकि, मुंबई इंडियंस आईपीएल टीम में रोहित शर्मा के युग के बाद हार्दिक पांड्या अगले कप्तान की भूमिका निभा सकते हैं। गुजरात टाइटन्स के साथ दो साल के कार्यकाल के बाद मुंबई इंडियंस टीम में फिर से शामिल होने के बाद हार्दिक पांड्या काफी खुश हैं। जीटी के साथ उन्होंने दो साल बतौर कप्तान खेला है और शानदार प्रदर्शन भी किया। जिसमें एक सीजन में वो चैंपियन रहे जबकि दूसरे सीजन में उपविजेता बने। वहीं, मुंबई इंडियंस के साथ वह चार आईपीएल खिताब (215, 217, 219 और 22) पहले ही जीत चुके हैं। श्रीलंका के पूर्व गेंदबाज दिलहारा फर्नांडो का मानना है कि हार्दिक को मुंबई इंडियंस की कप्तानी करनी चाहिए क्योंकि उनमें एक टीम की कप्तानी करने के लिए नेतृत्व गुण हैं। 28 से 211 के बीच मुंबई इंडियंस आईपीएल फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे फर्नांडो ने आईएएनएस के साथ एक खास बातचीत में मुंबई इंडियंस की संस्कृति के बारे में बात की। फर्नांडो ने कहा, मुझे लगता है कि हार्दिक का एमआई में जाना एक अच्छा विकल्प है क्योंकि उनमें नेतृत्व के गुण हैं। मुझे लगता है कि रोहित शर्मा के बाद वह मुंबई इंडियंस का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा, हम हमेशा बहुत प्रतिस्पर्धी रहे हैं। हम हर खेल को गंभीरता से लेते हैं और ड्रेसिंग रूम का माहौल शानदार था जहां वरिष्ठ खिलाड़ी युवाओं के साथ अपने अनुभव साझा करते थे। मेरे युग के दौरान, यह मेरे लिए वास्तव में एक अच्छा अनुभव था। मुंबई इंडियंस के साथ हार्दिक की यात्रा 215 में शुरू हुई और उनके शानदार प्रदर्शन ने उन्हें 216 में भारतीय राष्ट्रीय टीम में जगह दिलाई। हार्दिक ने 215 से 221 तक अपनी क्षमता का प्रदर्शन करते हुए मुंबई इंडियंस की आईपीएल जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज ड्वेन स्मिथ, जिन्होंने 213 में मुंबई इंडियंस के साथ आईपीएल खिताब जीता था। उन्होंने कहा कि आईपीएल 224 से पहले हार्दिक के शामिल होने से मुंबई इंडियंस थोड़ा मजबूत हो गई है। आईपीएल 224 की नीलामी 19 दिसंबर को दुबई में होने वाली है। मुंबई इंडियंस के रिटेन खिलाड़ी- आकाश मधवाल, अर्जुन तेंदुलकर, डेवाल्ड ब्रेविस, ईशान किशन, जेसन बेहरेनडॉर्फ, जसप्रीत बुमराह, कुमार कार्तिकेय सिंह, तिलक वर्मा, नेहल वढेरा, पीयूष चावला, रोहित शर्मा, रोमारियो शेफर्ड (टी), शम्स मुलानी, सूर्यकुमार यादव, टिम डेविड, विष्णु विनोद, हार्दिक पांड्या

पांच देशों के टूर्नामेंट के लिए भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम स्पेन रवाना

बेंगलुरु, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने स्पेन में होने वाले पांच देशों के वालेंसिया 2023 टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए सोमवार को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए) से उड़ान भरी।

भारतीय महिला हॉकी टीम 15 दिसंबर को टूर्नामेंट के पहले मैच में मेजबान स्पेन से भिड़ेगी और 16 दिसंबर को बेल्जियम, 19 दिसंबर को जर्मनी और अपने आखिरी मुकाबले में आयरलैंड से भिड़ेगी।

इसी तरह भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने पांच देशों के टूर्नामेंट वालेंसिया 2023 में 15 दिसंबर को पहले मैच में मेजबान स्पेन से, उसके बाद 16 दिसंबर को बेल्जियम से, 19 दिसंबर को जर्मनी से और 20 दिसंबर को फ्रांस से भिड़ेंगी। वेलेंसिया के लिए उड़ान भरने से पहले भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता ने कहा, पांच देशों का टूर्नामेंट वालेंसिया 2023 हमें सभी महत्वपूर्ण एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 से पहले दुनिया की कुछ शीर्ष हॉकी टीमों के खिलाफ अमूल्य अनुभव मिलेगा। टूर्नामेंट में जाने से हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हम अपने कवच की सभी कमियों को दूर करें और अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता से खेलें।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह इस दौरान कहा, वर्तमान में हम दुनिया में तीसरे स्थान पर हैं, लेकिन हम पेरिस से आगे अपनी महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप सीढ़ी पर और ऊपर चढ़ने का प्रयास करेंगे। 2024 ओलंपिक ऐसा करने के लिए हमें वालेंसिया में आने वाली कठिन टीमों के खिलाफ अपनी क्षमता का परीक्षण करना होगा और सुनिश्चित करना होगा कि हम शीर्ष पर आएं। यह एक शानदार अनुभव होगा और टीम पांच देशों के टूर्नामेंट वालेंसिया 2023 में खेलने को उत्सुक है।

वसीम अकरम ने पर्थ की पिच को लेकर पाकिस्तान को दी चेतावनी

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच से पहले पाकिस्तान के पूर्व गेंदबाज वसीम अकरम ने टीम के खिलाड़ियों को पर्थ की उछाल भरी पिच से सावधान रहने की सलाह दी है। उनका मानना है कि यह पाकिस्तान के लिए एक बड़ी परीक्षा होगी। नए टेस्ट कप्तान शाह मसूद के नेतृत्व में पाकिस्तान की पुरुष टीम ने कैनबरा में ऑस्ट्रेलिया पीएम एकादश के खिलाफ चार दिवसीय अभ्यास मैच खेला, जो 14 दिसंबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला से पहले पाकिस्तान की तैयारी का एक हिस्सा था।

वसीम अकरम ने कहा, ठीक है। कप्तान ने 200 बनाए इसलिए थोड़ा आत्मविश्वास है। लेकिन नया प्रबंधन, नया कप्तान इसमें समय लगेगा खासकर पर्थ में पहले टेस्ट मैच पर उन्हें ज्यादा ध्यान देना होगा। हम जानते हैं कि पिच बहुत उछाल वाली है और यह पिच कैनबरा से बिल्कुल अलग होगी। यह इस टीम के लिए एक बड़ी परीक्षा होगी। पाकिस्तान ने पिछले सप्ताह कैनबरा में अभ्यास मैच में रनों का अंबार लगाया था जिसमें कप्तान शाह मसूद ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में शानदार नाबाद 201 रन बनाए थे, जिसके बाद टीम ने 9 विकेट के नुकसान पर 391 रनों पर पारी घोषित की। जवाब में पीएम एकादश ने दमदार बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट खोकर 367 रन बनाए लेकिन मैच ड्रा रहा।

ऑस्ट्रेलिया एक कठिन देश है, आखिरी बार पाकिस्तान ने यहां 1995 में टेस्ट सीरीज जीती थी। एक नए कप्तान के लिए एक कठिन शुरुआत। लेकिन अगर वे यहां अच्छा प्रदर्शन करते हैं और शक्तिशाली आस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हैं तो इससे उन्हें बहुत आत्मविश्वास मिलेगा : वसीम अकरम

अकरम ने यह भी कहा कि इतिहास पाकिस्तान के पक्ष में नहीं है क्योंकि पिछले दो दशकों में पाकिस्तान ने अनुकूल परिणाम नहीं दिए हैं और टेस्ट में एक भी जीत दर्ज करने में असफल रहा है। उन्होंने आखिरी बार 1995 में ऑस्ट्रेलियाई धरती पर जीत का दावा किया था।

अकरम ने कहा, ऑस्ट्रेलिया एक कठिन देश है, आखिरी बार पाकिस्तान ने यहां 1995 में टेस्ट सीरीज जीती थी। एक नए कप्तान के लिए एक कठिन शुरुआत। लेकिन अगर वे यहां अच्छा प्रदर्शन करते हैं और शक्तिशाली आस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हैं तो इससे उन्हें बहुत आत्मविश्वास मिलेगा। पाकिस्तान 14 दिसंबर को पर्थ में पहले टेस्ट मैच में पैट कमिंस की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा।

सार संक्षेप

वायुसेना ने फ्रेंड्स यूनाइटेड को ड्रॉ पर रोका

नई दिल्ली। दूसरी डीएसए प्रीमियर लीग के रोमांचक मुकाबले में भारतीय वायुसेना ने फ्रेंड्स यूनाइटेड को 3-3 की बराबरी पर रोककर न सिर्फ अंक बांटे उसने अपना सम्मान भी बचाया। अंबेडकर स्टेडियम में आज खेले गए मुकाबले में अच्छे खेल के साथ साथ दर्शनीय गोल भी देखने को मिले। दिन के दूसरे मैच में तरुण संघा ने रॉयल रेंजर्स से गोल रहित बराबरी की और महत्वपूर्ण अंक छीन लिया। फ्रेंड्स यूनाइटेड ने पहले हाफ में तीन गोलों की मजबूत बढ़त बनाने के बाद जैसे हथियार डाल दिए। मध्यांतर के बाद वायुसेना ने जोरदार उड़ान भरी और प्रतिद्वंद्वी के हाथ से निश्चित जीत छीन ली। हेमंत ठाकुर, अभिषेक रावत और अंकित के गोलों से 3- की बढ़त लेने वाले फ्रेंड्स यूनाइटेड की ढील वायुसेना के लिए वरदान साबित हुई और वायुसैनिकों ने दनादन हमले बोल कर तीन दमदार गोल ठोक डाले। विवेक कुमार, मोहम्मद आकिब और सौरभ साधुखान के गोल बढ़ चढ़ कर रहे। विशेषकर प्लेयर ऑफ द मैच आकिब की फ्री किक लाजवाब रही। वहीं एक अन्य मुकाबले में तरुण सांघा ने अपने से बेहतर रॉयल रेंजर्स का न सिर्फ डट कर मुकाबला किया बल्कि अंक भी छीना। तरुण संघा ने अधिकांश समय मैच में दबदबा बनाए रखा।

बंगलादेश ने जापान पर नौ विकेट से ऐतिहासिक जीत दर्ज की

दुबई। बंगलादेश ने सोमवार को अंडर-19 क्रिकेट एशियाकप में ग्रुप बी के मुकाबले में जापान को 99 रन पर समेटने के बाद आशिकुर रहमान शिबली के नाबाद 55 रनों की अर्धशतकीय पारी बदौलत 11.2 ओवर में 1 रन बनाकर नौ विकेट से ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। बंगलादेश के लिए जिशान आलम ने 16 गेंदों में चार चौकों और एक छक्के की मदद से 29 रन बनाये। उन्हें आठवें ओवर की पांचवीं गेंद पर हिंज ने बोल्ड आउट किया। आशिकुर रहमान शिबली ने 45 गेंदों में आठ चौकों की मदद से नाबाद 55 रन बनाये। चौधुर मोहम्मद रिजवान 1 रन पर नाबाद रहे। जापान की ओर से एक मात्र विकेट हिंज को मिला। इससे पहले आज यहां बंगलादेश ने टॉस जीतकर जापान को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी जापान की टीम मुकाबले में शुरु से आखिर तक संघर्ष करती हुई देखी गई। उसका कोई भी खिलाड़ी 2 रन भी नहीं बना सका। जापान की ओर से सबसे अधिक 18 रन निहार परमार ने बनाये। किफर लेक ने 17 रन और कजुमा काटो-स्टैफोर्ड 13 रन ही दहाई अंक तक पहुंच सके। इसके अलावा आदित्य फड़के, ह्यूगो केली और हिरोटाके ने आठ-आठ रन का योगदान दिया। 99 रन के स्कोर में 15 रन अतिरिक्त के रूप में आये। बंगलादेश की ओर से महफुजुर रहमान रब्बी और अरिफुल इस्लाम को दो-दो विकेट मिले।

राजस्थान, कर्नाटक, हरियाणा और तमिलनाडु विजय हजारे ट्रॉफी सेमीफाइनल में

राजकोट/सौराष्ट्र 11 दिसंबर (एजेंसियां) विजय हजारे ट्रॉफी के सोमवार को खेले गये चार क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में राजस्थान, कर्नाटक, हरियाणा और तमिलनाडु ने अपने-अपने मैच जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

पहले क्वार्टर फाइनल में हरियाणा ने बंगाल को चार विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बंगाल ने शाहबाज अहमद की 100 रनों की शतकीय पारी की मदद से 225 रन बनाए। इसके आलवा अभिषेक पोरेल ने 24 रन, सुदीप कुमार घरामी और प्रदीप्ता प्रमाणिक 21-21 रन बनाये। हरियाणा की ओर से युजवेंद्र चहल ने चार विकेट लिये। 226 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हरियाणा के सलामी

बल्लेबाज अंकित कुमार 102 रन शतकीय पारी खेली। इसके अलावा कप्तान अशोक मनेरिया ने 39 रन, निशांत सिंधु 27रन बनाये। राहुल तेवतिया और सुमित कुमार 10 रन बनाकर नाबाद रहे। हरियाणा ने 45.1 ओवर में छह विकेट पर 226 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया।

बंगल की ओर से प्रदीप्ता प्रमाणिक और मोहम्मद कैफ ने दो-दो विकेट लिये। ईशान पोरेल और शाहबाज अहमद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

दूसरे क्वार्टर फाइनल में राजस्थान ने पहले खेलते हुए महिपाल लोमरोर नाबाद 122 और कुनाल सिंह राठौड़ (66) की पारियों की मदद से आठ विकेट पर 267 रन स्कोर बनाया। केरल की ओर से अखिन सथर ने तीन विकेट लिए। तुलसी थम्पी ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। 267 रनों के लक्ष्य पीछा करने उतरी केरल की पूरी टीम 21 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 67 रन सिमट गई। केरल की ओर से सचिन बेबी ने सबसे अधिक 28 रन बनाये। राजस्थान से अनिकेत चौधरी ने सर्वाधिक 4 विकेट लिए, अराफात खान को तीन विकेट मिले। खलील अहमद ने दो बल्लेबाजों को आउट किया।

तीसरे क्वार्टर फाइनल में कर्नाटक ने शानदार गेंदबाजी करते हुए विदर्भ महज 173 रन पर ढेर कर दिया।

हेड और नाहिदा नवंबर माह के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गये

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रेविस हेड और बंगलादेश की ऑलराउंडर नाहिदा अख्तर को नवंबर 2023 के लिए पुरुष और महिला वर्ग में अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी 'प्लेयर ऑफ द मंथ' चुना है। ऑस्ट्रेलिया को छठी बार एकदिवसीय विश्वकप का चैंपियन बनाने में ट्रैविस हेड का अहम योगदान रहा। उन्होंने सेमीफाइनल और फाइनल में जबरदस्त पारियां खेलते हुए दोनों मुकाबलों में टीम को जीत दिलाई थी। हेड ने विश्वकप के पांच मैचों में 44 की औसत से 220 रन बनाये थे। वहीं, भारत के खिलाफ टी-20 श्रृंखला के तीसरे मुकाबले में 18 गेंदों में 35 रन बनाये थे। उन्होंने अपने साथी खिलाड़ी ग्लेन मैक्सवेल और भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को पीछे छोड़ते हुए ये सम्मान हासिल किया है।

आईसीसी द्वारा प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने को लेकर ट्रैविस हेड ने कहा कि इस अवार्ड से सम्मानित होना बड़े सम्मान की बात है, लेकिन यह टीम प्रयास है। सभी प्रारूपों में मेरी टीम के साथियों के बिना ऐसा नहीं होता। इसलिए इस तरह के अवार्ड उनके लिए भी उतने ही हैं जितने मेरे लिए। नाहिदा अख्तर ने पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई थी। बंगलादेश ने पिछले महीने एकदिवसीय सीरीज में पाकिस्तान को 2-1 से हराया। उस सीरीज में नाहिदा का विशेष योगदान रहा था उन्होंने तीन मैचों में सात विकेट चटकाए थे और प्लेयर ऑफ द सीरीज भी बनी थीं। नाहिदा ने प्लेयर ऑफ द मंथ का चुने जाने पर कहा, यह संजोने का क्षण है। क्रिकेट एक्सपर्ट्स के इस प्रतिष्ठित पैनल द्वारा मान्यता प्राप्त करना बहुत मायने रखता है और आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड जीतना मेरे लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत होगा।

भारत को जू. हॉकी टीम को नीदरलैंड के खिलाफ क्वॉर्टर फाइनल में जीत के लिए स्ट्रक्चर पर काबिज रहना होगा

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (देशबन्धु)। भारत ने स्ट्राइकर ऑलराउंडर अरिजित सिंह हंदल की हैट्रिक से दक्षिण कोरिया को 4-2 से हरा कर आगाज करने के बाद अगले मैच में स्पेन से 1-4 से मिली हार से उबर कनाडा को क्रालालंपुर में एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में शनिवार को अपने तीसरे और आखिरी मैच में 10-1 से हरा कर दूसरी जीत के साथ कुल छह अंकों के साथ पूल सी में दूसरे स्थान पर क्वॉर्टर फाइनल में स्थान पाया। उत्तम सिंह की अगुआई वाली भारतीय जूनियर टीम अब क्वॉर्टर फाइनल में पूल डी में दो जीत और एक जीत के साथ शीर्ष पर रहने वाली नीदरलैंड से भिड़ेगी। भारत की जूनियर टीम के लिए उत्साह बढ़ाने वाली बात यह है कि पाकिस्तान की जूनियर टीम ने पूल डी में तीन बार पिछड़ने के बावूजद नीदरलैंड को अपने पहले ही मैच में पिछड़ने के बाद तीन -तीन गोल की बराबरी पर रोका था। ऐसे में भारत की जूनियर टीम को नीदरलैंड के खिलाफ

12 दिसंबर : क्वॉर्टर फाइनल, भारत वि. नीदरलैंड, सुबह पौने नौ बजे से

क्वॉर्टर फाइनल के लिए यह हौसला जरूर मिलेगा कि यदि वह अपने 'स्ट्रक्चर' पर काबिज रहे तो जरूर ही उसके खिलाफ जीत हासिल कर सकती है। साथ ही भारतीय जूनियर टीम के खिलाड़ियों को बेवजह कार्ड लेकर मैदान से बाहर जाने से बचना होगा।

भारत की जूनियर टीम के कप्तान उत्तम सिंह ने कहा, %हमने इस जूनियर हॉकी विश्व कप में

- भारत की जू. टीम के खिलाड़ियों को बेवजह कार्ड लेने से बचना होगा
- भारत की जू. टीम के कप्तान उत्तम बोले, नीदरलैंड के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ खेल खेलें

अच्छी हॉकी खेली है । कनाडा पर मिली 10-1 से जीत से अब नॉकआउट क्वॉर्टर फाइनल के लिए निश्चित रूप से हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा। हम नीदरलैंड के खिलाफ क्वॉर्टर फाइनल में भी पूरी क्षमता से अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाने की कोशिश करेंगे।' भारत की जूनियर टीम के कोच सीआर कुमार ने कहा, हमारे लड़के हर चुनौती के लिए तैयार हैं। हम इस जूनियर हॉकी विश्व कप में एक समय केवल एक मैच की बाबत सोच आगे बढ़ रहे हैं। बेशक क्वॉर्टर फाइनल बड़ा मैच है पर हमारे लड़के इसके लिए तैयार हैं।' भारत की जूनियर टीम को नीदरलैंड पर जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में पहुंचना है तो अग्रिम पंक्ति में उसके लिए पहले मैच में हैट्रिक जमाने वाले स्ट्राइकर अरिजित सिंह हंदल, कप्तान उत्तम सिंह, सुदीप चिरिमाको, बॉबी सिंह धामी और आदित्य अर्जुन लालगे जैसे स्ट्राइकरों को आक्रामक सेंटर हाफ विष्णुकांत और राजिंदर के अभियानों का लाभ उठाकर खुद मैदानी गोल करने के साथ बराबर पेनल्टी कॉर्नर भी बनाने होंगे। साथ ही भारत की रक्षापंक्ति में रोहित, अमनदीप के साथ गोलरक्षक मोहित को पूरी मुस्तैदी दिखा कर नीदरलैंड के लिए तीन तीन गोल करने वाले स्ट्राइकर ओलिवर होरनटियूस व बोरिस कैस्पर वान डेर वीन, ड्रैग फ्लिकर टिमो बोरेस और कप्तान मिनो बोरेन से चौकस रहना होगा। भारत के खिलाडियों को बेवजह नीदरलैंड के खिलाफ कार्ड लेकर मैच से बाहर होने से बचना होगा। खासतौर पर रोहित और बॉबी अति उत्साह में गेंद को कब्जे में लेकर शुरू के तीन मैचों पीले कार्ड लेकर गलत वक्त पर मैच से बाहर होते रहे हैं और इसकी भारत ने बड़ी कीमत चुकाई है।

देशबन्धु

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

एचसीएल टेक	2.69 प्रतिशत
जेएसडब्ल्यू स्टील	2.44 प्रतिशत
इंफोसिस	1.67 प्रतिशत
एचडीएफसी बैंक	1.38 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	1.17 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

आईटीसी	1.95 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	1.48 प्रतिशत
टाटा मोटर्स	1.00 प्रतिशत
नेस्ले इंडिया	0.73 प्रतिशत
टाटा स्टील	0.62 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2500-2600
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

चीनी एस	3640-3740
चीनी एम	3800-3900
मिल डिलीवरी	3520-3620
गुड़	4300-4400

दाल-दलहन

चना	6450-6550
दाल चना	7450-7550
मसूर काली	7800-7900
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9900-10000
अरहर दाल	10400-10500

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त उबाल आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

आरबीआई ने कर्ज माफी की पेशकश वाले विज्ञापनों पर जारी की चेतावनी

मुंबई, 11 दिसम्बर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को कर्ज माफी की पेशकश कर कर्जदारों को लुभाने वाले भ्रामक विज्ञापनों पर चेतावनी जारी की। ऐसी संस्थाओं द्वारा बिना किसी अधिकार के 'ऋण माफी प्रमाणपत्र' जारी करने के लिए सर्विस/लीगल फीस वसूलने की खबरें हैं। आरबीआई ने कहा कि ये संस्थाएं प्रिंट मीडिया के साथ-साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी ऐसे कई कैंपेन को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा, 'जनता को आगाह किया जाता है कि वे ऐसे झूठे और भ्रामक अभियानों का शिकार न बनें और ऐसी घटनाओं की रिपोर्ट कानून प्रवर्तन एजेंसियों से करें।' यह भी हमारे संज्ञान में आया है कि कुछ स्थानों पर, कुछ व्यक्तियों द्वारा अभियान चलाए जा रहे हैं, जो बैंकों से ली जाने वाली प्रतिभूतियों पर अपने अधिकारों को लागू करने के बैंकों के प्रयासों को कमजोर करते हैं। 'ऐसी संस्थाएं गलतबयानी कर रही हैं कि बैंकों समेत

वित्तीय संस्थानों का बकाया चुकाने की जरूरत नहीं है।'

आरबीआई के बयान में कहा गया है, 'ऐसी गतिविधियां वित्तीय संस्थानों की स्थिरता और सबसे बढ़कर, जमाकर्ताओं के हितों को कमजोर करती हैं। यह भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि ऐसी संस्थाओं के साथ जुड़ने से प्रत्यक्ष वित्तीय नुकसान हो सकता है।'

आरबीआई सर्वेक्षण में 19 प्रमुख शहरों में उपभोक्ताओं का विश्वास रहा स्थिर

आरबीआई के सोमवार को जारी एक सर्वेक्षण के अनुसार, वर्तमान अवधि में देश में उपभोक्ता विश्वास स्थिर बना हुआ है, क्योंकि वर्तमान सामान्य आर्थिक स्थिति और रोजगार पर उच्च निराशावाद वर्तमान आय पर सकारात्मक बदलाव से संतुलित हुआ है। नवंबर 2023 दौर के आरबीआई के द्विमासिक उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण में कहा गया है कि वर्तमान स्थिति सूचकांक पिछले उपभोक्ता सर्वेक्षण दौर से 92.2 पर अपरिवर्तित रहा। परिवारों की वर्तमान कमाई का आकलन जुलाई 2019 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया और भविष्य की आय की उम्मीदों में भी और सुधार हुआ। हालांकि, सर्वेक्षण में कहा गया है कि उपभोक्ताओं ने वर्तमान और भविष्य दोनों मूल्य स्थितियों पर नकारात्मक भावनाएं बरकरार रखी हैं। सर्वेक्षण 19 प्रमुख शहरों में सामान्य आर्थिक स्थिति, रोजगार परिदृश्य, समग्र मूल्य स्थिति और स्वयं की आय और खर्च पर परिवारों की वर्तमान धारणाओं (एक साल पहले की तुलना में) और एक वर्ष आगे की अपेक्षाओं को एकत्र करता है।

उत्तरदाता सामान्य आर्थिक स्थिति, रोजगार, आय और व्यय के लिए एक वर्ष आगे की संभावनाओं पर काफी आशावादी रहे; हालाँकि, सामान्य आर्थिक और रोज़गार स्थितियों पर विश्वास पिछले सर्वेक्षण दौर की तुलना में थोड़ा कम था, जिसके कारण सकारात्मक क्षेत्र में भविष्य की उम्मीदों के सूचकांक (एफईआई) में कमी आई, जैसा कि सर्वेक्षण में कहा गया है।

अगले वित्त वर्ष में 6.5 प्रतिशत की गति से बढ सकती है अर्थव्यवस्था: एक्सिस बैंक

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर (एजेंसियां)। निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक ने आज कहा कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था विकास के मामले में आश्चर्यचकित कर सकती है और मार्च 2024 में समाप्त हो रहे वित्त वर्ष में विकास दर 7 प्रतिशत रह सकती है लेकिन अगले वित्त वर्ष में इसके 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। एक्सिस बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री और एक्सिस कैपिटल के वैश्विक शोध प्रमुख नीलकंठ मिश्रा ने आज वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में इंडिया इकॉनोमिक एंड मार्केट आउटलुक रिपोर्ट को जारी करते हुये कहा कि चालू वित्त वर्ष में आर्थिक विकास दर 7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। हालांकि अगले वित्त वर्ष में इसमें कुछ नरमी दिख सकती है और इसके 6.5 प्रतिशत पर रहने का अनुमान है।

उन्होंने कहा कि औसत खुदरा महंगाई के चालू वित्त वर्ष में 5.6 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष में 4.8 प्रतिशत रहने की संभावना है। चालू वित्त वर्ष में चालू खाता घाटा 1.4 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष में इसके 1.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसी तरह से चालू वित्त वर्ष में राजस्व घाटा 8.9 प्रतिशत तक रह सकता है और अगले वित्त वर्ष में यह 8.3 प्रतिशत पर आ सकता है। श्री मिश्रा ने कहा कि ऐसे पॉजिटिव सरप्राइज लगातार दिये जाते रहेंगे, जो ट्रेंड-विकास धारणाओं को नए सिरे से ऊपर उठाने में सहायक होंगे और भारत के जीडीपी पूर्वानुमानों से बढ़कर प्रदर्शन होगा। दुनिया की प्रतिकूल परिस्थितियां बढ़ने से वित्त वर्ष 2025 में विकास में गिरावट आ सकती है। उन्होंने कहा कि वैश्विक प्रतिकूलताओं को दूर करते हुए घरेलू लचीलापन जारी रहने की संभावना है। कई विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भारत की जीडीपी वृद्धि आश्चर्यजनक रूप से सकारात्मक है। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति धीरे-धीरे लक्ष्य की ओर लौटेगी लेकिन राहत के विकल्प सीमित होंगे। बैंक को उम्मीद है कि मुख्य मुद्रास्फीति धीमी गति से बनी रहेगी, क्योंकि महामारी से पहले के मुकाबले जीडीपी का अंतर कम हो रहा है।

टाटा पावर, इंडियन ऑयल ने 500 ईवी चार्जिंग पॉइंट के लिए किया समझौता

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर (एजेंसियां)। टाटा पावर और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) ने देश भर में तेल विपणन कंपनी के पेट्रोल पंपों पर 500 से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग पॉइंट शुरू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। टाटा पावर के एक बयान के अनुसार, ये ईवी चार्जिंग पॉइंट मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, बेंगलुरु, अहमदाबाद, पुणे और कोच्चि जैसे प्रमुख शहरों के साथ-साथ मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे, सलेम-कोच्चि हाईवे, गुंटूर-चेन्नई हाईवे जैसे प्रमुख राजमार्गों पर स्थापित किए जाएंगे। बयान में कहा गया है कि यह रणनीतिक सहयोग एक विश्वसनीय और विस्तृत इंटरसिटी चार्जिंग नेटवर्क बनाने पर केंद्रित है जो शहरों के बीच यात्रा करने वाले ईवी मालिकों के लिए रेंज की चिंता को कम करने में मदद करेगा। यह समझौता भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड (टीपीईएम) द्वारा पिछले सप्ताह इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 7,000 चार्जिंग पॉइंट स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बाद हुआ है। बीपीसीएल ने कहा, 'समझौते का उद्देश्य बीपीसीएल के व्यापक ईंधन स्टेशनों के नेटवर्क और सड़कों पर टाटा ईवी से टीपीईएम की जानकारी का लाभ उठाना है, ताकि टाटा ईवी मालिकों द्वारा अक्सर आने वाले स्थानों पर चार्जर स्थापित किया जा सके।

काइनेटिक ग्रीन ने लांच किया जुलु ई स्कूटर

मुंबई, 11 दिसम्बर (एजेंसियां)। इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता काइनेटिक ग्रीन ने नया इलेक्ट्रिक स्कूटर जुलु लॉन्च करने की घोषणा की है। कंपनी ने आज इसके लांच के मौके पर 'प्लैनेट एट अवर हार्ट' के साथ एक नई ब्रांड पहचान का भी अनावरण किया। इस मौके पर काइनेटिक ग्रीन के संस्थापक और सीईओ सुलज्जा फिरोदिया मोटवानी ने कहा, 'यह काइनेटिक ग्रीन परिवार और बड़े पैमाने पर ईवी उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। काइनेटिक ग्रुप को काइनेटिक होंडा स्कूटर और काइनेटिक लूना जैसे क्रांतिकारी दोपहिया वाहनों के लिए लाखों लोगों द्वारा जाना और पसंद किया गया है। हमारे ई-स्कूटर जुलु के लॉन्च के साथ, काइनेटिक ग्रीन यह घोषणा करते हुए उत्साहित है कि हम आने वाले वर्षों में अपने ग्राहकों के लिए 2-पहिया और 3-पहिया वाहनों की एक श्रृंखला विकसित करेंगे और लाएंगे और अब ' ग्रीन' अवतार में। मैं समाज के लिए नवाचार और सेवा की महान काइनेटिक विरासत को आगे बढ़ाने में सक्षम होने और अब इसमें 'स्थायी गतिशीलता' का एक नया अध्याय जोड़ने में सक्षम होने के लिए धन्य और गौरवान्वित हूं। काइनेटिक ग्रीन के इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन शून्य-उत्सर्जन वाहन होंगे, जिससे हमारा ग्रह हरा-भरा और वायु स्वच्छ बनेगा। वे बहुत कम परिचालन लागत के साथ ग्राहकों के लिए बढ़िया मूल्य और बचत भी लाएंगे। हम वास्तव में इस नए अवतार में दोपहिया यात्रा फिर से शुरू करने के लिए उत्साहित हैं! इसके अलावा, हमारी रीब्रांडिंग जनता के लिए नवीन और सतत गतिशीलता समाधानों की खोज में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। जैसे ही हम हरित प्रौद्योगिकी के इस युग में प्रवेश कर रहे हैं, नई ब्रांडिंग ब्रांड के इस इरादे और नेतृत्व को बढ़ावा देगी।'

काइनेटिक ग्रीन का नया जुलू अद्वितीय सुविधाओं और नवाचारों, उल्लेखनीय गति, व्यापक रेंज और शानदार कंफर्ट से भरपूर है। यह वाहन को ईवी पर स्विच करने के इच्छुक लोगों और युवाओं और जेन जेड के लिए एक उत्कृष्ट विकल्प बनाता है, जिनके लिए जुलू संभवत: स्वतंत्रता और गतिशीलता में उनका पहला प्रयास होगा।

सेंसेक्स 70 हजार और निफ्टी 21 हजार अंक के करीब

मुंबई, 11 दिसम्बर (एजेंसियां)। विकसित देशों के केंद्रीय बैंकों के नए वर्ष से ब्याज दरों में कटौती शुरू करने की संभावना में विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत सेंसेक्स 70 हजार और निफ्टी 21 हजार अंक के करीब पहुंच गया। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 102.93 अंक की तेजी के साथ 69928.53 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 27.70 अंक बढ़कर 20997.10 अंक पर पहुंच गया। हालांकि बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों में लिवाली की रफ्तार दिग्गज कंपनियों से अधिक रही। इससे मिडकैप 0.91 प्रतिशत की छलांग लगाकर 35,610.50 अंक और स्मॉलकैप 0.71 प्रतिशत उछलकर 41,394.60 अंक पर रहा।

इस दौरान बीएसई में कुल 4035 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2391 में लिवाली जबकि 1467 में बिकवाली हुई वहीं 177 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 28 कंपनियाँ लाभ जबकि शेष 22 नुकसान में रही। बीएसई में तेल एवं गैस और हेल्थकेयर समूह की 0.38 प्रतिशत तक की गिरावट को छोड़कर शेष 18 में लिवाली हुई। इस दौरान कमोडिटीज़ 1.16, सीडी 0.50, ऊर्जा 0.09, एफएमसीजी 0.60, वित्तीय सेवाएं

0.13, इंडस्ट्रियल्स 0.82, आईटी 0.37, दूरसंचार 0.44, यूटिलिटीज 0.67, ऑटो 0.48, बैंकिंग 0.04, कैपिटल गुड्स 0.76, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.42, धातु 1.10, पावर 0.59, रियल्टी 0.92, टेक 0.32 और सर्विसेज समूह के शेयरों में 0.95 प्रतिशत की तेजी रही।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी का रुख रहा। इस दौरान जर्मनी का डैक्स 0.02, जापान का निक्केई 0.50 और चीन का शंघाई कम्पोजिट 0.74 प्रतिशत की मजबूती रही। वहीं, ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.32 और हांगकांग का हैंगसेंग 0.81 प्रतिशत फिसल गया। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 100 अंक की तेजी के साथ 69,925.63 अंक पर खुला और थोड़ी देर बाद ही 70,057.83 अंक के सार्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। लेकिन, बिकवाली के दबाव में यह दोपहर से पहले 69,782.48 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 69,825.60 अंक की तुलना में 0.15 प्रतिशत बढ़कर 69,928.53 अंक पर रहा।

निफ्टी मामूली गिरावट के साथ 20,965.30 अंक पर सपाट खुला और सत्र के दौरान 21,026.10 अंक के रिकॉर्ड उच्चतम स्तर जबकि 20,923.70 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 20,969.40 अंक के मुकाबले 0.13 अंक उठकर 20,997.10 अंक हो गया। इस दौरान सेंसेक्स की मुनाफा कमाने वाली कंपनियों में अल्ट्रासिमको 3.04, नेस्ले इंडिया 1.30, पावरग्रिड 1.05, टाटा मोटर्स 0.85, इंडसइंड बैंक 0.82, एचसीएल टेक 0.81, एनटीपीसी 0.74, आईटीसी 0.70, जेएसडब्ल्यू स्टील 0.67, टाटा स्टील 0.66, आईसीआईसीआई बैंक 0.60, टेक महिंद्रा 0.59, टीसीएस 0.44, कोटक बैंक 0.36, एलटी 0.17, रिलायंस 0.12, एसबीआई 0.06 और सन फ़ार्मा 0.02 प्रतिशत शामिल रही। वहीं, एक्सिस बैंक 1.26, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.99, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.67, मारुति 0.59, बजाज फिनसर्व 0.43, विप्रो 0.39, बजाज फाइनेंस 0.23, भारती एयरटेल 0.21, एचडीएफसी बैंक 0.14, इंफ़ोसिस 0.13 और टाइटन ने 0.10 प्रतिशत का नुकसान उठाया।

विद्यार्थियों को जियोस्पैटियल टेक्नोलॉजी में कौशल प्रदान करने का समझौता

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर (एजेंसियां)। अग्रणी शोध संस्थान सेंटर फॉर नॉलेज सॉवरेनटी (सीकेएस) और भौगोलिक सूचना प्रौद्योगिकी (जीआईएस) समाधान क्षेत्र की कंपनी एसरी इंडिया टेक्नोलॉजीज़ ने देश में विद्यार्थियों को किसी जगह-जमीन की स्थिति की जांच-परख और नियोजन में सहायक को जियोस्पैटियल टेक्नोलाजी का कौशल प्रदान करने का कार्यक्रम चलाने के लिए हाथ मिलाया है। सोमवार को यहां आयोजित इस समझौते के बारे में जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, 'मास्टर मेंटर्स जियो एनेबलिंग इंडियन स्कॉलर्स' (एमएमजीईआईएस) प्रोग्राम का लक्ष्य आठवीं कक्षा से स्नातक स्तर के विद्यार्थी हैं और इसके तहत भारत को जियोस्पैटियल टेक्नोलॉजी के लिए भारत को एक वैश्विक कौशल और नवाचार हब बनाने का लक्ष्य रखा गया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष किरण कुमार की मौजूदगी में इस सहमति ज्ञापन पर सेंटर फॉर नॉलेज सॉवरेनटी के सचिव विनीत गोयनका और एसरी इंडिया के प्रबंध निदेशक अगेंद्र कुमार द्वारा हस्ताक्षर किया गया। बयान के अनुसार इस कार्यक्रम के तहत प्रति वर्ष एक लाख विद्यार्थियों को समर्थ बनाने के लक्ष्य के साथ स्कूल और कॉलेज स्तर पर जियोस्पैटियल के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इसरो के पूर्व चेयरमैन किरण कुमार, आईएमडी के पूर्व महानिदेशक डाक्टर केजे रमेश और भारत के पूर्व महासर्वेक्षक गिरीश कुमार जैसे अग्रणी वैज्ञानिकों के निर्देशन में उदीयमान विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर अगली पीढ़ी के जियोस्पैटियल अनुसंधान एवं नवोचर के लिए मंच तैयार करने के लिहाज से इस प्रोग्राम को डिजाइन किया गया है।

प्रोग्राम का लक्ष्य आठवीं कक्षा से स्नातक स्तर के विद्यार्थी हैं और इसके तहत भारत को जियोस्पैटियल टेक्नोलॉजी के लिए भारत को एक वैश्विक कौशल और नवाचार हब बनाने का लक्ष्य रखा गया

विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस कार्यक्रम को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर जनवरी, 2024 में शुरू किया जा रहा है और पूर्ण रूप से इसे जून, 2024 में प्रारम्भ किया जाएगा।

खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में जारी तेजी के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा जबकि मूंग दाल सस्ती हो गई वहीं गेहूं के भाव चढ़ गए।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में दिसंबर का पाम ऑयल वायदा 35 रिंगिट चढ़कर 3635 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.18 सेंट की तेजी के साथ 50.38 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा। सरसों तेल 74 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया जबकि मूंगफली तेल 110 रुपए प्रति क्विंटल उतर गया। वहीं, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन: दाल-दलहन बाजार में मूंग दाल में 100 रुपए प्रति क्विंटल की गिरावट को छोड़कर शेष दाल-दलहन में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पड़े रहे।

यूपी में कृषि यंत्रों पर अनुदान के लिए 14 दिसम्बर तक आवेदन कर सकेंगे किसान

लखनऊ, 11 दिसम्बर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार कृषि यंत्रीकरण की समस्त योजनाओं के अंतर्गत कृषि यंत्र/कृषि रक्षा उपकरण, कस्टम हायरिंग सेंटर, हाईटेक हब फॉर कस्टम हायरिंग, थ्रेसिंग फ्लोर व स्माल गोदाम पर अनुदान प्राप्त करने का अवसर किसानों को उपलब्ध करा रही है। कृषि यंत्र वितरण के लिए लाभार्थी चयन में पहले आओ-पहले पाओ व्यवस्था को समाप्त कर प्राप्त आवेदन के लिए बुकिंग में ई-लॉटरी के माध्यम से लाभार्थी के चयन की व्यवस्था प्रारंभ की गई है। अभी 10 हजार रुपये से अधिक अनुदान वाले कृषि यंत्रों के आवेदन के लिए बुकिंग प्रक्रिया चल रही है। कृषि यंत्रीकरण की योजनाओं- एनएफएसएम, एसएमएएम, एनएमएओ (ओएस-टीबीओ) में कृषि यंत्र/कृषि रक्षा उपकरण, कस्टम हायरिंग सेंटर, हाईटेक हब फॉर कस्टम हायरिंग, थ्रेसिंग फ्लोर व स्माल गोदाम पर अनुदान प्राप्त करने के लिए आवेदन व बुकिंग 30 नवंबर से चल रही है जो 14 दिसंबर तक चलेगी। समस्त बुकिंग की सूची से जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय कार्यकारी समिति के समक्ष रखी जाएगी। विभागीय पोर्टल पर ई-लॉटरी के माध्यम से ब्लॉकवार लक्ष्यों के सापेक्ष लाभार्थी का चयन किया जायेगा।

कृषि विभाग के अनुसार, लाभार्थी/कृषक विभागीय दर्शन पोर्टल पर 'यंत्र पर अनुदान हेतु टोकन निकालें' लिंक पर क्लिक कर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ई-लॉटरी व्यवस्था में लक्ष्य के अनुरुप चयनित किये जाने वाले लाभार्थियों

की संख्या के अतिरिक्त लक्ष्य का 50 प्रतिशत तक क्रमवार प्रतीक्षा सूची भी तैयार की जायेगी। लक्ष्य की पूर्ति न होने की दशा में अवशेष लक्ष्यों के सापेक्ष ई-लॉटरी द्वारा तैयार प्रतीक्षा सूची के क्रम में लाभार्थी का चयन किया जायेगा। ई-लॉटरी हेतु स्थल, तिथि एवं समय की जानकारी आवेदकों को संबंधित जनपदीय उप कृषि निदेशक द्वारा अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएगी। लेजर लैंड लेवलर, पोस्ट होल डीगर, पोटैटो प्लान्टर, पोटैटो डीगर, शुगर केन कटर प्लांटर, शुगर केन थ्रेस कटर, शुगर केन रेटून मैनैजर, हैरो, कल्टीवेटर, पावर स्प्रेयर, मल्टीक्रॉप थ्रेसर, पावर चैफ कटर, स्ट्रा रीपर, ब्रस कटर, मिनी राइस मिल, मिनी दाल मिल, मिलेट मिल, सोलर ड्रायर, ऑयल मिल विद फिल्टर प्रेस, पैकिंग मशीन, रोटावेटर, ट्रैक्टर माउण्टेड स्प्रेयर, ब्रिकेट मेकिंग मशीन, यूरिया डीप प्लेसमेन्ट एप्लीकेटर, सेल्फ प्रोपेल्ड यंत्र, पावर टिलर, पावर वीडर, कम्बाइन हार्वेस्टर विद सुपर एस.एम.एस., राइस ट्रांसप्लांटर, जीरो टिल मल्टीक्रॉप प्लांटर, मेज सेलर, हैप्पी सीडर, रीपर कम बाइण्डर, सामुदायिक थ्रेसिंग फ्लोर, छोटा गोदाम, कस्टम हायरिंग सेन्टर, हाईटेक हब फॉर कस्टम हायरिंग आदि पर अनुदान का लाभ मिलेगा।

सार संक्षेप

रुपया तीन पैसे चढ़ा

मुंबई। शेयर बाजार की जारी तेजी के साथ ही आयातकों एवं बैंकरों कि बिकवाली से आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया तीन पैसे की बढ़त लेकर 83.37 रुपए प्रति डॉलर हो गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 83.4 रुपए प्रति डॉलर रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया एक पैसे बढ़कर 83.39 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान बिकवाली होने से 83.37 रुपए प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया और इसी स्तर पर बंद हुआ। वहीं, लिवली होने से यह 83.4 रुपए प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया।

देश में इस साल ब्लू-कॉलर कर्मचारियों की नियुक्ति 7.4 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। देश में ब्लू-कॉलर कार्यबल में 223 में नियुक्ति में 7.4 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई जिसमें लॉजिस्टिक्स, निर्माण और रियल एस्टेट, टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी शानदार नौकरी के अवसरों के लिए टॉप सेक्टर के रूप में उभरे। नियुक्ति में वृद्धि के मामले में कोलकाता लीडिंग मेट्रो सिटी के रूप में उभरा। पुणे और चंडीगढ़ रोजगार के अवसरों में पर्याप्त प्रगति प्रदर्शित करते हुए टॉप-टियर 2 शहर रहे। ग्लोबल मैचिंग और हायरिंग प्लेटफॉर्म इनडीड के अनुसार, एसएमबी की वृद्धि, शहरीकरण, बुनियादी ढांचे के विकास, सर्विस सेक्टर का विस्तार और लागत प्रभावी श्रम बाजार सहित कई फैक्टर्स इन शहरों में बढ़ती नौकरी वृद्धि में योगदान दे रहे हैं। इनडीड इंडिया के बिक्री प्रमुख शशि कुमार ने कहा, '223 में विशेष रूप से टियर-2 शहरों में नियुक्ति में पर्याप्त वृद्धि देखी गई। 224 को देखते हुए, नई तकनीक अपनाने वाले संगठन उज्वल भविष्य के लिए नौकरी चाहने वालों के बीच स्किल्स बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देते हैं।' ब्लू-कॉलर नियोक्ताओं (49 प्रतिशत) ने 223 में जनरेशन जेड टैलेंट (26 साल से कम उम्र वाले) की तलाश की, जबकि वाइट-कॉलर (41 प्रतिशत) ने मिलेनियल (27 से 41 की उम्र के) उम्मीदवारों की तलाश की।

मस्क ने कंट्रोवर्शियल एलेक्स जोन्स का एक्स अकाउंट किया बहाल

सैन फ्रांसिस्को। एलन मस्क ने रेडियो कार्यक्रम प्रस्तोता एलेक्स जोन्स का एक्स अकाउंट बहाल कर दिया है। बता दें कि जोन्स को कंपनी की अपमानजनक व्यवहार नीति का उल्लंघन करने के लिए 218 में ट्विटर से निलंबित कर दिया गया था। पिछले हफ्ते मस्क ने कहा था कि वह जोन्स को बहाल करने पर विचार करेंगे। मस्क ने पोस्ट किया, 'चूंकि यह प्लेटफॉर्म ग्लोबल टाउन स्क्वायर बनने की आकांक्षा रखता है, इसलिए परमानेंट बैन अत्यंत दुर्लभ होना चाहिए।' मस्क ने रविवार को एक्स पर एक सर्वेक्षण शुरू करने के बाद बहाली की पुष्टि की, जिसमें लगभग 2 मिलियन वोट मिले, इसमें लगभग 7 प्रतिशत जोन्स को बहाल करने के पक्ष में थे। मस्क ने जवाब में पोस्ट किया, 'लोगों ने बात की है और ऐसा ही होगा' उन्होंने कहा कि जोन्स 'कानून नहीं तोड़ सकते।

जमीन बेचने का झांसा देकर साइकिल व्यवसायी से 26 लाख की धोखाधड़ी

11 लाख की बजाए 11 हजार का दिया चेक

बिलासपुर,11 दिसंबर (देशबन्धु)। व्यवसायी और उनके दोस्त को जमीन की रजिस्ट्री कराने का झांसा देकर 26 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोपित ने मामले में समझौता के लिए व्यापारियों को एक चेक भी दिया। इसमें भी 11 लाख की बजाए 11 हजार रुपये भर दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

दयालबंद में रहने वाले सुरेंद्र सिंह आजमानी व्यवसायी हैं। उनकी बुधवारी में साइकिल की दुकान है। व्यवसायी ने बताया कि तोरवा के गुरुनानक चौक के पास रहने वाले श्यामसुंदर मुदलियार ने अपनी पत्नी स्मिता मुदलियार के नाम की तीन हजार वर्ग फीट जमीन को सन्नी छाबड़ा और सुरेंद्र आजमानी के पास बेचने का सौदा किया था। इसके लिए व्यवसायी ने 11 लाख रुपये एडवांस दिया।श्यामसुंदर ने व्यवसायी को एक मुख्तियारनामा भी दिखाया था। सौदे के बाद व्यवसायी ने शेष रुपये देकर रजिस्ट्री के लिए कहा।

इस पर वह टालमटोल करने लगा। धोखाधड़ी की आशंका पर व्यवसायी ने मामले की शिकायत तोरवा थाने में की। जिस पर श्याम सुंदर मुदलिया और बसंत साहू थाना पहुंचा। उन्होंने मामले में समझौता की बात किया तो व्यवसायी राजी हो गया श्याम सुंदर ने लिखा पढ़ी के बाद 11 लाख रुपये व्यवसायी के दोस्त सन्नी छाबड़ा 11 लाख रुपये का चेक दिया। साथ ही 15 लाख रुपये का एक चेक सुरेंद्र आजमानी को देने की बात कही। सन्नी को चेक देते समय श्याम सुंदर ने चालकी करते हुए 11 लाख के बजाए 11 हजार रुपये भर दिया। वहीं, सुरेंद्र को चेक देने घुमाते रहा। समझौते के बाद भी रुपये वापस नहीं मिलने पर व्यवसायी ने मामले की शिकायत तोरवा थाने में की है। इस पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

डिप्टी सीएम को निषाद पार्टी ने दी बधाई

बिलासपुर , 11 दिसम्बर (देशबन्धु)। आज कसडोल क्षेत्र क्र. 44 के भाजपा विधायक प्रत्याशी धनीराम धीवर और निषाद पार्टी के राष्ट्रीय सचिव तथा प्रदेश प्रभारी संजय सिंह राजपूत ने कुशाभाऊ ठाकरे परिसर भाजपा कार्यालय रायपुर में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नवनिर्वाचित लोरमी विधायक और प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव को बिलासपुर सम्भाग से बनने पर बधाई दिये तथा मध्य प्रांत (मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़) के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष निषाद पार्टी सूरज निषाद, प्रदेश सचिव नीरज राठौड़ तथा राजकुमार निषाद तीजू राम धीवर, एस कुमार धीवर, विरेंद्र ओझा, प्रवेश कुमार निषाद के साथ अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

आत्मानंद स्कूल के बच्चों से लगवाया जा रहा है झाड़ू-पोंछा

सरकार जाते ही मनमानी पर उतर आए प्राचार्य

बिलासपुर, 11दिसम्बर (देशबन्धु)। आत्मानंद स्कूल में बच्चों से झाड़ू पोंछा लगवाया जा रहा है। बिना क्लास रूम की सफाई की पढ़ाई शुरू नही हो रही है। सत्ता पलटते हो स्वामी आत्मानंद स्कूल के प्राचार्य और शिक्षकों का अमानवीय चेहरा से आने लगा है।

ताजा मामला बिलासपुर अरपा पार सरकंडा के स्वामी आत्मानंद स्कूल का है जहां पर पढ़ने वाले छात्र छात्राओं से झाड़ू पोंछा लगवाया जा रहा है। जब तक बच्चे झाड़ू पोंछा नही लगवाते तब तक पढ़ाई शुरू नही होती। स्कूल प्रबंधन के इस रवैए से पलक गुस्से में है।

उनका कहना है बड़ी उम्मीद से हम अपने बच्चो को स्कूल में प्रवेश दिलाया है। लेकिन वहां बच्चो से झाड़ू पोंछा कराया जा रहा है।

आपको बता दे की प्रदेश के गरीब बच्चों को अंग्रेजी स्कूलों को तरह उच्च स्तरीय शिक्षा देने के उद्देश्य से स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल की शुरुआत की गई थी। इन स्कूलों में सभी बच्चो को अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई कराया जा रहा है। निवर्तमान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विशेष रुचि लेकर प्रदेशभर में आत्मानंद स्कूल का पूरा चैनल खुलवाया था। इस स्कूल को खोलने का मुख्य मकसद यही था कि छत्तीसगढ़ के बच्चे भी फर्राटेदार अंग्रेजी पढ़े और बोलें। लेकिन सत्ता जाते ही स्कूल में पदस्थ शिक्षक अपना रंग दिखाने लगे है।

नाबालिग को भगाकर ले जाने वाला आरोपी मध्यप्रदेश से गिरफ्तार

बिलासपुर , 11 दिसम्बर (देशबन्धु)। नाबालिग से बलात्कार करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सीपत पुलिस ने बताया कि प्रार्थी थाना आकर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसकी नाबालिग लडकी को बीते दिनों रात्रि में कोई अज्ञात व्यक्ति के द्वारा बहला फुसला कर अपहरण कर ले गया है। थाना प्रभारी ने सायबर सेल के माध्यम से अपहृता का ग्राम व चौकी जयंत थाना विंध्यनगर जिला सिंगरौली मध्यप्रदेश लोकेशन प्राप्त हुआ जो विशेष टीम तैयार कर जिला सिंगरौली मध्यप्रदेश टीम रवाना कर को अपहृत नाबालिक लडकी को ग्राम व चौकी जयंत थाना विंध्यनगर जिला सिंगरौली मध्यप्रदेश मे नेसार असरफ के मकान में अर्जुन खरे पिता विजय खरे उम्र 21 साल साकिन गुडी के पास से बरामद किया गया है ।प्रकरण में, पीडिता का कथन कराया गया जो अपने कथन में बतायी कि अर्जुन खरे के द्वारा नाबालिक होना जानते हुये भी उसके मां बाप से बिना सहमति प्राप्त किये उसे बहला फुसलाकर उसे भगाकर ले जाकर अपनी पत्नि बनाकर लगातार संभोग करना बतायी जो प्रकरण में पृथक से धारा 366,376 भादवि व 4,6 पाक्सो एक्ट जोडी जाकर आरोपी अर्जुन खरे को गिरफ्तार कर न्यायालय बिलासपुर में रिमांण्ड पर पेश किया गया है।

NECC
12.12.2023 अंडा मुर्गी काकरेल
फार्म 585 75 135
चिल्हर 690 90 165
डिलीवरी 600 सैकड़ा
दर्जन अंडा 83 रु.
मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रू.
CSPFA

'नन्हें फरिश्ते' अभियान से अभी तक 261 बच्चों की सकुशल वापसी

सुरक्षा के साथ–साथ सामाजिक जिम्मेदारी का आरपीएफ़ द्वारा सफलतापूर्वक निर्वहन

बिलासपुर , 11 दिसम्बर (देशबन्धु)। रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रेल यात्रियों, रेल संपत्ति की सुरक्षा के साथ ही साथ अपने सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन भी सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ कर रही है । रेलवे सुरक्षा बल द्वारा कर्तव्यनिष्ठा से जरूरतमंद यात्रियों को सहायता प्रदान करने के साथ-साथ महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष ध्यान देते हुए इनकी सुविधा व सुरक्षा के किए निरंतर अभियान चलाया जा रहा है ।

इसी कड़ी में रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा अपनी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए इस वर्ष नवंबर' 2023 माह तक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के क्षेत्राधिकार में ऑपरेशन नन्हें फरिश्ते के तहत घर से भागे हुये, परिजनों से बिछड़े हुये 261 नाबालिग बच्चों, जिनमें 148 बालक एवं 113 बालिकाएं शामिल थे, उन्हें विभिन्न स्टेशनों/ट्रेनों में रेसक्यू कर गैर-सरकारी संगठनों व उनके अभिभावकों को सौंपा गया ।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, सुरक्षा बल के जवान सतर्कता, सुरक्षा और सेवा के उद्देश्य के साथ चौबीस घंटे लगन से अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन सेवाभाव के साथ कर रहे है । रेल सुरक्षा बल द्वारा किए जा रहे इन कार्यों को जनता से बहुत सकारात्मक और उत्साहजनक प्रतिक्रिया लगातार मिल रही है । इसके साथ ही रेलवे सुरक्षा बल नियंत्रण कक्ष में चौबीसों घंटे चल रहे सुरक्षा हेल्पलाइन और महिला हेल्पलाइन के माध्यम से यात्रियों को त्वरित सहायता प्रदान की जाती है । रेलवे स्टेशनों/ट्रेनों पर महिला आरपीएफ स्टाफ की तैनाती के द्वारा महिला यात्रियों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिये जा रहे है ।

यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आरपीएफ कर्मचारियों द्वारा रात्रि में चलने वाली अतिसंवेदनशील ट्रेनों को एस्कॉर्ट किया जा रहा है । असुरक्षित ट्रेनों/सेक्शनों में पर्याप्त संख्या में डिकॉय टास्क फोर्स टीमों की तैनाती द्वारा यात्री सामान की चोरी, नशाखोरी, पाकिटमारी तथा अन्य जघन्य अपराध जैसे चोरी, डकैती में शामिल अपराधियों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रेल सुरक्षा बल अधिकारियों और कर्मचारियों का मनोबल काफी ऊंचा है और वे रेल यात्रियों, यात्री परिसर और रेलवे संपत्ति की उचित सुरक्षा सुनिश्चित करने के रेल सुरक्षा बल के उद्देश्यों के प्रति प्रतिबद्ध एवं समर्पित हैं।

प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन, प्रा.लि. के लिए पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. प्रेस में मुद्रित एवं गर्ल्स कॉलेज के पास, जरहाभाटा, बिलासपुर से प्रकाशित। प्रेस पंजीयन- 52158/91 डाक पंजीयन 112-002/2002 सी जी फोन- 07752 422771, 428159 फैक्स नं. 415188